फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 286 प्रभात जयपुर, बुधवार 20 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

We Made The Zinc Distillation System

Zawar holds the distinction of being the first centre, producing pure zinc on an industrial scale in the world

Nature's Ornamental Masterpiece

The Quiet Power of Beauty and Memory

तृणमूल कांग्रेस में भारी उथल-पुथल, विभाजन के संकेत मिल रहे हैं

तृणमूल महासचिव और अभिषेक बनर्जी के प्रति भारी नाराज़गी है पार्टी में, जो बड़े घटनाक्रम का कारण बन सकती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। आज बंगाल में हो रहे बदलाव की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस ने फाल्टा विधानसभा सीट से जहाँगीर खान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे अब सार्वजनिक रूप से गायब बताए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की है कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे।

लेकिन, चूँकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख निकल जाने के बाद उन्होंने यह फैसला किया है, इसलिए चुनाव प्रक्रिया में उनका नाम उम्मीदवार के रूप में बना रहेगा।

उम्मीदवार जहांगीर खान ने पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को फोन पर इसकी जानकारी देने की कोशिश की। लेकिन बताया जा रहा है कि अभिषेक बनर्जी ने उनकी कॉल्स नहीं उठाई। पार्टी के ऊपरी स्तर से लेकर निचले स्तर तक, अभिषेक के खिलाफ नाराज़गी बढ़ती जा रही है।

- नाराज़गी का आलम यह है कि कोलकाता नगर निगम में जब हरीश मुखर्जी स्ट्रीट में स्थित अभिषेक के आलीशान घर को तोड़ने के नोटिस जारी किए गए तो तृणमूल पार्षदों ने इसका विरोध तक नहीं किया, जबकि निगम में तृणमूल पार्षदों का बहुमत है।
- कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम ने भी इस पर टिप्पणी से इन्कार कर दिया और यहाँ तक कि अभिषेक की प्रॉपर्टी बचाने की कोशिश तक नहीं की।
- फाल्टा सीट, जहाँ उपचुनाव में जहाँगीर खान तृणमूल प्रत्याशी हैं, ने चुनाव प्रचार से खुद को दूर कर लिया और अब तो चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा भी कर दी है। हालांकि, उन्होंने नाम वापस लेने की तारीख के बाद चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की, इसलिए वे अधिकृत रूप से तो अभी भी चुनाव मैदान में हैं।
- तृणमूल के कई नेता, कार्यकर्ता अब अभिषेक बनर्जी के खिलाफ मुखर होने लगे हैं।

कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि पार्टी में दो फाड़ हो सकता है। तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब खुलकर महासचिव का बचाव करने से बच रहे हैं।

कोलकाता नगर निगम में पार्टी के कुछ शीर्ष नेताओं ने अप्रत्यक्ष रूप से अभिषेक बनर्जी के हरीश मुखर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान घर को गिराने के नोटिस का समर्थन किया है। इसे कोलकाता नगर निगम क संभावित बड़े घटनाक्रम की झलक माना जा रहा है।

कोलकाता नगर निगम में तृणमूल कांग्रेस के 144 पार्षद हैं, लेकिन किसी ने भी अभिषेक बनर्जी के घर को तोड़े जाने के लिए जारी नोटिस का विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी, सुबोध अग्रवाल की न्यायिक हिरासत 1 जून तक बढ़ी

जयपुर, 19 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े एसीबी केस में आरोपी, पूर्व मंत्री महेश जोशी, पूर्व एसीएस सुबोध अग्रवाल सहित 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि वीसी के जरिए एक जून तक बढ़ा दी। जिन अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है उनमें दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सैना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड, महेंद्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक, निरिल कुमार एवं संजय बडाया शामिल हैं। वहीं मामले में फरार अन्य आरोपी जितेन्द्र शर्मा, मुकेश गोयल एवं

- जल जीवन मिशन घोटाला मामले में 11 अन्य आरोपियों की भी हिरासत अवधि बढ़ी।

संजीव गुप्ता को कोर्ट ने भगोडा घोषित कर रखा है।

इस मामले में एसीबी ने प्रारंभिक जांच करने के बाद 30 अक्टूबर 2024 को केस दर्ज किया था। गौरतलब है कि साल 2021 में जल जीवन मिशन के तहत श्री श्याम ट्यूबवेल व श्री गणपति ट्यूबवेल के संचालकों ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर करोड़ों रुपए के टेंडर लिए थे। घोटाला सामने आने पर एसीबी ने मामले की जांच शुरू की थी और बाद में ईडी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में निर्माण भवन ध्वस्त और अब उद्योग भवन की बारी

सैंट्रल विस्टा रीकंस्ट्रक्शन प्लान जारी रहेगा, बिना किसी अवरोध के

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। निर्माण भवन को ध्वस्त कर दिया गया है और केन्द्र सरकार इससे लगे हुए उद्योग भवन को भी ध्वस्त करने की तैयारी में है। यह कदम 13,169 करोड़ के सेंट्रल विस्टा पुनर्निर्माण योजना का हिस्सा है।

समाचार रिपोर्टों में नीति आयोग के अधिकारियों का हवाला देते हुए पिछले सप्ताह बताया गया था कि केन्द्र सरकार के थिंक टैंक ने मंत्रालयों को, पश्चिम एशिया युद्ध के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट को देखते हुए, पुनर्निर्माण योजना को दो साल के लिए रोकने की सलाह दी थी। लेकिन आयोग ने इस तरह की किसी सलाह से इनकार किया।

- हाल ही में नीति आयोग के अफसरों के हवाले से खबर आई थी कि आयोग ने मंत्रालयों को सलाह दी है कि पश्चिम एशिया के वॉर को देखते हुए दो साल के लिए निर्माण कार्य रोक दिए जाएं। पर आयोग ने कहा, उसने ऐसी कोई सलाह नहीं दी।
- यह प्रोजैक्ट 2019-20 से शुरु हुआ था और कोविड-19 प्रतिबंधों के दौरान भी जारी रहा था, इसके तहत 1950-60 के दशक की इमारतों को तोड़कर नई इमारतें बनाई जा रही हैं।
- विपक्ष ने इसे दिल्ली की विरासत से खिलवाड़ बताया, वहीं कुछ एनजीओ ने पेड़ों की कटाई पर विरोध जताया। प्रोजैक्ट पर रोक के लिए कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

विपक्षी नेताओं, पर्यावरणविदों, शहरी योजनाकारों और गैर-सरकारी संगठनों ने इस योजना को "अहंकार परियोजना बताया है, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष विरासत को कमज़ोर करके राष्ट्रीय पहचान को एक विशेष वैचारिक दिशा में ले जाना है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं के अनुसार, यह योजना दिल्ली के हरित आवरण (ग्रीन कवर) को 23 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगी। इसके अलावा, इंदिरा गांधी नैशनल सेन्टर फॉर द आर्ट्स (आईजीएनसीए), राष्ट्रीय संग्रहालय, राष्ट्रीय अभिलेखागार जैसे हेरिटेज भवनों के ध्वंस/रूप परिवर्तन पर भी चिंता व्यक्त की गई है। बावजूद इसके, 2019-20 में शुरू की गई यह परियोजना लगातार जारी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी यह रुकी नहीं थी।

केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही इस योजना के तहत 1950-1960 के दशक में बने केन्द्रीय सरकारी भवनों को ध्वस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर सभी याचिकाओं को "रिवाइव" किया और अपने ही पूर्व आदेश को रद्द कर दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी में हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के प्रशासन को नियंत्रित करने वाले कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह को पुनर्जीवित किया।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और एस. सी. शर्मा की पीठ ने कहा कि वह इन याचिकाओं की सुनवाई करेगी, जिनमें से पहली याचिका 2012 में दिवंगत स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा दायर की गई थी। इनकी सुनवाई 24 जुलाई से शुरू होगी।

पिछले साल याचिकाओं की सुनवाई के दौरान, सर्वोच्च न्यायालय ने

- गत वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका दायर करने वालों को संबंधित राज्यों के हाई कोर्ट में अपील करने के निर्देश दिए थे।
- जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एस सी शर्मा की बैंच ने जिन याचिकाओं को रिवाइव किया है, उनमें से एक 13 साल पुरानी है, जो वर्ष 2012 में दायर की गई थी।
- ये याचिकाएं तमिलनाडु हिंदू रिलीजियस एण्ड चैरिटेबल एन्डाओमैंट्स एक्ट, 1959 तथा पड्डुचेरी एक्ट 1932 और आँध्र प्रदेश चैरिटेबल एंड हिंदू रिलीजियस एन्डाओमैंट्स एक्ट के खिलाफ दायर की गई हैं।

नोट किया कि ये याचिकाएँ कई राज्यों के हिंदू धार्मिक संस्थान और चैरिटेबल एंडोमेंट्स अधिनियम को चुनौती देती हैं और कहा कि उच्च न्यायालयों को पहले इन याचिकाओं की सुनवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसमें स्थानीय मुद्दे शामिल हो सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीडब्ल्यूडी के 3 अधिशासी अभियंता घटिया सड़क निर्माण में गिरफ्तार

जयपुर, 19 मई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) कोटा इकाई ने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में घटिया निर्माण सामग्री उपयोग कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के मामले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के तीन तत्कालीन अधिशासी

- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने यह कार्यवाही 2013 में दर्ज प्रतापगढ़ जिले के मामले में की।

अभियंताओं और एक संवेदक को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को मंगलवार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायालय प्रतापगढ में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

एसीबी रेंज कोटा प्रभारी ओम प्रकाश मीणा ने बताया कि प्रतापगढ़ जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत लेवापाडा, हीरापाडा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लाहौर में रहमान गली फिर राम गली बनी और इस्लामपुरा बना कृष्णा नगर

आठ दशक बाद लाहौर की गलियों का उनके पुराने हिंदू नाम लौटाए जा रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। यह बदलाव पाकिस्तान के पंजाब की सरकार की एक व्यापक पहल का हिस्सा है, जिसे लाहौर हेरिटेज एरिया रिवाइवल प्रोजेक्ट कहा जाता है। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रयास दशकों की उपेक्षा, अव्यवस्थित विकास और वैचारिक पुनर्लेखन के बाद सांस्कृतिक राजधानी को विभाजन पूर्व की पहचान में लौटाने का है।

विभाजन के लगभग आठ दशक बाद, लाहौर की सड़कों ने चुपचाप वे नाम छोड़ दिए हैं जो बाद के वर्षों में उन्हें दिए गए थे और पुराने नामों पर लौट रही हैं। "इस्लामपुरा" फिर से "कृष्ण नगर" बन गया है। "बाबरी मस्जिद चौक" वापस "जैन मंदिर चौक" हो गया है। रहमान गली अब फिर से राम गली हो गई है। पिछले दो महीनों में, शहर के कम से कम नौ स्थानों के नाम

- यह बदलाव असल में पाकिस्तान के पंजाब की सरकार के लाहौर एरिया रिवाईवल प्रोजैक्ट के तहत किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य लाहौर को उसके विभाजन से पहले वाला ऐतिहासिक स्वरुप लौटाना है और इसलिए सभी जगहों को उनके विभाजन से पहले वाले नाम दिए जा रहे हैं।
- पाकिस्तानी सूत्रों के अनुसार, यह प्रोजैक्ट पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के दिमाग की उपज है, जिसे उनकी बेटी मरियम नवाज़ पूरा कर रही हैं, जो अभी पंजाब की मुख्यमंत्री हैं।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कवायद का कट्टरपंथी तत्वों द्वारा कोई विरोध नहीं किया गया है और पाकिस्तानी हुक्मरान इसे बदलाव की लहर के रूप में प्रचारित कर रहे है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह सारी कवायद दुनिया की "गुडविल" कमाने के लिए दिखावा मात्र है?

औपचारिक रूप से बदल दिए गए हैं, और कई और स्थान इस प्रक्रिया में हैं।

ये बदलाव पंजाब सरकार की व्यापक पहल का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक राजधानी को उसके विभाजन पूर्व की पहचान में पुनः स्थापित करना है।

बदलाव गहरे हैं। सुन्नत नगर अब संत नगर बन गया है। मौलाना जफर अली खान चौक फिर से लक्ष्मी चौक बन गया है। मुस्तफाबाद लौटकर धरमपुरा हो गया है। उपनिवेश कालीन नाम भी वापस लाए जा रहे हैं। फातिमा जिन्ना रोड अब फिर से क्वीन्स रोड हो गई है, अल्लामा इकबाल रोड को जेल रोड, और बाग-ए-जिन्ना को उसका पुराना नाम लॉरेन्स गार्डन दिया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्रेट निकोबार बायोरिजर्व को ध्वस्त किया जा रहा है'

नई दिल्ली, 19 मई। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार व्यावसायिक हितों से

- कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया और कहा वर्ष 2013 में ग्रेट निकोबार को युनेस्को के जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र में शामिल किया गया था।

प्रेरित परियोजना के लिए ग्रेट निकोबार जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र को ध्वस्त कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिपब्लिकन पार्टी में राजनैतिक अस्तित्व की एकमात्र शर्त है ट्रंप के प्रति वफादारी

रिपब्लिकन पार्टी के स्वरूप में यह भारी बदलाव है, पूर्व में रिपब्लिकन नेता पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होते थे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। डॉनल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी पर पकड़ अब एक नए और निर्णायक दौर में पहुंच गई है। इसका ताजा शिकार बने हैं लूसियाना के सिनेटर बिल कैसिडी, जिनका राजनीतिक पतन अब उन सभी रिपब्लिकन नेताओं के लिए चेतावनी बन गया है, जो अभी भी ट्रंप को चुनौती देने की हिम्मत रखते हैं।

कैसिडी की राजनीतिक "गलती" पांच साल पहले की है, जब उन्होंने 6 जनवरी को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल पर हुए हमले के मामले में ट्रंप के दूसरे महाभियोग ट्रायल के दौरान उन्हें दोषी ठहराने के पक्ष में वोट दिया था। पिछले हफ्ते ट्रंप ने बदला लेते हुए कैसिडी के खिलाफ प्राइमरी चुनाव में एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया। इसके साथ ही, कैसिडी ऐसे पहले रिपब्लिकन सीनेटर बन गए, जिन्हें महाभियोग वाले वोट की वजह से प्राइमरी चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। ट्रंप का विरोध करने वाले अन्य रिपब्लिकन नेता, जैसे मिट रोमनी और थॉम टिलिस ने पहले ही टकराव से बचने के लिए राजनीति से संन्यास लेने का रास्ता चुन लिया था।

संदेश बिल्कुल साफ है: रिपब्लिकन पार्टी के भीतर अब असहमति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैसिडी की हार से पहले ट्रंप उन रिपब्लिकन नेताओं को भी किनारे लगा

- जिन नेताओं ने कभी भी ट्रंप का विरोध किया था, असहमति जताई थी, उन सभी का ट्रंप एक के बाद एक राजनैतिक रूप से खत्म कर रहे हैं।
- नवीनतम निशाना हैं, लूसियाना के सिनेटर बिल कैसिडी। जिनके प्राइमरी चुनाव में ट्रंप ने इनके खिलाफ प्रत्याशी खड़ा कर इन्हें पराजित करवा दिया, उनकी गलती थी कि उन्होंने पाँच साल पर अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हुए हमले के मामले में ट्रंप पर चले महाभियोग में ट्रंप के खिलाफ वोट दिया था।
- यही नहीं ट्रंप का विरोध कर चुके कुछ नेता तो इसी तरह की कार्यवाही के भय से राजनीति छोड़ चुके हैं।
- संकेत साफ है कि अगर रिपब्लिक पार्टी में राजनैतिक अस्तित्व बचाना है तो ट्रंप की हाँ में हाँ मिलानी ही होगी।

चुके हैं, जिन्होंने उनका विरोध किया था। इनमें वायोमिंग की पूर्व प्रतिनिधि लिज़ चेनी भी शामिल हैं। ट्रंप का अगला निशाना हैं कैन्टकी के सांसद थॉमस मैसी, जिन्होंने ट्रंप की खर्च संबंधी नीतियों की आलोचना की थी, ईरान में अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाए थे और एप्स्टीन फाइल्स जारी करने की मांग की थी। अब उन्हें भी कैन्टकी की रिपब्लिकन प्राइमरी में ट्रंप समर्थित उम्मीदवार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप का प्रभाव सिर्फ वॉशिंगटन तक सीमित नहीं है। इंडियाना में कई रिपब्लिकन राज्य विधायकों ने ट्रंप समर्थित निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन योजना का समर्थन करने से इनकार किया था, जिसके बाद वे हाल के प्राइमरी चुनावों में हार गए। पूरी पार्टी में अब ट्रंप के प्रति वफादारी ही राजनीतिक अस्तित्व की सबसे बड़ी शर्त बन चुकी है।

हार स्वीकार करने वाले अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल में नीट पुर्नपरीक्षा करायें -धर्मेन्द्र प्रधान

नई दिल्ली, 19 मई। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा तथा निष्पक्षता के

- शिक्षा मंत्री ने जिला मजिस्ट्रेटों व पुलिस अधीक्षकों के साथ समन्वय बैठक करने के निर्देश दिये।

साथ आयोजित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछली परीक्षा प्रक्रिया में जो भी कमियां सामने आई थीं, उन्हें पूरी तरह दूर किया जाना चाहिए, ताकि पुनर्परीक्षा का संचालन त्रुटिरहित और विश्वसनीय तरीके से हो सके। उन्होंने अधिकारियों को सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित, निर्बाध और फुलप्रूफ परीक्षा कराने के निर्देश दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सुंदर विचार जिनके साथ हैं। वे कभी एकांत में नहीं हैं। -सर पी. सिडनी

बदलते भारत में टेक्नोलॉजी, नैतिकता और न्याय

आज भारत एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ा है। हम हज़ारों साल पुरानी सभ्यता हैं, फिर भी आबादी के लिहाज़ से दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक हैं। हम धर्म और न्याय केपुरातन दर्शनों का घर हैं, फिर भी हम ऐसा आधुनिक सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहे हैं जिन्हें दुनिया तारीफ़ से देखती है। मगर परंपरा और बदलाव के बीच का यह मेल एक अहम सवाल खड़ा करता है कि जैसे-जैसे भारत टेक्नोलॉजी के ज़रिए बदल रहा है, क्या हम न्याय के करीब जा रहे हैं या उससे दूर होते जा रहे हैं? इसका जवाब देने के लिए, हमें तीन आपस में गहरी जुड़ी चीजों को समझना होगा। वे हैं नैतिकता, टेक्नोलॉजी और न्याय। इन्हीं तीन चीजों को समाहित करते हुए जयपुर में पिछले दिनों 'सूरज संस्थान' ने 'कनोडिया स्कूल ऑफ लॉ फॉर वीमन' के साथ मिल कर एक अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी रखी। यह स्पष्ट है कि टेक्नोलॉजी बदलाव का इंजन होती है और वह बदलाव लाने वाली सबसे साफ़ दिखने वाली ताकत होती है। पिछले एक दशक में यूपीआई भुगतान से लेकर आधार-आधारित पहचान प्रणालियों तक, व एआई-पावर्ड गवर्नेंस टूल्स से लेकर ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म तक, टेक्नोलॉजी ने हमारे जीने, काम करने और एक-दूसरे से जुड़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। किसी भी शहर में अब एक सब्ज़ी बेचने वाला, गोलगप्पे खिलाने वाला और रिक्शेवाला भी डिजिटल पेमेंट ले सकता है। किसी दूर-दराज के गांव का एक छात्र ऑनलाइन क्लास में शामिल हो सकता है। कोई मरीज़ टेलीमेडिसिन के ज़रिए सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठे डॉक्टर से सलाह ले सकता है। इस नई टेक्नोलॉजी में सभी तक पहुंच को आसान बनाने, काम में होने वाली कमियों को दूर करने और दूरियों को पाटने की ताकत है। लेकिन यहीं पर एक एक पेंच भी है। टेक्नोलॉजी अपने आप में नैतिक नहीं होती। यह तटस्थ होती है। उसका असर इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे कैसे डिज़ाइन करते हैं, कैसे लागू करते हैं, और कैसे इसे नियंत्रित करते हैं। नैतिकता वह दिशासूचक होती है जिसे हम नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। भारत की सनातन नैतिक परंपरा बहुत समृद्ध है। अहिंसा, धर्म (कर्तव्य) और सर्वोदय (सभी का कल्याण) जैसे विचार हमें सिखाते हैं कि तरक्की तभी सार्थक होती है जब वह सभी का भला करे। लेकिन डिजिटल युग में, नैतिकता से जुड़े सवाल और भी ज़्यादा पेचीदा होते जा रहे हैं। जैसे कि क्या कंपनियों को लोगों का बहुत सारा निजी डेटा इकट्ठा करके अपने पास रखना चाहिए? क्या एल्गोरिदम ऐसे फ़ैसले ले सकते हैं जिनका असर लोगों की ज़िंदगी पर पड़े, क्या एआई से लोन मंज़ूर करना या नौकरी के लिए लोगों को चुनना उचित है? एक आसान सा उदाहरण लेते हैं। सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला फ़ेशियल रिकग्निशन सिस्टम। यह सुरक्षा को बेहतर बना सकता है, लेकिन अगर यह किसी की पहचान गलत कर दे तो क्या होगा? अगर यह कुछ खास समुदायों को ही ज़्यादा निशाना बनाए तो क्या होगा? जब एआई सिस्टम से कोई गलती हो जाती है, तो उसके लिए ज़िम्मेदार कौन होगा? नैतिक निगरानी के अभाव में, तकनीक अनजाने में ही पूर्वाग्रहों को मज़बूत कर सकती है, असमानताओं को गहरा कर सकती है, और यहां तक कि मौलिक अधिकारों को भी नज़रंदाज़ कर सकती है। इसलिए, नैतिकता कोई विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है।

इस विमर्श के केंद्र में अंतिम लक्ष्य न्याय होना चाहिए। न्याय का मतलब सिर्फ़ अदालतें और कानून नहीं होते है। न्याय का मतलब है निष्पक्षता, समानता और गरिमा। इसका मतलब है यह सुनिश्चित करना कि हर नागरिक, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, को अवसरों और अधिकारों तक समान पहुंच मिले। प्रौद्योगिकी में न्याय को शक्तिशाली तरीकों से आगे बढ़ाने की क्षमता होती है, जैसे सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म दूरदराज के इलाकों तक सरकारी सेवाएं पहुंचा सकते हैं; स्कूलों की कक्षाएं भी पहुंचा सकते हैं। ऑनलाइन सिस्टम मानवीय विवेक के दखल को कम करके भ्रष्टाचार कम कर सकते हैं। वह समावेशन में मदद कर सकते हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकियां लाखों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल कर सकती हैं। फिर भी प्रौद्योगिकी अन्याय के नए रूप भी पैदा कर सकती है। डिजिटल विभाजन उन लोगों को बाहर कर देता है जिनके पास इंटरनेट की पहुंच या डिजिटल साक्षरता नहीं है। इसके अलावा एल्गोरिद्मिक पूर्वाग्रह से हाशिए पर पड़े समूहों के साथ भेदभाव हो सकता है। निगरानी प्रौद्योगिकियां निजता और स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या प्रौद्योगिकी न्याय की ओर ले जाती है, बल्कि सवाल यह है कि हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि वह न्याय की तरफ ले जाए। भारतीय संदर्भ में देखें तो हमें नई प्रौद्योगिकियां अवसर और चुनौतियां दोनों देती हैं। भारत में हो रहा परिवर्तन अपने पैमाने और विविधता के कारण अद्वितीय है। हम लाखों लोगों की बात नहीं कर रहे हैं, हम अरबों लोगों की बात कर रहे हैं। यहां किसी भी तकनीकी समाधान को भाषाओं, संस्कृतियों और आर्थिक स्थितियों के पार जाकर काम करना होगा, जो अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा करता है। भारत समावेशी नवाचार का नेतृत्व कर सकता है। ऐसे समाधान दे सकता है जो सबसे वंचित लोगों के लिए डिज़ाइन किए गए हों। हमारा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा न्यायसंगत विकास के लिए एक वैश्विक मॉडल बन सकता है। हम नैतिक सिद्धांतों को प्रौद्योगिकी में शुरू से ही एकीकृत कर सकते हैं। लेकिन इसमें बड़ी चुनौतियां हैं। हमें शहरी-ग्रामीण डिजिटल विभाजन को पाटना होगा; तेजी से डिजिटलीकृत हो रहे समाज में डेटा निजता और सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा; गलत सूचना या सामाजिक विभाजन के लिए प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकना होगा। नैतिकता और वास्तविकता जहां मिलती हैं कुछ उस वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों पर नज़र डालें। भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र ने लेन-देन को तेज़ और अधिक सुलभ बना दिया है। लेकिन यह डेटा निजता और वित्तीय सुरक्षा के बारे में भी सवाल उठाता है। क्या उपयोगकर्ताओं को पता होता है कि उनके डेटा का उपयोग कैसे किया जाता है? नौकरी के आवेदनों की छंटनी के लिए एआई उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि ये कुशल हैं, लेकिन अगर इन्हें पक्षपातपूर्ण डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, तो ये मौजूदा पूर्वाग्रहों को दोहरा सकते हैं। सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने वाले प्लेटफ़ॉर्म के रूप में महत्वपूर्ण है, किन्तु वह गलत सूचना को भी तेज़ी से फैला सकते हैं, जिससे चुनाव, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक सद्भाव प्रभावित हो सकते हैं। इनमें से प्रत्येक के उदाहरण दिखाते हैं कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी न्याय को कमजोर भी कर सकती है।

> **नैतिकता वह दिशासूचक होती है जिसे हम नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। भारत की सनातन नैतिक परंपरा बहुत समृद्ध है। अहिंसा, धर्म (कर्तव्य) और सर्वोदय (सभी का कल्याण) जैसे विचार हमें सिखाते हैं कि तरक्की तभी सार्थक होती है जब वह सभी का भला करे। लेकिन डिजिटल युग में, नैतिकता से जुड़े सवाल और भी ज़्यादा पेचीदा होते जा रहे हैं।**

ऐसे में हम आगे कैसे बढ़ें? इसका जवाब लोगों को जोड़ने वाले तरीके में है। इसके लिये ज़िम्मेदार शासनव सरकारों को ऐसी नीतियां बनानी होगी जो नए आइडिया और नियमों के बीच संतुलन बनाए रखें। डेटा सुरक्षा, एआई नैतिकता और डिजिटल अधिकारों पर कानून बहुत ज़रूरी हैं। नैतिक डिज़ाइन का मामला सबसे महत्वपूर्ण है। इंजीनियरों और डेवलपर्स को टेक्नोलॉजी में शुरू से ही नैतिक सवालों को शामिल करना होगा। इसके अलावा लोगों में जागरूकता की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों को जानकारी और ताकत मिलनी चाहिए। आज की दुनिया में डिजिटल साक्षरता उतनी ही ज़रूरी है जितनी पारंपरिक साक्षरता। कंपनियों की भी जवाबदेही बनानी होगी। कंपनियों को केवल अपना मुनाफा बढ़ाने से आगे बढ़कर अपने सामाजिक सरोकारों के बारे में भी सोचना होगा। पारदर्शिता और जवाबदेही पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। टेक्नोलॉजी सभी के लिए बनाई जानी चाहिए, सिर्फ़ कुछ खास लोगों के लिए नहीं। इसका मतलब है कि इसे सभी के लिए सुलभ, किफ़ायती और इस्तेमाल में आसान बनाने पर ध्यान देना होगा। भारत का पुराना ज्ञान एक गहरी समझ देता है: यथा दृष्टि, तथा सृष्टि अर्थात जैसी सोच, वैसी ही दुनिया। अगर टेक्नोलॉजी के बारे में हमारी सोच सिर्फ़ काम करने की तेज़ी और मुनाफ़े पर टिकी है, तो हम शायद एक ऐसी दुनिया बना लेंगे जो तेज़ तो होगी, लेकिन उसमें सबके साथ बराबरी का बर्ताव नहीं होगा। लेकिन अगर हमारी सोच नैतिकता और न्याय से जुड़ी होगी, तो हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जो न सिर्फ़ आगे बढ़ा हुआ होगा, बल्कि उसमें मानवीयता भी होगी।यह हम पर निर्भर करता है कि हम कैसा भविष्य चुनते हैं। जैसे-जैसे भारत बदल रहा है, हम सिर्फ़ ढांचा ही नहीं बना रहे हैं, बल्कि हम खुद समाज के भविष्य को भी आकार दे रहे हैं। इसलिए असली चुनौती टेक्नोलॉजी से जुड़ी नहीं है, बल्कि नैतिकता से जुड़ी है। क्या हम टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल लोगों को ताकत देने के लिए करेंगे या उन्हें काबू में रखने के लिए करेंगे? क्या हम सबको साथ लेकर चलने को ज़्यादा अहमियत देंगे या काम करने की तेज़ी को? क्या हम ऐसे सिस्टम बनाएंगे जो सभी के काम आएं, या सिर्फ़ कुछ खास लोगों के? इन सवालों के जवाब ही यह तय करेंगे कि भारत का यह बदलाव न्याय की एक कहानी बनेगा, या अन्याय की। टेक्नोलॉजी हमें ताकत देती है, नैतिकता हमें बताती है कि उस ताकत का इस्तेमाल कैसे करना है, और न्याय यह पक्का करता है कि उस ताकत का फ़ायदा सभी को मिले। अगर हम इन तीनों ताकतों को एक साथ ला पाएं, तो भारत न सिर्फ़ खुद बदलेगा, बल्कि वह पूरी दुनिया को यह भी दिखाएगा कि तरक्की नए आइडिया वाली होने के साथ-साथ न्यायपूर्ण भी कैसे हो सकती है!

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

इटली व भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ी

नरेन्द्र मोदी

जॉर्जिया मेलोनी

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें। इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक-जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है-को भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह केवल दो व्यवस्थाओं का साधारण मेल नहीं है, बल्कि ऐसा साझा मूल्य निर्माण है जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को और अधिक मजबूत बनाती हैं।

यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। मेड इन इटली हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, और आज इसका स्वाभाविक तालमेल मेक इन इंडिया पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी - जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है - एक सकारात्मक संकेत है। यह हमारी सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेज़ी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या, तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता-इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसे मजबूती देगी। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों, के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है। इटली और भारत लंबे समय से इस दिशा में सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो। भारत और इटली एआई को समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम भी मानते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आसान, बहुभाषी तकनीकों के जरिए एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है, न कि उन्हें और बढ़ा सकता भारत के मानव विज़न- यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित एल्गोर-एथिक्सकी अवधारणा, जो उसकी मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बने। हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी-7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है। एआई को इंसानों की ओर से इंसानों के लिए बनाई गई तकनीक मानने का अर्थ है यह स्पष्ट करना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है।

इसका उपयोग जनमत को प्रभावित करने या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं होना चाहिए। आज की तेजी से जुड़ी हुई दुनिया में स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा का हमारा दृष्टिकोण इसी चुनौती पर आधारित है। हमारा सहयोग अंतरिक्ष क्षेत्र तक भी फैला हुआ है। अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और स्थिरता बेहद आवश्यक हैं। इसलिए इटली और भारत रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तकनीकों जैसे क्षेत्रों में अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, तथा आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती बढ़ाने में मदद करेगा। ऊर्जा हमारी साझेदारी का एक और महत्वपूर्ण आधार है। दुनिया में ऊर्जा के विविध स्त्रोतों की ओर बढ़ रहे बदलाव के लिए नवाचार, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है। भारत और इटली नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हाइड्रोजन तकनीक, तथा स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने की भारत की पहल अपार संभावनाएं रखती है। यह इटली की नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में उन्नत तकनीक और यूरोप के लिए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है। इस संदर्भ में भारत की अगुवाई वाली प्रमुख पहलों- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस (जीबीए) में अन्य देशों के साथ हमारा सहयोग भी बेहद महत्वपूर्ण है। भौतिक, डिजिटल और मानवीय संपर्क ही वह कड़ी है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती है। भारत और इटली दोनों वैश्विक अर्थव्यवस्था के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों-इंडो-पैसिफिक और भूमध्यसागर के केंद्र में स्थित हैं। अब इन क्षेत्रों को अलग-अलग नहीं, बल्कि आपस में जुड़े हुए क्षेत्रों के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, हम एक नए इंडो-मैडिटेरेनियन क्षेत्र के उभरने को देख रहे हैं, जो व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, डेटा और विचारों का एक महत्वपूर्ण गलियारा बन रहा है और हिंद महासागर को यूरोप से जोड़ता है। इसी आपस में जुड़े हुए क्षेत्र में हमारा संबंध स्वाभाविक रूप से एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित होता है- ऐसी साझेदारी, जो दो महाद्वीपों को जोड़ती है और नई वैश्विक परिस्थितियों को आकार देती है। इस संदर्भ में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) एक ऐसी दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे, डिजिटल नेटवर्क, ऊर्जा प्रणालियों और मजबूत सप्लाई चेन के माध्यम से हमारे क्षेत्रों को जोड़ना है। भारत और इटली अन्य साझेदार देशों के साथ मिलकर इस दृष्टि को वास्तविकता में बदलने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम अपने साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति में 'धर्म' का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करना चाहिए। वहीं "वसुधैव कुटुंबकम्"-अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में और भी अधिक प्रासंगिक लगता है। ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं। यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है। इसलिए हमारी साझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए भारत-इटली साझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है।

-नरेंद्र मोदी,
भारत के प्रधानमंत्री
-जॉर्जिया मेलोनी
इटली गणराज्य मंत्रिपरिषद की अध्यक्ष

शोषण और पोषण का प्राकृतिक संतुलन

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

सृष्टि का संतुलन केवल विशाल पर्वतों और असीमित आकाश में नहीं, बल्कि हमारे पैरों के नीचे रेंगने वाले सूक्ष्म कीटों और शाकाहारी पक्षियों के 'शिकारी' में छिपा है।

यह लेख प्रकृति के उस गुप्त व्याकरण को उद्घाटित करता है, जहाँ शोषण और पोषण की खाद्य श्रृंखला पर्यावरण के महाचक्र को गति प्रदान करती है। पक्षियों के वात्सल्य और कीटों के संघर्ष के माध्यम से हमें पारिस्थितिकी तंत्र की निरंतरता और मानवीय दायित्व का बोध देखने को मिलता है।

जब हमारी दृष्टि आकाश की विराटता से उतरकर धरती की सूक्ष्म परतों पर ठहरती है, तब यह एहसास होता है कि जीवन का असली संतुलन उसी अदृश्य संसार में रचा-बसा है, जहाँ हर क्षण शोषण और पोषण का चक्र साथ-साथ चलता है। यहाँ न कोई ठहराव है, न विराम - बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें हर जीव दूसरे के अस्तित्व से जुड़कर प्रकृति के संतुलन को बनाए रखता है।

इसी अदृश्य जगत में कीटों का संघर्ष और पक्षियों का संकल्प एक-दूसरे से गुँथा हुआ है। एक ओर सूक्ष्म कीट हैं, जो मिट्टी, पत्तों और हवा के बीच जीवन की ऊर्जा को संचित और संचारित करते हैं; दूसरी ओर हुदहुद, पतरिंगा, बया और धनेश जैसे पक्षी हैं, जो इस ऊर्जा को अपनी अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का दायित्व निभाते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ प्रकृति का संतुलन अपने सबसे सूक्ष्म, किंतु सबसे प्रभावशाली रूप में दिखाई देता है।

अस्तित्व की निरंतरता: कीटों का अदृश्य संघर्ष

प्रकृति के इस गुप्त व्याकरण में कीट सबसे आधारभूत इकाई के रूप में उपस्थित हैं। वे केवल छोटे जीव नहीं, बल्कि जीवन-चक्र के मौन संवाहक हैं। मिट्टी में पड़ी सूखी पत्तियों को विघटित करना, जैविक पदार्थों को पुनः उपयोगी बनाना और पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखना- ये सभी कार्य कीटों के अदृश्य श्रम का परिणाम हैं। इल्लियाँ, भृंग, दीमक और असंख्य अन्य कीट निरंतर इस प्रक्रिया में संलग्न रहते हैं। उनका संघर्ष केवल अपने अस्तित्व के लिए नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक संतुलन के लिए होता है।

वात्सल्य का विज्ञान: पक्षियों का संकल्प

कीटों के इस संघर्ष का सबसे सशक्त प्रतिफल पक्षियों के जीवन में दिखाई देता है।

पक्षी जगत में मातृत्व और पितृत्व केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक अनिवार्यता है। बया हो या हुदहुद - अधिकांश पक्षी अपने शिशुओं के पालन-पोषण के दौरान कीटों पर निर्भर हो जाते हैं। इसका कारण स्पष्ट है - शिशु पक्षियों के तीव्र शारीरिक विकास के लिए प्रोटीन-समृद्ध आहार आवश्यक होता है, और यह आवश्यकता कीटों के माध्यम से ही पूरी होती है। हर बार जब कोई पक्षी अपनी चोंच में एक छोटा-सा कीट या लारवा लेकर अपने घोंसले की ओर लौटता है, तो वह केवल भोजन नहीं, बल्कि अपने शिशुओं के भविष्य की उड़ान का आधार लेकर आता है।

कुशलता और रणनीति: चोंच के अद्भुत उपकरण

पक्षियों की चोंच केवल एक अंग नहीं, बल्कि एक परिष्कृत उपकरण है। हरा पतरिंगा अपने शिकार की तीव्रता के लिए प्रसिद्ध है। यह उड़ते हुए कीटों को झपटकर पकड़ता है और उन्हें सुरक्षित रूप से खाने के लिए पहले उनके विषैले डंक को निष्क्रिय कर देता है। वहीं हुदहुद अपनी लंबी और संवेदनशील चोंच के माध्यम से मिट्टी के भीतर छिपे कीटों को खोज निकालता है। इसी क्रम में धनेश और बया भी अपनी विशिष्ट चोंच के माध्यम से इन कीटों का उपयोग प्रायः अपने शिशुओं के पोषण के लिए करते हैं। यह विविधता बताती है कि प्रकृति ने हर प्रजाति को एक विशिष्ट भूमिका और कौशल प्रदान किया है।

पर्यावरणीय संतुलन: एक सशक्त तंत्र

कीट और पक्षियों के बीच यह संबंध पर्यावरणीय संतुलन का भी प्रमुख आधार है।

कीट जहाँ जैविक पदार्थों के पुनर्चक्रण में सहायक हैं, वहीं पक्षी उनकी आबादी को नियंत्रित कर पारिस्थितिकी तंत्र को स्थिर बनाए रखते हैं। विशेष रूप से राजस्थान जैसे अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में, जहाँ संसाधनों की सीमाएँ स्पष्ट हैं, यह संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ का हर जीव अपने अस्तित्व के साथ-साथ पूरे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता में योगदान देता है। किन्तु आधुनिक कृषि में कीटनाशकों का अनियंत्रित उपयोग इस संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। कीटों की संख्या में कमी का सीधा प्रभाव पक्षियों पर पड़ता है, और अंततः यह पूरी खाद्य-श्रृंखला को असंतुलित कर देता है। यह एक स्पष्ट चेतावनी है कि प्रकृति के इस सूक्ष्म तंत्र के साथ छेड़छाड़ दूरगामी परिणाम ला सकती है।

सूक्ष्म में समाहित विराट

प्रकृति का सबसे गहन सत्य यही है कि यहाँ कोई भी जीवन अनावश्यक नहीं है।

कीटों का संघर्ष और पक्षियों का संकल्प- दोनों मिलकर उस अदृश्य ताने-बाने को रचते हैं, जिस पर जीवन का संपूर्ण ढाँचा टिका हुआ है। जब हम इस प्रकृति के गुप्त व्याकरण को समझने का प्रयास करते हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विराटता का वास्तविक आधार सूक्ष्मता में ही निहित है। यह समझ हमें न केवल वैज्ञानिक रूप से जागरूक बनाती है, बल्कि एक संवेदनशील दृष्टि भी प्रदान करती है - जिससे हम प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि एक जीवंत, संतुलित और अर्थपूर्ण व्यवस्था के रूप में देख सकें। यही वह बोध है, जो हमें इस धरती का अधिक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

-डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वरिष्ठ लेखक एवं पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी राजस्थान विधानसभा

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 20 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, आर्द्रा नक्षत्र प्रातः 6:12 तक, शूल योग दिन 2:10 तक, विष्टि करण दिन 11:07 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:39 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग प्रातः 6:12 तक है। कुमार योग दिन 11:07 से रात्रि 4:12 तक है। भद्रा दिन 11:07 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:44 से 5:25 तक, लाभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्य सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति आज ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
विवादित कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

डीजीपी ने कानून व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध नियंत्रण पर चर्चा की

पुलिस मुख्यालय में हुई प्रदेशभर के रैंज आईजी, पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों की बैठक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रदेशभर के रैंज आईजी, पुलिस आयुक्तों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में कानून-व्यवस्था, संगठित अपराध, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

डीजीपी शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन, बजरी परिवहन और भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्रग्स तस्करी के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाने, पुलिस की फील्ड विजिबिलिटी बढ़ाने और सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले तीन माह में उनके स्तर पर एक वर्ष से अधिक लंबित कोई भी प्रकरण नहीं रहना चाहिए। झूठे मुकदमों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

इस बैठक में राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताओं के आधार पर संगठित अपराध, गैंगस्टर्स के विरुद्ध चल रही कार्रवाई और विभिन्न गंभीर आपराधिक प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने प्रभावित जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर फोकस्ड कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रदेशभर के रैंज आईजी, पुलिस आयुक्तों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

- अगले 3 माह में 1 वर्ष से अधिक लंबित कोई भी प्रकरण नहीं रहना चाहिए, झूठे मुकदमों पर कड़ी कार्रवाई हो : राजीव शर्मा

आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्ति की कुर्की और जब्ती की समीक्षा करते हुए उन्होंने इस दिशा में और अधिक प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही नवीन आपराधिक कानूनों में सूचना एवं संचार तकनीक के उपयोग, ई-सम्मन और वारंट की तामील तथा ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

डीजीपी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि महत्वपूर्ण प्रकरणों को केस ऑफिसर स्कीम में लेकर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में रेंजवार एरिया डोमिनेशन अभियान तथा मालखानों में जब्त सामान के निस्तारण की भी समीक्षा की गई।

बैठक में सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को भी प्रमुखता से लिया गया। भीलवाड़ा और उदयपुर क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में अधिक मृत्यु दर पर चिंता जताते हुए संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी श्री शर्मा ने हाईवे और ग्रामीण क्षेत्रों में हेलमेट के अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सप्ताह दो दिन विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इंटरसेप्टर और ब्रेथ एनलाइजर के अधिकतम उपयोग के माध्यम से प्रभावी चेकिंग करने को कहा। साथ ही पुलिसकर्मियों द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन संचालन पर रोक लगाने के लिए पुलिस लाइन एवं कार्यालय परिसरों में विशेष व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम और बेहतर अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई गई। साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त, निस्तारित एवं लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी एसपी को इसकी नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

डीजीपी शर्मा ने निर्देश दिए कि पुलिस थानों पर आने वाले परिवादियों को ऑनलाइन परिवाद दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि उन्हें अपने प्रकरण पर की जा रही कार्रवाई की नियमित जानकारी मिलती रहे और समीक्षा प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी हो सके। बैठक में महिला सुरक्षा गतिविधियों के प्रभावी संचालन, एसडीआरएफ की सतर्क कार्यप्रणाली, जन सूचना रजिस्टर के संधारण, अभय कमांड सेंटर से जुड़े कैमरों की स्थिति, निजी कैमरों के एकीकरण, पुलिस थानों में महिला कर्मियों के लिए सुविधाओं तथा पुलिस लाइन परिसरों में सामुदायिक सुविधाओं के उन्नयन की भी समीक्षा की गई।

बैठक में डीजी (ट्रेफिक व ट्रेनिंग) अनिल पालीवाल, डीजी (एसओजी) आनंद श्रीवास्तव, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी.के.सिंह, एडीजी (क्राइम) बिपीन कुमार पांडे, एडीजी (पीएम एंड डब्ल्यू) डॉ. प्रशाखा माथुर, एडीजी (कार्मिक) बीजू जॉर्ज जोसफ, एडीजी (सिविल राइट) लता मनोज कुमार सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से मंत्री एवं विधायकों की शिष्टाचार मुलाकात

विकास कार्यों की प्रगति, मूलभूत सुविधाओं और आमजन से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री से जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल, लालसोट विधायक रामविलास मीना, बांदीकुई विधायक भागचंद टांकडा, खाजूवाला विधायक विश्वनाथ मेघवाल, सादुलशहर विधायक गुरुवीर सिंह, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा तथा कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने भी मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आमजन से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री के साथ विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री गांव-गांव पहुंचकर सुन रहे जनता की बात

ग्राम विकास चौपाल बना ग्रामीण बदलाव का बड़ा मंच

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू हुई ग्राम विकास चौपाल अब राजस्थान में ग्रामीण विकास और जनसंवाद का प्रभावी मंच बनती जा रही है। मुख्यमंत्री स्वयं गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद कर रहे हैं और मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश देकर ग्रामोदय से अंत्योदय के संकल्प को जमीन पर उतार रहे हैं।

प्रदेश के अब तक पांच जिलों में आयोजित चौपालों के दौरान मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच पहुंचे और चार गांवों में रात्रि विश्राम कर आमजन से सीधा फीडबैक लिया। चौपालों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों की परिवेदनाएं सुनी गईं। कई मामलों में मुख्यमंत्री ने तुरंत निर्णय लेकर स्थानीय विकास कार्यों को मंजूरी भी दी।

सीकर जिले के जाजोद गांव में छात्राओं की मांग पर विद्यालय में विज्ञान संकाय खोलने का निर्णय हो या अजमेर जिले के कड़ेल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा, ग्राम विकास चौपालों के जरिए त्वरित फैसलों ने ग्रामीणों में भरोसा बढ़ाया है।

अब मुख्यमंत्री का अगला पड़ाव वागड़ क्षेत्र होगा। 20 मई को मुख्यमंत्री बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ क्षेत्र स्थित चुड़ादा गांव पहुंचेंगे।

यहां ग्रामीणों से संवाद के साथ रात्रि विश्राम भी करेंगे। अगले दिन 21 मई की सुबह मुख्यमंत्री गांव का पैदल भ्रमण कर घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात करेंगे और योजनाओं की जमीनी स्थिति जानेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री बांसवाड़ा कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। वहीं 21 मई को ही मुख्यमंत्री डूंगरपुर जिले के धम्बोला गांव पहुंचेंगे, जहां ग्राम विकास चौपाल के साथ रात्रि विश्राम और अगले दिन सुबह आमजन से संवाद का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

सरकार का कहना है कि ग्राम विकास चौपाल केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि ग्रामीण समस्याओं के समाधान का सक्रिय माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री अब तक प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ेल, जालोर के पंसेरी और जयपुर के ठिकरिया गांव में चौपाल कर चुके हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील को अपनाते हुए अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम की है। साथ ही वे अब विभिन्न दौरों में इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर रहे हैं। वागड़ क्षेत्र के आगामी दौरे में भी मुख्यमंत्री ईवी वाहन से ही सफर करेंगे।

शिक्षकों के स्थायीकरण के आदेश को वापस लेने पर रोक

हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और डीईओ, मुख्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 लेवल-2 में स्थायी हो चुके शिक्षकों के स्थायीकरण आदेश को वापस लेने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और डीईओ, मुख्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रामसिंह चौधरी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं का इस शिक्षक भर्ती में चयन होकर उन्हें साल 2023 में नियुक्त किया और उन्होंने विभिन्न महीनों में शिक्षक पद की सेवाएं ग्रहण कर ली। भर्ती के परिणाम को लेकर हाईकोर्ट की एकलपीठ में दायर याचिका पर अदालत ने 28 नवंबर, 2023 को संशोधित मेरिट लिस्ट जारी करने के आदेश दिए। वहीं यह भी आदेश दिए गए कि यदि कोई अभ्यर्थी संशोधित मेरिट लिस्ट में नहीं आता है तो संशोधित परिणाम से पूर्व सेवा में होने के आधार पर उसका कोई अधिकार पैदा नहीं होगा। एकलपीठ के इस आदेश को याचिकाकर्ताओं ने खंडपीठ में चुनौती दी। खंडपीठ ने गत 19 अगस्त को आदेश जारी कर एकलपीठ की ओर से दिए इस निर्देश को निरस्त कर दिया गया। वहीं खंडपीठ के आदेश के बाद गत नवंबर और फरवरी माह में याचिकाकर्ताओं को स्थायी भी कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि गत 12 मार्च को विभाग ने एकलपीठ के आदेश के आधार पर उन्हें स्थायी करने के आदेश को वापस ले कर उनसे रिकवरी निकाल दी, जबकि एकलपीठ के आदेश को खंडपीठ पूर्व में ही निरस्त कर चुका है। इस दौरान याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए विभाग के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खुद को महिला का दोस्त बताकर उसे ससुराल पक्ष के लोगों की ओर से बंधक बनाने के आरोप के साथ दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाते हुए राशि को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश चन्द्र प्रकाश सोलंकी की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में पुलिस की ओर से महिला और उसके पिता के बयान दर्ज किए हैं। जिसमें महिला ने कहा कि उसे किसी भी व्यक्ति ने बंधक नहीं बनाया है और वह अपने ससुराल में रह रही है। इसी तरह उसके पिता ने भी कहा कि महिला अपनी इच्छा से ससुराल में रह रही है और वह किसी बंधन में नहीं है और न ही उस पर किसी तरह का दबाव है। ऐसे में मामले में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज किया जाता है। याचिका में अधिवक्ता एआर खान ने अदालत को बताया कि उसकी बचपन की दोस्त को उसके ससुराल में बंधक बनाकर रखा गया है। ऐसे में पुलिस को निर्देश दिए जाए कि वह उसे बरामद कर अदालत में पेश करे। इस पर अदालत ने पूर्व में याचिकाकर्ता को याचिका की कोस्ट के तौर पर एक लाख रुपए जमा कराने को कहा था। वहीं अब अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

सड़क दुर्घटना का 85 लाख का क्लेम खारिज

फर्जी वाहन लिप्त करने वाले एएसआई, वाहन स्वामी और चालक के खिलाफ कार्रवाई के आदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एमएसीटी मामलों की विशेष अदालत कम 1, महानगर द्वितीय ने वाहन दुर्घटना में मौत का दावा कर 85 लाख रुपए का मुआवजा मांगने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। वहीं अदालत ने आदेश की कॉपी एडीजी, सतर्कता को भेजते हुए एएसआई नंद लाल, वाहन स्वामी कैलाश चन्द और चालक पप्पू कुमार माली के खिलाफ कार्रवाई पर दो माह में अदालत में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। अदालत ने यह आदेश लोतिका देवी व अन्य की ओर से दायर क्लेम याचिका को खारिज करते हुए दिए। पीठासीन अधिकारी शिवकुमार ने अपने आदेश में कहा कि प्रागपुरा थाने के तत्कालीन एएसआई नंद लाल जांगिड़ ने याचिकाकर्ताओं को क्लेम दिलाने के लिए कार को घटना में लिप्त दिखाया और गैर जिम्मेदाराना तरीके से अनुसंधान किया है। अदालत ने कहा कि एडीजी, सतर्कता एएसआई के खिलाफ कार्रवाई करें, ताकि भविष्य में कोई जांच अधिकारी गलत रूप से चालान पेश करने का दुस्साहस ना कर सके। क्लेम याचिका में कहा गया कि 18 नवंबर 2018 को याचिकाकर्ता का पति गौतम कुमार अपने बेटे के साथ अपने पुत्र की सगाई की व्यवस्था देखने विराटनगर से पावटा जा रहे था। राजपुरा के पास वह मोटर साइकिल रोककर दूसरी बाइक पर आ रहे अपने भतीजे का इंतजार करने लगा। इतने में शाहपुरा की ओर से आ रही वैगन-आर कार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया और बाद में एसएमएस में उसकी मौत हो गई। इसलिए उसके आश्रितों को 85 लाख रुपए का क्लेम दिलाया जाए। जिसका विरोध करते हुए निजी बीमा कंपनी के वकील जेके अग्रवाल ने कहा कि जिस वाहन से दुर्घटना होना बताया गया है, उसके खिलाफ दुर्घटना के कई अन्य मामले विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं। वाहन का इतने कम समय में इतनी दुर्घटनाओं में लिप्त होना शंका उत्पन्न करता है कि वाहन को मिथ्या बार-बार दुर्घटनाओं में लिप्त दिखाकर क्लेम दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने क्लेम याचिका को खारिज करते हुए जांच अधिकारी एएसआई व वाहन मालिक के साथ चालक के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

कर्मचारी महासंघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर । अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है।

महासंघ के पदाधिकारी कुलदीप यादव, देवेंद्र सिंह नरूका और अजयवीर सिंह ने संयुक्त बयान में बताया कि आरजीएचएस योजना को निजी बीमा कंपनी को सौंपने के बजाय पूर्व की भांति सरकार के माध्यम से संचालित रखा जाए। साथ ही रोके गए सरेंडर लीव का भुगतान, पदोन्नित में दो वर्ष की शिथिलता तथा संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की मांग भी उठाई गई है। महासंघ ने अपने लंबित 25 सूत्रीय मांगपत्र पर सरकार से जल्द वार्ता कर समाधान निकालने की अपील की है। महासंघ ने आंदोलन के लिए तीन चरणों की रणनीति बनाई है। प्रथम चरण में 20 मई को प्रदेशभर में जिला कलेक्टरों, विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए जाएंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर 25 से 30 मई तक कर्मचारी प्रतिदिन दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक सांकेतिक कार्य बहिष्कार करेंगे।

श्री नृसिंह आर्केड स्कीम : करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाला गोपाल मीणा गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में जमीन और आवासीय स्कीमों के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामनगरिया थाना पुलिस ने चतरपुरा स्थित श्री नृसिंह आर्केड आवासीय स्कीम में करोड़ों रुपए की जालसाजी के मामले में पिछले छह महीने से फरार चल रहे आरोपी खातेदार गोपाल मीणा गोपाल मीणा (62) निवासी रामनगरिया को गिरफ्तार कर लिया। इस बहुचर्चित मामले में पुलिस पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि रामनगरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चतरपुरा में करीब 72 बीघा बेशकीमती जमीन स्थित है। वर्ष 2003 में जमीन के मूल खातेदारों ने यह भूमि डेवलपर्स को बेच दी थी। इसके एवज में खातेदारों ने चेक और नकद के रूप में पूरी राशि भी प्राप्त कर ली थी। जमीन के विकास के लिए डेवलपर्स को बाकायदा 'मुख्तयार आम' (पावर ऑफ अटॉर्नी) भी दिया गया था।

इसके बाद डेवलपर्स ने उक्त भूमि पर 'श्री नृसिंह आर्केड' नाम से आवासीय स्कीम विकसित कर आम लोगों को भूखंड बेच दिए। लेकिन जब भूखंडधारकों ने अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू करना चाहा तो खातेदारों ने विवाद खड़ा कर निर्माण कार्य का विरोध शुरू कर दिया और वर्षों तक निर्माण नहीं होने दिया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने जमीन की पूरी कीमत वसूलने के बावजूद दोबारा उसी जमीन को अन्य पार्टी को बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की योजना बनाई थी। पीड़ितों की शिकायत पर रामनगरिया थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी गोपाल मीणा गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और पिछले छह महीने से फरार चल रहा था। वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व और सहायक पुलिस आयुक्त के सुपरविजन में रामनगरिया थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में उपनिरीक्षक मुकेश कुमार, हेड कांस्टेबल राकेश तथा कांस्टेबल शिवपाल और राहुल शामिल थे। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और मैन्युअल पुलिसिंग के आधार पर आरोपी के संभावित ठिकानों पर लगातार निगरानी रखी और उसे गिरफ्तार कर लिया।

- राजधानी जयपुर में जमीन और आवासीय स्कीमों के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले भू-माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा कसा

'गैस-पेट्रोल पर भ्रम फैलाकर विपक्ष कर रहा नाटकबाजी'

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गैस-तेल संकट पर कहा कि विपक्ष केवल राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। इस प्रकार की हल्के स्तर की राजनीति करना उचित नहीं है। विपक्ष अच्छी तरह जानता है कि वर्तमान में गल्फ देशों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और वहां युद्ध जैसे हालात हैं। उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशहित में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। हार्मुज मार्ग से आज भी भारतीय पोत सुरक्षित आ-जा रहे हैं और आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार लगातार सक्रिय है। विपक्ष को बेवजह भ्रम फैलाने के बजाय सरकार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि विपक्ष गैस और पेट्रोल को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाकर केवल नाटकबाजी कर रहा है।

नर्सिंग अधिकारी ने खुद का फर्जी ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में फर्जी तबादला आदेश जारी करने का मामला सामने आया है। नर्सिंग अधिकारी दिलीप सिंह पर सिरोही से कोटपुतली-बहरोड़ तबादला करवाने के लिए खुद का फर्जी ट्रांसफर ऑर्डर तैयार करने का आरोप लगा है। मामले में जयपुर के अशोक नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आरोप है कि दिलीप सिंह ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा के नाम से 24 अप्रैल 2026 का फर्जी आदेश जारी किया। आदेश में निदेशक के हस्ताक्षरों की नकल कर इसे वास्तविक रूप देने का प्रयास किया गया। इसमें कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल की अनुशंसा और विभागीय आवश्यकता का भी उल्लेख किया गया था। फर्जी आदेश के अनुसार दिलीप सिंह, जो सिरोही जिले के ब्लॉक रेवदर स्थित पीएचसी मंदार में कार्यरत थे, उनका तबादला सीएचसी राजनोता, कोटपुतली-बहरोड़ में दर्शाया गया था। आदेश में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश भी दिए गए थे।

मामले का खुलासा होने पर निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने अशोक नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज तैयार करने, सरकारी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ और विभाग को गुमराह करने के आरोप लगाए गए हैं।

मोबाइल मजिस्ट्रेट ने ''राजस्थान सरकार'' लिखी गाड़ियों के चालान काटे

राजस्थान विधानसभा के सामने खड़े होकर मोबाइल मजिस्ट्रेट पीयूष चावला ने ''राजस्थान सरकार'' लिखी और ''लाल पट्टी'' लगी हुई प्राईवेट गाड़ियों (निजी वाहनों) के चालान करवाए। ट्रेफिक पुलिस की इस कार्रवाई से एकबारगी तो हड़कंप मच गया। कुछ लोग अपने जानकारों से फोन करवाते दिखे तो कुछ चालान की बात पर बहस करते नजर आए। वहीं कुछ लोग चुपचाप अपनी गलती मानकर गाड़ियों पर लगे स्टीकर स्वयं उतारते दिखे। फोटो-राष्ट्रदूत

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने मजदूरों की मांगों को लेकर खुद पर डाला पेट्रोल

बाडमेर में मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने 500 गाड़ियों के काफिले के साथ कलेक्ट्रेट की तरफ कूच किया था

जालोर/बाडमेर, (कासं)। बाडमेर जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस में पिछले 39 दिनों से जारी श्रमिक आंदोलन ने मंगलवार को बाडमेर जिला मुख्यालय पर सनसनीखेज मोड ले लिया । गिरल गांव में ग्रामीण रोजगार और जमीन विवाद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहे धरना प्रदर्शन के बाद मंगलवार को हजारों की संख्या में लोगों के काफिले के साथ शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी बाडमेर कलैक्ट्रेट पहुंचे। जहां विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने स्वयं के शरीर पर पेट्रोल उडेलकर आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस व प्रशासन के हाथ पैर फूल गये तथा विधायक को पुलिस जाब्ता कलैक्ट्रेट में लेकर गई।

मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने अपने शरीर पर पेट्रोल उडेल लिया।

- श्रमिकों की मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के कारण आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया गया है। मंगलवार को गिरल गांव में मजदूर आंदोलन जनसभा आयोजित की गई

बाडमेर में मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने 500 गाडियों के काफिले के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट की तरफ कूच कर दिया। कलेक्ट्रेट से 1 किलोमीटर पहले ही पुलिस ने बसें लगा कर भाटी का काफिला रोक लिया। काली फॉर्च्यूनर में सबसे आगे विधायक थे और उनके पीछे गाडयिों का काफिला चल रहा था। काफिला रोकने के बाद विधायक भाटी पैदल ही अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे, यहां समर्थकों ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। विधायक भाटी ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया और इसके बाद खुद को माचिस से जलाने की कोशिश की। इसी दौरान मौके पर मौजूद प्रशासन और पुलिस अधिकारियों में हडकंप मच गया। प्रदर्शन स्थल पर भारी संख्या में समर्थक और मजदूर मौजूद रहे। पुलिस ने विधायक भाटी को मौके से पकड़कर कलेक्ट्रेट ले गए। इस बीच विधायक भाटी की गिरफ्तारी को लेकर अफवाहें फैल गई। जिस पर पुलिस ने ट्वीट कर इसका खंडन किया। समाचार लिखे जाने तक कलेक्ट् के बाहर विधायक भाटी के समर्थकों की भारी भीड जमा हुई थी और विधायक भाटी और प्रशासन के बीच वार्ता चल रही थी। गिरल लिग्नाइट पर पिछले 39 दिनों से मजदूरों का धरना चल रहा है जिसे शिव विधायक रविंद सिंह भाटी ने समर्थन देते हुए कहा कि हम मजदूरों की आवाज को दबने नहीं देंगे। मजदूरों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिसके विरोध में शिव के निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी के साथ बाडमेर जिला कलेक्टर का घेराव करने पहुंचे हैं। विधायक रविंद्र सिंह भाटी का कहना है कि गिरल माइंस में कार्यरत स्थानीय मजदूर पिछले 39 दिनों से अपनी वाजिब मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से धरने पर बैठे हैं, लेकिन अब तक जिला प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी और संतोषजनक कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि लगातार अनदेखी और श्रमिकों की मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अब आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह 10ः बजे गिरल गांव में मजदूर आंदोलन जनसभा आयोजित की गई जिसमें प्रदेशभर से मजदूर, श्रमिक संगठन, किसान, युवा और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में निकाले गए श्रमिकों और ड्राइवरों की पुनर्बहाली, श्रमिकों के लिए 8 घंटे की ड्यूटी व्यवस्था, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता तथा श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएँ उपलब्ध करवाना शामिल है। इस पूरे विवाद की जड गिरल माइंस से जुडी है। इस घटनाक्रम से ठीक एक दिन पहले, सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अहम आदेश जारी किए थे। कोर्ट ने गिरल माइंस से लिग्नाइट का परिवहन (ट्रांसपोर्टेशन) तुरंत शुरू करने और परिवहन करने वाले वाहनों को पर्याप्त सुरक्षा देने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही, हाईकोर्ट ने बाडमेर एसपी और शिव थानाधिकारी को सख्त आदेश दिए थे कि इस कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले और कानून हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस मुस्तैद थी, जिसके चलते इस बडे प्रदर्शन के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। यह पूरा मामला अब बाडमेर ही नहीं बल्कि राजस्थान स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है ।

45 लाख की बैंक लिमिट पर 6.60 करोड़ का लेनदेन

- सॉफ्टवेयर की खामी का फायदा उठाया, व्यापारी गिरफ्तार

नोखा । यहां एक व्यापारी ने एसबीआई बैंक की तकनीकी खामी का फायदा उठाते हुए 45 लाख की लिमिट वाले बैंक खाते से 6.60 करोड़ का लेनदेन कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन की रिमांड पर भेजा गया है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया- सांडवा थाना क्षेत्र के नब्बासर निवासी अमृतलाल जाट का नोखा स्थित एसबीआई शाखा में मैसर्स श्री बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज के नाम से सीसी लिमिट खाता है। बैंक द्वारा उसे 45 लाख रुपए की क्रेडिट सीमा स्वीकृत की गई थी।

आरोपी ने बैंक के भुगतान सिस्टम और सॉफ्टवेयर अलर्ट में मौजूद तकनीकी खामी का फायदा उठाया। उसने 3 दिसंबर 2024 से 20 दिसंबर 2024 के बीच विभिन्न फर्मों के नाम करोड़ों रुपए के चेक जारी किए। इस दौरान आरोपी ने कुल 6 करोड़ 60 लाख 63 हजार 305 रुपए का लेनदेन किया, जो स्वीकृत सीमा से लगभग 13 गुना अधिक था। बैंक के सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण निर्धारित सीमा से अधिक भुगतान होने के बावजूद कोई अलर्ट जारी नहीं हुआ। करीब 15 दिन बाद 21 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन सिस्टम से अलर्ट मिलने पर बैंक अधिकारियों को मामले की जानकारी हुई। इसके बाद बैंक प्रबंधन में हड़कंप मच गया। खाते की जांच में पता चला कि 45 लाख रुपए की लिमिट वाले खाते में 5 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक की बकाया राशि हो चुकी थी। मामले का खुलासा होने के बाद बैंक प्रबंधन ने खाताधारक से संपर्क किया। आरोपी ने बाद में करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए बैंक में जमा भी करवाए। एसबीआई शाखा सदर बाजार नोखा के शाखा प्रबंधक आनंद व्यास ने 28 दिसंबर 2024 को नोखा थाने में मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी अमृतलाल जाट ने बैंक को धोखा देने की नीयत से आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए अपनी निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक राशि विभिन्न फर्मों को चेक के माध्यम से ट्रांसफर करवाई। बैंक ने आशंका जताई थी कि आरोपी ने अन्य फर्मों और व्यक्तियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया। रिपोर्ट में संबंधित फर्मों के खातों पर होल्ड लगाने और राशि बरामद करवाने की मांग भी की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने राजस्थान एग्रो, श्री सांवरिया सेठ एग्री एक्सपोर्ट, धरती एग्रो एक्सपोर्ट, कैस्ट्रोल एक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज और स्वास्तिक एक्सपोर्ट्स सहित कई फर्मों के खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर की। बैंक रिकॉर्ड के अनुसार 3 दिसंबर से 26 दिसंबर 2024 के बीच आरोपी के खाते में करीब 2 करोड़ 14 लाख रुपए विभिन्न माध्यमों से जमा भी हुए थे। थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि मामले की जांच के दौरान बैंक प्रबंधन और खाताधारक को कई बार नोटिस देकर बुलाया गया तथा पर्याप्त समय दिया गया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी अमृतलाल जाट निवासी नब्बासर, थाना सांडवा को गिरफ्तार कर लिया।

फतहसागर झील में व्यापारी का शव मिला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की फतहसागर झील में रविवार को नहाने गए एक व्यापारी का तीसरे दिन मंगलवार सुबह 6 बजे झील के चादर चलने के पास स्थित फव्वारे के समीप शव तैरता दिखाई दिया। व्यापारी को सर्च ऑपरेशन तीन दिन चला। 48 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीमे लगी रही और आज सुबह व्यापारी का शव पानी में तैरता मिला। उदयपुर शहर के व्यापारी ललित मेहता (62) निवासी अशोक नगर जैन मंदिर के पास रविवार को नहाने फतहसागर गए थे। सुबह 8 बजे वे फतहसागर झील पहुंचे जहां वे दूसरे नंबर की छतरी के समीप अपने कपड़े उतार उन्हें थैली में रखते दिखाई दिए। यह सब घटना वहां पास फिश एक्वेरियम के लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दी इसके बाद उनका सुराग नहीं लगा। परिजन सुबह 10 बजे उन्हें खोजते हुए फतहसागर झील पहुंचे और व्यापारी के डूबने के आशंका के बीच सिविल डिफेंस की टीम ने उन्हें खोजना शुरू किया। सोमवार को एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची और उन्होंने पर रेस्क्यू चलाया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। व्यापारी का शव तीसरे दिन मंगलवार सुबह तैरता मिला जिसे बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार ललित मेहता अच्छे तैराक थे और लोगों को तैरना भी सिखाते थे।

पावटा हाईवे पर तीन वाहनों की भिड़ंत

- हादसे के बाद फिर सवालों में हाईवे व्यवस्था
- घंटों जाम में फंसे राहगीर

पावटा । दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही का खामियाजा देखने को मिला। पावटा कस्बे के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन वाहन आपस में भिड़ गए। हादसा इतना जोरदार था कि ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने के बाद मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी कार में जा घुसा। हादसे में तीनों वाहन बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस भीषण टक्कर में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब एक घंटे तक दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और राहगीर जाम में फंसे परेशान होते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पास में खड़ी कार भी इसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दौड़कर मदद के लिए पहुंचे। सूचना मिलने के बाद प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हाईवे पर लंबा जाम लग चुका था। स्थानीय लोगों का कहना रहा कि यदि हाईवे पर नियमित गश्त और ट्रैफिक मॉनिटरिंग प्रभावी होती तो शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं।

लोगों ने यह भी आरोप लगाए कि हादसों के बाद ही पुलिस और प्रशासन की नींद खुलती है, जबकि इस हाईवे पर आए दिन दुर्घटनाएं होना आम बात बन चुकी है। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने क्रेन बुलवाकर क्षितग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। हालांकि तब तक आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हाईवे पर ट्रैफिक व्यवस्था मजबूत करने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम सख्त करने की मांग की है, ताकि आए दिन होने वाले हादसों पर लगाम लगाई जा सके।

वल्लभनगर के जंगल में भीषण आग लगी

उदयपुर, (कासं)। वल्लभनगर के काली पहाड़ी जंगल में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। तेज हवा और सूखी झाड़ियों के कारण आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें दूर.दूर तक दिखाई देने लगीं जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही वन विभाग और वल्लभनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। यह इसी जंगल क्षेत्र में आग लगने की कई घटनाओं में से एक है। बार.बार आग लगने से वन संपदा और वन्यजीवों को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय ग्रामीणों ने एक ही जंगल क्षेत्र में बार.बार आग लगने पर संदेह व्यक्त किया है। उन्होंने मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एआई की निगरानी में होगी प्री-डीएलएड परीक्षा

बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही मिलेगा प्रवेश

बीकानेर । प्रदेश के डीएलएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए 20 मई को प्री-डीएलएड परीक्षा आयोजित होगी। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय ने परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्यभर में पंजीकृत 6.05 लाख अभ्यर्थियों के लिए 41 जिलों के 887 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

- 41 जिलों के 887 केंद्रों पर 6.05 लाख परीक्षार्थी पंजीकृत

इस बार परीक्षा को पूरी तरह नकल मुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए पहली बार एआई आधारित निगरानी प्रणाली और जीरो टॉलरेंस नीति लागू की गई है। जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में हाईटेक स्टेट कमांड सेंटर बनाया गया है, जहां से प्रदेशभर के सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे सीधे कमांड सेंटर से जुड़े रहेंगे।

एआई सॉफ्टवेयर संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर तुरंत अलर्ट जारी करेगा, जिसके बाद आईटी और एआई विशेषज्ञों की टीम संबंधित केंद्र पर तत्काल कार्रवाई करेगी।

परीक्षा पहली पारी में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पारी में दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होगी। पहली पारी के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 7.30 से 8.30 बजे तक तथा दूसरी पारी के लिए दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक ही प्रवेश मिलेगा। गेट बंद होने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।द्ध

प्री-डीएलएड परीक्षा बीकानेर जिले में 36 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में होगी। पहली पारी में 12591 और दूसरी पारी में भी 12591 कुल 25182 अभ्यर्थी दो पारियों में परीक्षा देंगे। परीक्षा के जिला समन्वयक डॉ. राजेंद्र पुरोहित बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने चार फ्लाइंग दल भी गठित किए हैं। परीक्षा समन्वयक के मुताबिक परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सख्त फ्रिस्किंग, सीसीटीवी जांच और बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। बिना प्रवेश पत्र और मूल पहचान पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

दरगाह बाजार में लॉ स्टूडेंट पर जानलेवा हमला

अजमेर । अजमेर के दरगाह थाना क्षेत्र में लॉ के एक छात्र पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक युवकों ने दरगाह बाजार स्थित एक बिरयानी दुकान पर युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट की, चाकू से हमला किया तथा उसका आईफोन और नकदी छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

पूरी वारदात दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में 8 लोगों को नामजद किया गया है।

एएसआई श्याम लाल ने बताया कि दरगाह थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में मुस्लिम मोची मोहल्ला निवासी सैयद शहजाद अली ने बताया कि वह वर्तमान में दरगाह बाजार क्षेत्र में रहकर लॉ की पढ़ाई कर रहा है। उसने आरोप लगाया कि बीर गांव निवासी सैयद दिलनवाज अली सहित अन्य युवक पिछले कई दिनों से उसे जान से मारने की धमकियां दे रहे थे।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने दरगाह बाजार स्थित एक बिरयानी दुकान पर उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोप है कि हमलावर उसका आईफोन और नकदी भी छीनकर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद दरगाह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है तथा फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका की जांच की जाएगी।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत दूसरा गंभीर घायल

- दोनों बाइक पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए जा रहे थे जयपुर
- निवाई बाईपास पर हुई दुर्घटना

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 निवाई बायपास पर होटल भारद्वाज के सामने सोमवार की रात एक डंपर ने बाइक के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलने पर थानाधिकारी घासीराम मय जाप्ता घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस की सहायता से मृतक के शव व घायल को राजकीय उप जिला चिकित्सालय, निवाई लेकर आए और मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया तथा गंभीर घायल को उपचार के लिए भर्ती करवाया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रमेशचंद्र पुत्र तुलसीराम रैगर निवासी देहती व दीपक पुत्र ओमप्रकाश रैगर निवासी फुलेती बावड़ी इंद्रगढ़,जिला बूंदी बाइक पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए जयपुर जा रहे थे। इसी दौरान दुर्घटना हो गई। इस सड़क दुर्घटना में रमेशचंद रैगर पुत्र तुलसीराम रैगर की मौत हो गई।चिकित्सकों ने गंभीर घायल दीपक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया। मंगलवार की सुबह परिजनों के आने पर मृतक युवक के शव का पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार किया व चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम किया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक रमेश विवाहित था और उसके एक 12 माह की बच्ची है। वह परिवार में तीन भाईयों में सबसे छोटा भाई था।

घर में घुसकर बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा

- 10 से 15 बदमाश 500 मीटर तक घसीटते हुए ले गए, घायल अस्पताल में भर्ती

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग को घर में घुसकर बेरहमी से पीटा गया। फला भागासिरा महुडी गांव में करीब एक दर्जन बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। घायल बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।य जहां उसका इलाज चल रहा है। मंगलवार रात को कचरा पिता बदा रोत अपने घर पर खाना खाकर बैठे थे। उसी समय 10 से 15 अज्ञात लोग उनके घर में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी।

बदमाशों ने कचरा रोत को घर से बाहर निकाला और करीब 500 मीटर तक घसीटते हुए ले गए। चीख.पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचेए तो बदमाशों ने उन पर भी पथराव किया। हालांकिए परिजनों ने खुद का बचाव किया। सूचना मिलने पर चौरासी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद परिजन घायल कचरा को एक निजी वाहन से जिला अस्पताल ले गए. जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन बदमाश डिटेन दो बाइक जब्त

उदयपुर,(कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर महिला सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के निर्देशन में महिला सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ करने के लिए पुलिस की विशेष कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा डिकॉय ऑपेरशन शुरू किए जाने के दौरान सादा वस्त्रों में शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर महिलाओं,बालिकाओं के साथ छेडछाड़,चेन स्नैचिंग,अभद्रता की संभावना वाले स्थानों पर कार्यवाही करते हुए यूनिटने घंटाघर एवं हिरणमगरी थाना क्षेत्र से 3 व्यक्तियों को अनुचित व्यवहार व सार्वजनकि स्थान पर शराब सेवन करते हुए को डिटेन कर दो बाईक जब्त की। अब तक कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा 28 लोगों को पकडा जा चुका है।

पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान पथराव

अजमेर । अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना के तहत होकरा क्षेत्र स्थित सरकारी खातेदारी भूमि पर साफ-सफाई, सीमांकन एवं मुताम लगाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में प्राधिकरण की टीम जाब्ते एवं जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंची।

कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय व्यक्तियों ने विरोध करते हुए अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में प्राधिकरण की दो गाड़ियां एवं दो जेसीबी मशीनें क्षतिग्रस्त हो गईं, वहीं वाहनों के शीशे भी टूट गए। पथराव की घटना से मौके पर मौजूद प्राधिकरण कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन गया।

- पथराव की घटना से मौके पर मौजूद प्राधिकरण कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन गया

घटना में प्राधिकरण जाब्ता के कर्मचारी बसंत कुमार के हाथ में फ्रैक्चर होने की भी जानकारी सामने आई है।

एडीए की क्षतिग्रस्त जेसीबी मशीन।

प्राधिकरण के अनुसार लगभग 25 से 30 व्यक्तियों द्वारा राजकार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। घटना के दौरान क्षतिग्रस्त वाहनों के फोटोग्राफ एवं वीडियो भी सुरक्षित किए गए हैं। अजमेर विकास प्राधिकरण ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध राजकार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं में पुष्कर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है । प्राधिकरण ने बताया कि पिछले तीन दिनों से योजना क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कार्य संपादित किया जा रहा था, लेकिन कार्रवाई के दौरान अचानक हुए विरोध और पथराव से स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

निवेश के नाम पर 25 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

अजमेर, । शहर के अलवरगेट थाना क्षेत्र स्थित गांधी नगर में रहने वाली एक महिला ने जयपुर निवासी कंपनी मालिक पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट की शरण ली है। मामले में कोर्ट के आदेश पर अलवरगेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई मोहन सिंह ने बताया कि अलवरगेट थाना इलाके में रहने वाले नाथूलाल जैन की पत्नी रेखा जैन ने न्यायालय में इस्तगासा पेश कर आरोप लगाया कि जयपुर निवासी राजा अजवानी, जो कि एक कंपनी का संचालक है, ने निवेश और लाभ का झांसा देकर उनसे करीब 25 लाख रुपए की राशि प्राप्त की। आरोप है कि आरोपी ने रकम लेने के बाद ना तो तय अनुसार लाभ दिया और ना ही मूल राशि वापस लौटाई।

पीड़िता का कहना है कि जब उन्होंने अपनी राशि वापस मांगनी शुरू की तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। बाद में आरोपी ने संपर्क करना भी कम कर दिया। खुद को ठगा महसूस करने पर रेखा जैन ने न्यायालय की शरण लेते हुए कार्रवाई की मांग की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने अलवरगेट थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए।

खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम दर्ज फॉर्च्यूनर ने 3 बाइकों को रौंदा, 1 की मौत

अजमेर/पुष्कर। पुष्कर से अजमेर शहर को जोड़ने वाले घाटी मार्ग पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया। तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार द्वारा तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारने के मामले में अब वीआईपी कनेक्शन और कार से शराब बरामद होने की बात सामने आई है।

हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए । दुर्घटनाग्रस्त फॉर्चूनर कार राजस्थान के प्रसिद्ध श्री खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम से रजिस्टर्ड बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक हादसे के समय कार में मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष शक्ति सिंह का चचेरा भाई दिग्विजय सिंह भी मौजूद था। पुलिस अब इस पूरे मामले की विभिन्न एंगल से जांच कर रही है।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फॉर्चूनर कार पुष्कर की ओर से अजमेर की तरफ तेज गति से आ रही थी। घाटी मार्ग पर आगे चल रही तीन मोटरसाइकिलों को कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार कई फीट दूर जा गिरे और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए आधी खाई में लटक गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी।

एक युवक की मौके पर मौत, चार की हालत गंभीर : हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

कार की तलाशी में मिली शराब : पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त फॉर्चूनर की तलाशी लेने पर उसमें से शराब बरामद होने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद पुलिस ने शराब सेवन और लापरवाही से वाहन चलाने के पहलुओं को भी जांच में शामिल कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय वाहन कौन चला रहा था और चालक नशे में था या नहीं।

एसपी हर्षवर्धन पहुंचे मौके पर : घटना की सूचना मिलते ही अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। कार से बरामद सामग्री, वाहन में मौजूद लोगों और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। मामले में मंदिर ट्रस्ट से जुड़े व्यक्ति का नाम सामने आने और कार मंदिर कमेटी के नाम दर्ज होने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष रूप से की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन दानव : हत्या-फायरिंग और गैंगवार के मामले में फरार बदमाश सीआईडी के हत्थे चढ़ा

यूपी-उत्तराखंड से लेकर दिल्ली-जयपुर तक ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था आरोपी

-कार्यालय संवाददाात-

जयपुर। पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी क्राइम ब्रांच) टीम ने वांछित और आदतन अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष धरपकड अभियान के तहत हत्या-फायरिंग और गैंगवार मामले में फरार चल रहा दस हजार का इनामी आरोपित को धर-दबोचा है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की गठित टीम ने अलवर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले और एससी-एसटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित अभयराज उर्फ दानव को जयपुर के राजा पार्क इलाके से दस्तयाब किया है।

आरोपित अलवर के इस सनसनीखेज जानलेवा हमले के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक अलवर द्वारा दस हजार रुपये का नकद इनाम भी घोषित किया गया था। गिरफ्तार आरोपी अभयराज उर्फ

अभयराज उर्फ दानव

दानव निवासी दहमी थाना बहरोड का आपराधिक रिकॉर्ड बेहद संगीन और काफी पुराना है।

साल 2019 में अलवर शहर के कोतवाली और अरावली विहार थाने में इसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अवैध हथियार रखने तथा गंभीर मारपीट के अलग-अलग प्रकरण दर्ज हुए थे। इसके बाद साल 2020 में झुंझुनू जिले के खेतडी थाना क्षेत्र में लीज विवाद को लेकर हुए भयंकर पथराव और अंधाधुंध फायरिंग में एक 30 वर्षीय युवक की हत्या करने का

■ 10 हजार रुपए के इस इनामी बदमाश को सीआईडी टीम ने 500 किमी पीछा कर दबोचा

भी यह मुख्य आरोपी रहा है।

बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि घटनाक्रम के अनुसार 30 अगस्त 2023 की रात परिवादी हरनेक सिंह उर्फ पप्पी और उसका चचेरा भाई प्रदीप सिंह उर्फ मांगली मोटरसाइकिल से नंगली सर्किल से त्रिपोलिया मंदिर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी अभयराज और उसके साथी अप्पू राजा ने अपनी मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर उन्हें गिराने का प्रयास किया।

जान बचाने के लिए जब प्रदीप सिंह पुरुषार्थी धर्मशाला की तरफ भागा, तो वहां पहले से ही हथियारों से लैस प्रवीण गुर्जर, केतन मीणा, अनुराग मीणा, राज यादव और अन्य बदमाशों ने उसे घेर लिया और जान से मारने की नियत से ताबडतोड हमला कर दिया। इस दौरान पीछे से आए मुख्य आरोपी अभयराज ने तलवार से प्रदीप के सिर पर सीधा वार किया, जिसे हाथ से रोकने पर पीडित के हाथ में गंभीर फ्रैक्चर और गहरी चोटें आईं। बदमाश पीडित को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए थे, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में सोलंकी हॉस्पिटल अलवर में भर्ती कराया गया था।

चूंकि आरोपी बेहद शातिर और आदतन अपराधी प्रवृत्ति का है। इसलिए पुलिस मुख्यालय की अपराध शाखा ने इसकी गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया। उप महानिरीक्षक पुलिस राशि डोगरा डूडी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा अग्रवाल के सुपरविजन तथा उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में इस विशेष धरपकड अभियान को ऑपरेशन दानव नाम दिया गया।

वहीं आरोपित वारदात के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और जयपुर के ग्रामीण क्षेत्र बस्सी में छिपकर लगातार अपनी फरारी काट रहा था। सीआईडी सीबी की पूरी स्पेशल टीम लगातार एक महीने से आरोपी के इन सभी संभावित ठिकानों और उसकी गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही थी। इसी दौरान टीम के सदस्यों को तकनीकी विश्लेषण और हेड कांस्टेबल कृष्ण गोपाल शर्मा व अरुण कुमार शर्मा के जरिए पुख्ता इनपुट मिला कि आरोपित अभयराज उर्फ दानव जयपुर के राजा पार्क इलाके में अपनी पहचान छिपाकर रुका हुआ है। इस सटीक सूचना पर सीआईडी (सीबी) की टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई व गहन पूछताछ के लिए अलवर शहर के थाना कोतवाली पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल कृष्ण गोपाल शर्मा एवं अरुण कुमार शर्मा की विशेष भूमिका और सहायक उप निरीक्षक शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल राम अवतार मीना और करणी सिंह की तकनीकी भूमिका रही। वहीं टीम के सदस्य सहायक उप निरीक्षक दुष्यंत सिंह, हेड कांस्टेबल रविंद्र सिंह, शाहिद अली, बृजेश शर्मा, कुलदीप सिंह, कांस्टेबल सोहनदेव, नरेश कुमार व संजय कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

सीएजी की रिपोर्ट ने खोली सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन की पोल : जूली

पूंजीगत खर्च में राजस्थान, सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि विधानसभा में जिस सच को वह लगातार उठाते आ रहे थे, उस पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने पूरी तरह से मुहर लगा दी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस के 5 वर्षों के शासन से अपने मात्र 2 वर्षों की तुलना का जो झूठा माहौल बनाया जा रहा था, वह आज जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो गया है। भाजपा सरकार की असल सच्चाई यह है कि राजस्थान आज विकास में नहीं, बल्कि कर्ज लेने में सबसे आगे निकल चुका है और सीएजी के ताजा आंकड़े सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन की पोल खोल रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि राज्य सरकार को प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए जिससे प्रदेशवासियों को भी तो पता चले कि कैसे भाजपा सरकार ने विकास पर ब्रेक लगाए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने विकास कार्यों में

■ प्रदेश की वित्तीय सेहत पर श्वेत पत्र जारी करे राज्य सरकार : जूली

आ रही गिरावट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूंजीगत खर्च के मामले में राजस्थान आज देश के सबसे पिछडे राज्यों में शामिल हो गया है। भाजपा सरकार अपने विकास बजट का सिर्फ 51.82 प्रतिशत हिस्सा ही खर्च कर पाई है। जूली ने सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि जब प्रदेश में अस्पताल, स्कूल और सड़कें बनेंगी ही नहीं, तो युवाओं को रोजगार कहाँ से मिलेगा? आज राजस्थान में विकास पूरी तरह से ठप पड़ा है, लेकिन इसके विपरीत सरकार ने कर्ज लेने में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

प्रदेश की भाजपा सरकार ने बजट अनुमान से 65 प्रतिशत अधिक, यानी 71 हजार 261 करोड़ का भारी-भरकम कर्ज ले लिया है, जो राजस्थान के भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि जहाँ कांग्रेस शासित तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य विकास खर्च के मामले में देश में नंबर-1 पर हैं, वहीं राजस्थान की भाजपा सरकार ने प्रदेश को कर्ज के दलदल में धकेल दिया है।

जूली ने मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर ऐसी बदतर स्थिति क्यों बनती जा रही है? टीकाराम जूली ने फरवरी महीने में बजट सत्र के दौरान विधानसभा में उठाए गए अपने मुद्दों को याद दिलाते हुए भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुनियादी ढांचे, अर्थात कैपिटल आउटले के लिए 53,686 करोड़ का प्रावधान किया गया था, जिसे संशोधित अनुमान में घटाकर मात्र 38,288 करोड़ कर दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को सचेत करते हुए कहा कि यह सरकार की एक बहुत बड़ी विफलता है, क्योंकि पूंजीगत खर्च में इस तरह की कटौती से भविष्य की संपत्तियों का निर्माण पूरी तरह रुक जाता है, जिसका खामियाजा प्रदेश को लंबे समय तक भुगतना पडेगा।

सहकारी दवा विक्रय केन्द्र सुबह 8 से रात 10 बजे तक खुलेंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बताया कि सहकारी उपभोक्ता भण्डार एवं क्रय-विक्रय सहकारी समितियों द्वारा संचालित सभी दवा विक्रय केन्द्र एवं प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र 20 मई (बुधवार) को प्रात: 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुले रहेंगे। दवा विक्रेताओं की बुधवार को प्रस्तावित हडताल के चलते मरीजों व आमजन को असुविधा और परेशानी से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। कॉनफेड, सहकारी उपभोक्ता भण्डारों एवं क्रय-विक्रय सहकारी समितियों द्वारा प्रदेश भर में कुल 538 दवा विक्रय केन्द्र संचालित हैं, जो आमजन की सुविधा के लिए बुधवार को 14 घंटे खुले रहेंगे। इन दवा विक्रय केन्द्रों पर लगभग दो हजार प्रकार की दवाएं उपलब्ध रहेंगी। शासन सचिव डॉ. शर्मा ने कॉनफेड एवं जिला सहकारी भण्डारों को जीवनरक्षक दवाओं के साथ अन्य आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के अस्पतालों में हीटवेव प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम हों : गजेन्द्र सिंह खींवसर

जयपुर (कासं)। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि हीटवेव प्रबन्धन के साथ ही अस्पतालों में गर्मियों को लेकर मरीजों के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने भीषण गर्मी के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में छाया-पानी के समुचित प्रबंध के साथ उपाचर में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए।

खींवसर ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने हीटवेव, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, बजट घोषणा की अनुपालना, एचपीवी वैक्सीन की प्रगति सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य स्तर से बनाए गए नोडल अधिकारियों के माध्यम से निरीक्षण कर अस्पतालों में हीटवेव से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी है। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों को हीट-स्ट्रोक के लिए अलग से बेड आरक्षित करने, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन कूलिंग उपकरणों एवं किट्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही निर्देश दिए हैं कि मरीजों और परिजनों के लिए शीतल पेयजल, प्रतीक्षालयों में छाया एवं कूलिंग सुविधाओं के पूर्ण इंतजाम हों। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने प्रदेश में एचपीवी वैक्सीन के कवरेज को बढ़ाने की दिशा में और ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में गर्मी की छुट्टियां होने के कारण स्थानीय स्तर पर आशा-एएनएम के साथ पहले से ही एक कार्ययोजना बनाते हुए कैम्प आयोजित किए जाएं। साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल हैल्थ मिशन के तहत आभा कार्ड कार्यक्रम की भी समीक्षा की। उन्होंने आगामी 31 मई तक सभी हैल्थ प्रोफेशनल्स के रजिस्ट्रेशन पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निदेशक जनस्वास्थ्य ने संपर्क पोर्टल, सीएम हैल्पलाइन आदि पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों की पेंडेंसी की समीक्षा की। उन्होंने सभी लम्बित प्रकरणों को नियमानुसार अवधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी स्वास्थ्य कार्मिकों के राज हैल्थ पोर्टल के माध्यम से ही नियुक्ति और रिलीविंग आदेश जारी किए जाएं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर बजट घोषणा की अनुपालना में अस्पतालों के नए भवनों के लिए भूमि आवंटन मामलों के त्वरित निपटान के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, परियोजना निदेशक एनएचएम प्रिया भार्गव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली।

नीट पेपर लीक ने उजाड़े युवाओं के सपने : खंडेलवाल

जयपुर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी और भ्रष्ट तंत्र के कारण देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की विश्वसनीयता लगातार खत्म होती जा रही है। पहले भर्ती परीक्षाएं और अब नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर लीक होना यह साबित करता है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था पर नियंत्रण खो चुकी है। गिरिराज खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और बड़े स्तर पर हुए इस घोटाले के बावजूद जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई नहीं होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत कर अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करते हैं, लेकिन भाजपा शासन में मेहनत नहीं बल्कि पेपर माफिया हावी हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में 21 मई को प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय से भाजपा कार्यालय तक होने वाला विशाल विरोध प्रदर्शन युवाओं के भविष्य की लडाई का प्रतीक बनेगा। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले ने देशभर के लाखों मेहनती विद्यार्थियों और उनके परिवारों को गहरे आघात पहुंचाया है। गिरिराज खंडेलवाल ने प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, छात्र संगठनों और आमजन से इस आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होकर युवाओं की आवाज बुलंद करने की अपील की।

सार-समाचार

यू.एस.पोलो एसोसिएशन का स्टोर लॉंच

जयपुर । जयपुर में फैशन पसंद करने वाले ग्राहक हमेशा ऐसे स्टोर्स की तलाश में रहते हैं, जहाँ उन्हें स्टाइल, आराम और प्रीमियम शॉपिंग का शानदार अनुभव एक साथ मिले। इसी को ध्यान में रखते, हुए यू.एस. पोलो एसोसिएशन ने पिंक सिटी में अपना नया फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च किया है। यह स्टोर जेएलएन मार्ग स्थित होराइजन टॉवर- ज्वेल ऑफ इंडिया में शुरू किया गया है। करीब 3000 वर्गफुट में फैला यह राजस्थान में ब्रांड का सबसे बड़ा स्टोर है। यह जयपुर का पहला न्यू आइडेंटिटी स्टोर भी है, जहाँ ग्राहकों को मॉडर्न और पहले से ज्यादा बेहतर शॉपिंग अनुभव मिलेगा। स्टोर में मेंसवेयर, फुटवियर और ब्रांड की खास पहचान मानी जाने वाली पोलो टी-शर्ट्स की बड़ी रेंज उपलब्ध कराई गई है। लॉन्च के मौके पर यू.एस. पोलो एसोसिएशन के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर पद्मनाभ सिंह भी उपस्थित रहे। यू.एस. पोलो एसोसिएशन इंडिया के सीईओ अमिताभ सूरी ने कहा कि जयपुर ऐसा शहर है, जहाँ परंपरा और आधुनिकता साथ नजर आती है और नया स्टोर उसी सोच को दर्शाता है। गर्मियों को ध्यान में रखते हुए स्टोर में हल्के और आरामदायक फैब्रिक्स वाले आउटफिट्स, लिनेन कलेक्शन, मॉडर्न जैकेट्स, स्नीकर्स, लोफर्स और स्पोर्टी फुटवियर पेश किए गए हैं।

एसीएस दिनेश कुमार ने की बजट समीक्षा

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने बुधवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, निदेशालय विशेष योग्यजन, अनुजा निगम एवं बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बजट घोषणाओं सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। कुमार ने सचिवालय स्थित अपने कक्ष में बैठक लेते हुए वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की मुख्यमंत्री बजट घोषणा, स्कैमेटिक बजट, एसएनए-स्पर्श, भारत सरकार से प्राप्त होने वाली राशि, राजकाज पर लंबित पत्रावलियाँ, लंबित विधानसभा प्रश्न, मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति, भूमि आंवटन संबंधित मुद्दे सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि सभी विभागों की प्रगति संतोषजनक है। लंबित प्रकरणों का प्रभावी कार्ययोजना बनाकर निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा बैठक रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त विशेष योग्यजन निदेशालय इकबाल खान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक ललित कुमार, वित्तीय सलाहकार अंजू सिंह, अनुजा निगम से वीरेंद्र सिंह, अतिरिक्त निदेशक सूंडाराम मीणा, विशेषाधिकारी डॉ. अनुज सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से दो महिलाओं की मौत

जयपुर । रामनगरिया इलाके में तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसा 14 मई की शाम जगतपुरा पुलिया के पास हुआ, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। एएसआई सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे में पूनम विहार जगतपुरा निवासी सुनीता बैरवा (51) पत्नी ओमप्रकाश और सुगना देवी (50) पत्नी जगदीश कुमार की मौत हो गई। दोनों आपस में सहेलियां थीं। जो रेलवे कॉलोनी आनंद विहार स्थित रिश्तेदार के घर से लौट रही थीं। इस दौरान बीएल हॉस्पिटल के सामने जगतपुरा पुलिया के पास सडक पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों महिलाएं करीब 20 फीट दूर जाकर गिरीं। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने जयपुरिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए। परिजनों द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बाइक सवार की करतूत सामने आई, जिसके आधार पर रामनगरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी बाइक चालक की तलाश में जुटी है। हालांकि घटना के कई दिन बाद भी आरोपित बाइक सवार युवक की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

बदमाशों ने दुकान मालिक से मारपीट की

जयपुर । प्रताप नगर क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक टी-पॉइंट पर नकाबपोश बदमाशों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे बदमाशों ने दुकान में जमकर उत्पात मचाया और दुकान मालिक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस के अनुसार प्रताप नगर स्थित भैरो सर्किल पर 'यादवंशी टी पॉइंट' नाम से वासुदेव की दुकान है। मंगलवार सुबह करीब 4:45 बजे वासुदेव दुकान पर मौजूद ग्राहकों के लिए चाय बना रहा था। इसी दौरान 5-6 नकाबपोश बदमाश लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचे। बदमाशों को देखकर दुकान पर मौजूद ग्राहक डरकर मौके से भाग गए। इसके बाद आरोपियों ने दुकान में घुसकर लाठी-डंडों से जमकर तोड़फोड़ की। साथ ही दुकान मालिक वासुदेव के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। वारदात के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल वासुदेव को आरयूएचएस अस्पताल पहुंचाकर प्राथमिक उपचार करवाया। पुलिस ने दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें हमलावरों की पूरी करतूत कैद मिली है।

तेज रफ्तार डंपर ने दो युवकों को कुचला, एक गंभीर घायल

■ दौलतपुरा क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार रात को हुआ हादसा

जयपुर । दौलतपुरा इलाके में सोमवार-मंगलवार मध्यरात्रि एक दर्दनाक सडक हादसे में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं इस हादसे में तीसरा युवक उछलकर दूर गिरने से बाल-बाल बच गया। यह घटना जयपुर-दिल्ली हाईवे पर दौलतपुरा पुलिया के नीचे हुई।

हेड कांस्टेबल महावीर ने बताया कि तीनों युवक जमवारामगढ थाना क्षेत्र के रायसर गांव निवासी थे। मृतकों की पहचान महेश कुमार गुर्जर (33) और कैलाश योगी (40) के रूप में हुई है, जबकि महेश का भाई मुकेश हादसे में सुरक्षित बच गया।

हेड कांस्टेबल महावीर ने बताया कि तीनों युवक घर निर्माण के लिए सरिया खरीदने जयपुर आए थे। वापस लौटते समय हाईवे पर रोड क्रॉस करते दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डंपर चालक वाहन की रफ्तार बढ़ाकर मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर बाइक सवार युवकों को टक्कर मारते हुए दिखाई दे रहा है। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए, जबकि पीछे बैठा मुकेश दूर जा गिरा और बच गया। हेड कांस्टेबल महावीर ने बताया कि मुकेश काफी देर तक घायल साथियों के पास खड़ा होकर मदद के लिए चिल्लाता रहा। लेकिन कोई वाहन चालक नहीं रुका। इसके बाद में टोल एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कैलाश को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि महेश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने फरार डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान विवि.की कुलगुरु को धमकी भरे कॉल आए

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलगुरु प्रोफेसर अल्पना कटेजा को फोन पर धमकी मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि यूनिवर्सिटी के एक कर्मचारी के क्रेडिट कार्ड बकाया की वसूली के लिए एजेंटों ने कुलगुरु को कॉल कर दबाव बनाया। मामले में मंगलवार को गांधी नगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस के अनुसार यूनिवर्सिटी कर्मचारी धरम गुर्जर ने करीब पांच वर्ष पूर्व एक क्रेडिट कार्ड बनवाया था। बताया जा रहा है कि करीब पांच-छह महीने पहले उन्होंने कार्ड से लगभग 70 हजार रुपए खर्च किए थे, लेकिन समय पर भुगतान नहीं कर पाए। इसके बाद पेनल्टी और अन्य चार्ज जुड़ने से बकाया राशि बढ़कर करीब 1.34 लाख रुपए हो गई। शिकायत के मुताबिक वसूली एजेंट लगातार कर्मचारी को कॉल कर भुगतान का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि एजेंटों ने कुलगुरु प्रोफेसर अल्पना कटेजा को भी कॉल कर धमकी दे डाली।

भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों को राहत देगा "प्रोजेक्ट थर्ट्स"

■ 16 वर्षीय शरण्या ने अपने छोटे भाई यज्ञांत के साथ मिलकर जयपुर में पक्षियों के लिए 280 वाटर टैंड, 190 परिण्डे और 250 बर्ड हाऊस लगाए

जयपुर (कासं)। भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों को दाना-पानी मुहैया करवाने के लिए जयपुर निवासी 16 वर्षीय शरण्या अपने छोटे यज्ञांत के साथ मिलकर "प्रोजेक्ट थर्ट्स" शुरू किया है। दोनों बच्चों ने मानवीयता का उत्तम परिचय देते हुए जयपुर में जगह-जगह 280 पानी के टैंक, 190 परिण्डे और 250 बर्ड हाऊस (पक्षियों के घर) स्थापित करवाएं है। शरण्या का कहना है कि पानी की हर बूंद किसी बेजुबान की जिंदगी बचा सकती है। राजधानी जयपुर में 42 डिग्री से ज्यादा पारा पहुंचा हुआ है। भीषण गर्मी में सबसे ज्यादा तकलीफ उन बेजुबान जानवरों और पक्षियों को होती है, जिन्हें ना तो छांव मिलती है और ना ही समय पर चुग्गा-पानी। कई जानवर प्यास और भूख से सड़कों पर तड़पते दिखते हैं। इन्हीं बेजुबानों का दर्द समझते हुए यह "प्रोजेक्ट थर्ट्स" 2 वर्ष पूर्व शुरू किया गया था। गत 17 मई 2026 को मालवीय नगर स्थित झालाना लेपर्ड रिजर्व में इस अभियान का शुभारंभ भी किया गया।

ज्ञात रहे कि शरण्या एमजीडी गर्ल्स स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा है, जबकि यज्ञांत जेपीआईएस जयपुर में कक्षा 4 में अध्ययनरत है। उन्होंने बताया कि शरण्या फाउंडेशन केवल, पानी के टैंक, परिण्डे और घरौंदे लगाने तक सीमित नहीं है, नियमित रूप से इनकी सार संभाल भी की जाएगी। खास बात यह है कि फाउंडेशन ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाली 78 वर्षीय कमला देवी, 13 वर्षीय मानसी और 9 वर्षीय राज से यह परिण्डे और घरौंदे बनवाकर उन्हें रोजगार भी मुहैया करवाया है। शरण्या फाउंडेशन की इस मुहिम को राजस्थान के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ऐमामुद्दीन अहमद खान, रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण, आई.ए.एस. डॉ. रश्मि शर्मा, आईएएस इकबाल खान, आईपीएस करण शर्मा और डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स ओ.पी.शर्मा ने भरपूर सराहना की है।

राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष में होंगे 4 बड़े कार्यक्रम

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की बैठक में तय हुई कार्यक्रमों की रूपरेखा

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष बासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा के 75वें वर्ष में चार बड़े कार्यक्रम होंगे। एक वर्ष तक चलने वाले अमृत महोत्सव के तहत होने वाले समारोह ऐतिहासिक और गौरवशाली होंगे। यह उत्सब विधायिका को समर्पित होगा। समारोह की विशिष्टता के अनुरूप देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रमों में संसदीय और संविधान विशेषज्ञों के विशेष सत्र होंगे। सभी समारोहों में राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रीगण आमंत्रित होंगे।

देवनानी ने कहा कि यह अमृत महोत्सव लोकतंत्र के इतिहास, वर्तमान और भविष्य को एक सूत्र में जोड़ने वाला ऐसा राष्ट्रीय आयोजन होगा, जिसमें अनुभव, परंपरा, नवाचार, महिला, युवा ऊर्जा और जनविश्वास एक साथ दिखाई देंगे। यह आयोजन भारतीय संसदीय लोकतंत्र की गौरवशाली आत्मा का उत्सव होगा। स्पीकर देवनानी मंगलवार को यहां विधान सभा में राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ राजस्थान शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक में राजस्थान विधान सभा के 75वें वर्ष में आयोजित किये जाने वाले समारोहो की चर्चा कर रहे थे।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ राजस्थान शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक में चर्चा की।

स्पीकर देवनानी की अध्यक्षता में बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नेता प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ राजस्थान शाखा के उपाध्यक्ष टीकाराम जूली, संघ के सचिव एवं विधायक संदीप शर्मा, कार्यकारिणी समिति के सदस्य विधायक पुष्पेन्द्र सिंह, श्रीचन्द कृपलानी, शौभा चौहान, हरिमोहन शर्मा, हमीर सिंह भायल और देवी सिंह शेखावत सहित विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि जुलाई माह में होना बाला प्रथम कार्यक्रम राजस्थान की पहली से सोलहवीं विधान सभा तक के पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का विशाल सम्मलेन होगा, जिसमें लोकतंत्र की ऐतिहासिक यात्रा को जीवंत किया जाएगा। महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट कानूनों, सामाजिक परिवर्तनकारी निर्णयों और संसदीय परंपराओं की समीक्षा की जाएगी। समारोह में पूर्व विधान सभा अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और वरिष्ठतम सदस्यों का विशेष सम्मान होगा। लोकतंत्र के सफर के अनुभव और चुनौतियों, विधायी बिरासत, सदन की गरिमा और विधान सभा के डिजिटल रूपान्तरण पर भी सम्मेलन में चर्चा होगी। अक्टूबर माह में दूसरा कार्यक्रम महिलाओं को समर्पित होगा। इसमें देशभर की महिला विधायक आयेगी। समाज से सदन तक में भूमिका निभाने वाली महिला विधायकों के दृष्टिकोण, नीति निर्माण और प्रशासन में महिलाओं की बढती भागीदारी के साथ पूर्व महिला विधायकों के अनुभवों व युवा महिला विधायकों की आकांक्षाओं पर भी चर्चा होगी।

ARBiT
it happens here...

World Bee Day: Celebrating Nature's Tiny Pollinators

World Bee Day honours the vital role bees and other pollinators play in sustaining ecosystems and global food security. Observed every year on May 20, the day raises awareness about the threats bees face from climate change, habitat loss, and pesticide use. These small insects are responsible for pollinating a large share of the world's crops, making them essential to agriculture and biodiversity. The occasion encourages people to plant bee-friendly flowers, reduce chemical use, and support local beekeepers. Protecting bees means protecting the balance of nature and ensuring a sustainable future for generations to come.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
20 May 2026
A-B

#THE SEBRIGHT CHICKEN

Nature's Ornamental Masterpiece

The Sebright was bred primarily for ornamental purposes, and even today, they are prized more for their appearance than for their productivity

The Sebright chicken is one of the most striking and unique breeds in the world of poultry. Known for their exquisite beauty and ornamental qualities, these chickens seem as though they've been meticulously hand-painted, with their feathers and wings boasting intricate patterns that catch the eye. Originally developed in the 19th century in England, the Sebright was bred primarily for ornamental purposes, and even today, they are prized more for their appearance than for their productivity.

A Visual Feast: The Sebright's Feathers and Wings

At first glance, the Sebright chicken appears to be a living work of art. The most distinguishing feature of these birds is their shimmering, iridescent feathers. The feathers on both the body and wings are outlined with dark, metallic edges, giving the illusion of delicate hand-painted strokes. These detailed patterns of gold or silver reflect the light, and the overall effect is almost otherworldly. The way the feathers are arranged also adds to their ornamental look, with each plume carefully layered, creating a sense of elegance and grace.

Gold and Silver Sebrights

The Sebright comes in two main colour varieties: Gold and Silver. The gold Sebright has warm, golden feathers outlined with black, while the silver variety showcases pale silver feathers with darker edges. Both colour types are equally mesmerizing, with the contrast between the body and wing feathers creating a kaleidoscopic effect. The wings, in particular, look as though they've been painted with precision. The patterns on the wings, especially when the bird is in motion, are reminiscent of delicate brush strokes, adding to the bird's artistic appearance.

Behaviour and Characteristics

Despite their ornamental status, Sebright chickens are not just "pretty faces." These small, active birds have a lively and curious temperament. They are known for being friendly and relatively easy to handle, although they can be a bit flighty due to their lightweight, bantam size. Sebrights are also good foragers, often seen pecking around the ground for small insects and seeds, though they are less hardy than larger chicken breeds.

Their compact size makes them less suitable for commercial farming, as they typically don't lay many eggs, and their meat yield is minimal. However, they do lay small, white eggs, which is just an added bonus to their role as ornamental pets and show birds.

The Sebright Chicken Today

In the modern world, Sebright chickens are still predominantly ornamental, with many breeders continuing to cultivate and show these birds for their beauty. They remain a favourite among poultry enthusiasts who appreciate their distinctive appearance and charming personality. Whether in a backyard flock or on the exhibition circuit, the Sebright continues to captivate with its intricate, hand-painted-like plumage. For those looking for a chicken breed that is more about grace and art than production, the Sebright is the perfect choice. Their beauty transcends mere appearance, making them a true living masterpiece. And while they may not be the best egg layers or the most practical chickens for commercial farming, their status as one of the most ornamental breeds in the world of poultry is undeniable.

We Made The Zinc Distillation System

In most parts of the ancient world, this problem remained unsolved. Metallurgists could reduce zinc ore, but they could not prevent the evaporation of the metal itself. In India, however, the craftsmen of Zawar developed an ingenious solution. Instead of trying to prevent vaporization, they embraced it, capturing the vapor, guiding it through controlled channels, and then collecting the condensed metal.

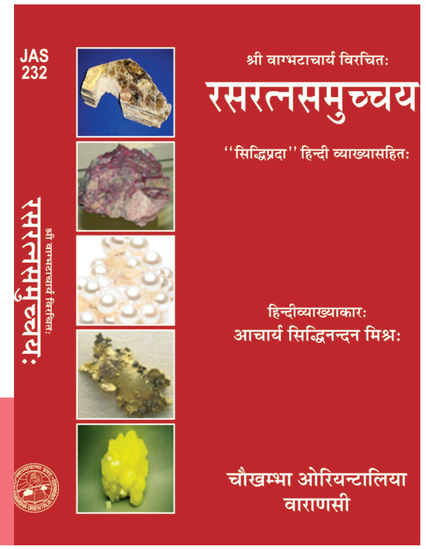

Verna Mohon

Long before the advent of industrial metallurgy in Europe, India was home to one of the most remarkable technological breakthroughs in the history of materials science: the Zawar distillation system. Conceived and perfected around the ancient mining town of Zawar in present day Rajasthan, this method enabled the production of metallic zinc on a scale and with a precision that European metallurgists would only match some eight hundred years later.

The region of Zawar had long been known for its rich deposits of zinc ore, particularly sphalerite, which is a zinc sulfide mineral. While extracting metals like copper or iron from their ores was well within the capabilities of ancient smiths, zinc presented an unprecedented challenge. Unlike most metals, zinc vaporizes at temperatures lower than those required for its reduction from ore. This meant that when heated, zinc would transform into vapor before it melted, and without a way to capture and condense that vapor, molten zinc would escape into the air, never forming a collectable metal.

In most parts of the ancient world, this problem remained unsolved. Metallurgists could reduce zinc ore, but they could not prevent the evaporation of the metal itself. In India, however, the craftsmen of Zawar developed an ingenious solution. Instead of trying to prevent vaporization, they embraced it, capturing the vapor, guiding it through controlled channels, and then collecting the condensed metal. In doing so, they devised what modern scholars recognize as a form of distillation technology, centuries ahead of similar processes in the West.

The heart of the Zawar system lay in the sophisticated design of its furnaces and retorts, ceramic or clay vessels sealed and heated in a carefully regulated environment. These retorts were charged with zinc ore mixed with charcoal, which acted as a reducing agent. Once sealed, they were heated externally. As the internal temperature rose past zinc's boiling point, vapor formed inside the vessel. But rather than allowing this vapor to escape, the distillation system incorporated attached cooler chambers where the vapor could travel, cool, and condense into liquid zinc. The retorts were heated from above, causing zinc to vaporize, flow downward, and condense inside a cooler chamber below, known as "distillation by descending" or tiryakpatnayantra. The condensed metal would then collect on the walls or at the base of these chambers, forming ingots of metallic zinc that could be tapped and further processed.

#METALLURGY

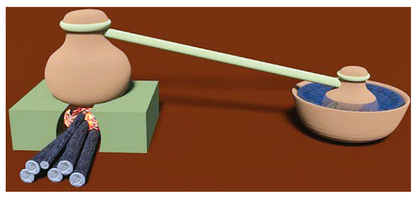

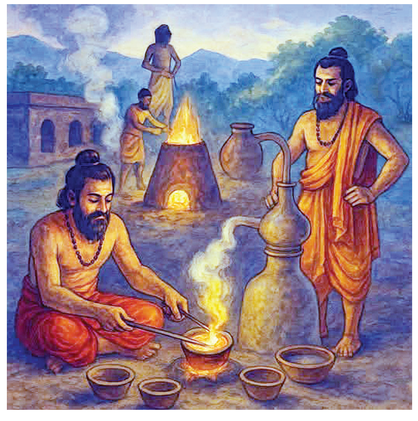

Archaeological excavations around Zawar have revealed extensive remains of these furnaces, retorts, crucibles, slag, and other artifacts, many of which date back to the first millennium CE. The sheer quantity and consistency of metallurgical remains suggest that zinc production was not a sporadic experiment but a sustained industrial tradition that spanned many generations. Radiocarbon dating and elemental analysis of the ingots show uniformity in quality and composition...

Archaeological excavations around Zawar have revealed extensive remains of these furnaces, retorts, crucibles, slag, and other artifacts, many of which date back to the first millennium CE. The sheer quantity and consistency of metallurgical remains suggest that zinc production was not a sporadic experiment but a sustained industrial tradition that spanned many generations. Radiocarbon dating and elemental analysis of the ingots show remarkable uniformity in quality and composition, underscoring a sophisticated empirical understanding of temperature control and chemical reactions.

The uniqueness of the Zawar area is linked to its geological endowments viz. the 30 km long zinc (Zn) and lead (Pb) sulphide mineralisation that occurs in a carbonate-bearing sequence belonging to the Paleoproterozoic Aravalli Supergroup in southern Rajasthan, India. Notwithstanding the stratabound nature of mineralisation, the distribution of Zn-Pb lodes is controlled by extensional shears and fold closures. Silver shows a distinct association with lead mineralisation. The presence of over 100 old working sites and several dumped metallurgical residues, spread over an area of over 50 sq km, bear testimony to the thriving mining and metallurgical operations in ancient to medieval times in Zawar and adjoining areas. The old workings were opened as deep linear trenches along with steeply inclined shafts that eventually opened into underground mining stops supported by flared pillars. The ancient miners could perfect high-temperature zinc distillation processes in well-designed furnaces, and Zawar, therefore, holds the distinction of being the first centre, producing pure zinc on an industrial scale in the world.

The excavated site at Zawar when located was a massive debri heap of fragmented zinc distillation retorts, some used and a few unused, along with furnace figments and ash. The location of the site is important because of its close proximity to argentiferous zinc, lead ores, which are embedded in the dolomite formation. The area under question is now controlled by the Hindustan Zinc Limited (HZL). Besides Zawar, the evidence of early zinc mining and smelting has also been found 2 km southeast of the village Kaya (6 km north of Zawar, and about 15 km south of Udaipur town) in the form of small retort heap and ancient mine workings in the adjacent hills.

Conjectural reconstruction of the furnace at Zawamala, an array of seven distillation furnaces, roughly squarish on plan (67 x 69 cm at base), were discovered. Each furnace had two chambers, upper and lower one, separated by 5.50 cm thick perforated plate of clay (four combined to form a single square). Each clay plate had 9 large holes (3.50 cm diameter) to accommodate the snouts other retort's condenser, and 26 smaller holes (plus 9 shared with neighbouring plate) for the passage of the air into the furnace and for the ash to drop through. It is presumed by the excavation that the furnaces may have looked like truncated pyramids and their height may have been about 60 cm.

The success of the Zawar distillation system represents a level of technological innovation that was unmatched elsewhere for centuries. Europe, for instance, did not independently develop a reliable zinc distillation process until the 18th century, when German and English metallurgists grappled with the same challenges that had already been mastered in India. The distillation principles used at Zawar, controlled atmospheres, vapor guidance, and condensation, mirror, in essence, fundamental aspects of modern industrial metallurgy.

In the broader sweep of global history, the Zawar distillation system stands as a testament to India's early mastery of complex materials technology. It highlights an unsung chapter in the development of metallurgy, one that underscores how ancient societies solved formidable scientific challenges through ingenuity, skill, and careful observation. By demonstrating how zinc vapor could be captured and harnessed, the craftsmen of Zawar laid down principles that would echo into the age of industrial chemistry.

rajeshsharma1049@gmail.com

#KNOWING

The Quiet Power of Beauty and Memory

When a person encounters beauty, in nature, art, or sound, the response is not limited to simple pleasure. Instead, there arises an unexplainable eagerness, a gentle restlessness of the heart

Sanskrit Verse:
रम्याणि वीक्ष्य मधुराञ्च निशम्य शब्दान्
पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तुः।
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वं
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि।

यह श्लोक कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' से है, जिसका अर्थ है कि सुखी होने पर भी प्राणी जब सुंदर वस्तुओं को देखता है और मधुर ध्वनियों को सुनता है, तो उदास या बेचैन हो जाता है, क्योंकि वह अचेतन मन से पिछले जन्मों के उन गहरे और स्थायी रिश्तों (मित्रता/प्रेम) को याद करता है, जो उसे इस जन्म में याद नहीं हैं।

This Sanskrit verse offers a profound insight into the inner workings of the human heart, revealing how beauty subtly awakens emotions that lie far beneath the surface of conscious experience. It speaks of a universal psychological truth: that pleasing sights and sweet sounds have the power to stir us deeply, even when we believe ourselves to be fully content. Happiness, the verse suggests, is not a closed or complete state; it remains sensitive, receptive, and open to emotional movement.

When a person encounters beauty, whether in nature, art, or sound, the response is not limited to simple pleasure. Instead, there arises an unexplainable eagerness, a gentle restlessness of the heart. This excitement is striking because it appears even in one who is already happy. The poet captures this paradox with great subtlety, showing that emotional stirring does not always arise from lack, but from depth. A fulfilled heart, too, can be moved, precisely because it is alive and responsive.

The verse then turns inwards, towards memory. The mind, touched by beauty, begins to recall experiences that were once lived but not fully understood. These are not deliberate recollections; they arise spontaneously, as though summoned from a hidden layer of consciousness. The suggestion that such memories belong to an "unaware past" points to the idea that certain emotional bonds are formed before they are intellectually recognized. They settle quietly within us, waiting for the right moment to resurface. What is especially striking is the nature of these remembered emotions. They are described as stable and enduring, not fleeting impressions. These are deep affections, friendships, loves, or emotional affinities, that transcend time and circumstance. The verse even hints at continuity beyond a single lifetime, suggesting that some bonds are so profound that they feel older than memory itself. In this way, beauty becomes a bridge between the present moment and an emotional past that still lives within us.

The beauty of the verse lies in its gentle understanding of human complexity. It does not portray longing as a flaw, or contentment as emotional closure. Instead, it presents the heart as a layered space where joy, memory, and yearning coexist naturally. Beauty does not disturb happiness; it enriches it by reconnecting us with the depth of our own emotional history.

Ultimately, the verse reminds us that to be human is to carry within oneself a quiet treasury of memories and emotions. When beauty touches us, it opens that treasury, not loudly or forcefully, but with tenderness, allowing us to glimpse the timeless connections that shape our inner world.

THE WALL

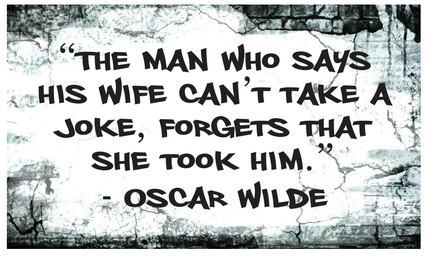

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

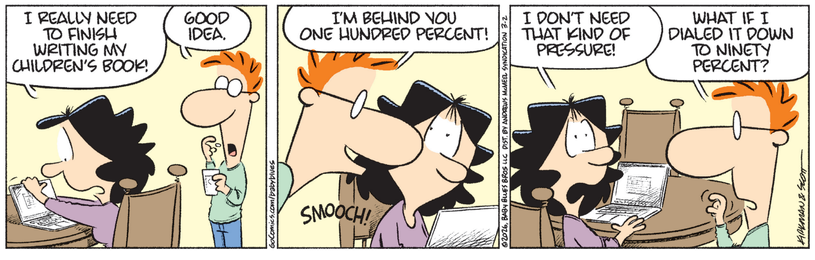

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

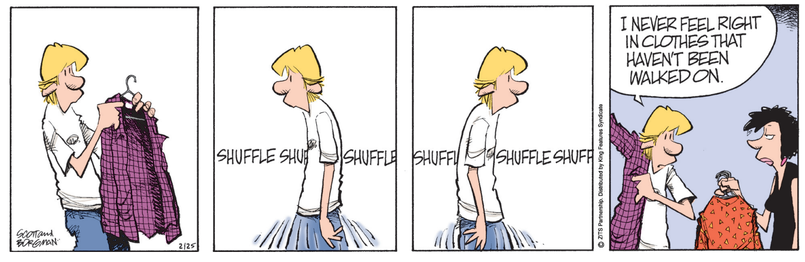

भीलवाड़ा में 21 लाख की चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त

कंटेनर की आड़ में शराब तस्करी का अनोखा तरीका नाकाम

भीलवाड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा अवैध शराब तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आसीन्द थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाकेबंदी तोडकर भाग रहे एक गुजरात पासिंग ट्रक कंटेनर को पकड़कर उसमें छुपाकर ले जाई जा रही चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब की 249 पेटियां बरामद की हैं। जब्त की गई शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 21 लाख रुपये आंकी गई है।

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुधराज खटीक (, सेक्टर सहाडा) के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सोलंकी (, वृत्त आसीन्द) के निकटतम सुपरविजन में आसीन्द थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अंजाम दी गई।

घटनाक्रम के अनुसार, 17 मई 2026 की रात आसीन्द थाने का जाब्ता रात्रिकालीन गश्त पर था। इसी दौरान नेशनल हाईवे 148 पर पुलिस टीम को एक संदिग्ध गुजरात पासिंग ट्रक कंटेनर आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकवाने का प्रयास किया, तो चालक ने कंटेनर की रफ्तार और बढ़ा दी और उसे तेज गति से भीम की तरफ भगाने लगा। गश्त कर रहे जाब्ते ने तुरंत इसकी सूचना थानाधिकारी को दी और अतिरिक्त मदद मांगी। सूचना मिलते ही थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी मय जाब्ते के संदिग्ध वाहन की तलाश और चेकिंग के लिए नेशनल हाईवे 148 पर पहुंचीं। इसी बीच, पुलिस के लगातार पीछा करने के कारण घबराया चालक कंटेनर को बामणी चौराहा पर सड़क किनारे खड़ा कर कूदकर भाग निकला। गश्त जाब्ते ने चालक का पीछा भी किया, लेकिन रात के घनघोर अंधेरे का फायदा उठाकर वह पास के जंगलों में ओझल होने में सफल रहा। पुलिस ने आस-पास के इलाके में उसकी काफी तलाश की, मगर उसका कोई सुराग नहीं लगा।

थानाधिकारी मय जाब्ते के जब बामणी चौराहे पर खड़ी गुजरात पासिंग कंटेनर के पास पहुंचे और उसकी गहनता से चेकिंग की, तो पुलिस की आंखें फटी रह गईं। कंटेनर के भीतर चंडीगढ़ निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा छुपाया हुआ था। पुलिस ने गिनती की तो कुल 249 पेटियां अवैध अंग्रेजी शराब पाई गईं, जिनकी बाजार में कीमत करीब 21 लाख रुपये है। पुलिस ने शराब और तस्करी में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर को जब्त कर अज्ञात चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में इन पुलिसकर्मियों की भूमिका मुख्य रही, जिनमें से कई जवानों का विशेष योगदान रहा जिसमें श्रीमती श्रद्धा पचौरी (पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी आसीन्द) शामिल थे।

पिनान में वन विभाग का चला पीला पंजा

जमींदोज किए अवैध पक्के मकान

अलवर। अलवर के पिनान क्षेत्र के मांझवाड़ गांव में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे पर अपना पीला पंजा चलाया है। विभाग की टीम ने भारी जाब्ते के साथ कोर्ट के आदेशों की पालना में वन भूमि पर बने अवैध पक्के मकानों को ध्वस्त कर कीमती जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया। हाईकोर्ट जयपुर में दायर याचिका (रमेश चंद बनाम सरकार) में पारित आदेश और भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत न्यायालय सहायक वन संरक्षक राजगढ़ द्वारा (सरकार बनाम खैराती व श्रीकार) जारी बेदखली आदेशों के बाद विभाग ने यह सख्त कदम उठाया। इन आदेशों के तहत खैराती और श्रीकार (पुत्र हरिया राम मीणा) द्वारा वन विभाग की जमीन पर किए गए अवैध पक्के निर्माण को हटाने का फरमान जारी हुआ था। आदेश पर अमल करने के लिए वन विभाग ने एक बड़ी संयुक्त टीम का गठन किया। सहायक वन संरक्षक पुष्पेंद्र सिंह और प्रशांत गौड़ के साथ क्षेत्रीय वन अधिकारी राजगढ़ व लक्ष्मणगढ़ के संयुक्त नेतृत्व में टीम मांझवाड़ गांव पहुंची। विरोध की आशंका को देखते हुए टीम के साथ भारी संख्या में वनकर्मी मौजूद थे। मौके पर पहुंचते ही बिना कोई वक्त गंवाए जेसीबी मशीन से पक्के मकानों और बाउंड्रीवॉल को तोड़ना शुरू कर दिया गया। देखते ही देखते करीब 0.0276 हेक्टेयर (लगभग भारी-भरकम रकबा) कीमती वन भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण से मुक्त करा लिया गया।

कीमती जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण से मुक्त कराया।

भीषण सड़क हादस, ओवरटेक के चक्कर में पिकअप और कार की भिड़ंत

भीलवाड़ा। नेशनल हाईवे-758 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब परिवार एक बच्चे के मुंडन संस्कार कार्यक्रम से खुशियां मनाकर लौट रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी कार और एक पिकअप के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।

- **हादसा उस समय हुआ जब परिवार एक बच्चे के मुंडन संस्कार कार्यक्रम से खुशियां मनाकर लौट रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी कार और एक पिकअप के बीच भिड़ंत हो गई**

हादसे में घायल हुए लोगों का अस्पताल में उपचार जारी।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 758 पर वाहनों द्वारा एक-दूसरे को ओवरटेक करने के प्रयास के दौरान हुआ। रफ्तार तेज होने के कारण दोनों वाहन नियंत्रण खो बैठे और सीधे सामने से टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नजदीकी बिगोद अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, 5 लोगों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें तुरंत भीलवाड़ा के महात्मा गांधी जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। अन्य मामूली घायलों को बिगोद अस्पताल में ही प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गई। भीषण भिड़ंत के बाद दोनों क्षितग्रस्त वाहन बीच सड़क पर ही फंस गए, जिससे नेशनल हाईवे-758 पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू रूप से बहाल करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नगर निगम ने शहर में 400 नए डस्टबिन लगाए

जोधपुर । जोधपुर नगर निगम ने शहर को और साफ-सुथरा व आकर्षक बनाने के उद्देश्य से प्रमुख सड़कों व पर्यटन स्थलों पर 400 नए ट्विन डस्टबिन लगाए हैं। यह कदम स्वच्छ भारत मिशन की नई गाइडलाइंस के तहत उठाया गया है, जिनमें कहा गया है कि व्यावसायिक एवं पर्यटक क्षेत्रों में हर 50 से 100 मीटर पर डस्टबिन होना चाहिए। नगर निगम आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि पिछले एक महीने में कुल 400 प्लास्टिक के ट्विन डस्टबिन लगाए गए हैं। इन डस्टबिनों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग संठाहित करने के लिए रंगों से चिह्नित किया गया है। हरे डस्टबिन में गीला कचरा (फल-सब्जी के छिलके, बचा व खराब हुआ खाना) और नीले डिस्टबिन में सूखा कचरा फेंकने की व्यवस्था की गई है।आयुक्त राहुल जैन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें, जिससे कि कचरे का सेग्रीगेशन आसानी से हो सके और रीसाइकिलिंग की प्रक्रिया प्रभावी बन सके। उन्होंने कहा, हमने यह कदम मुख्य बाजारों और पर्यटन स्थलों पर अवैध डंपिंग की समस्या को खत्म करने और साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाया है।

1.5 किलो से ज्यादा अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा । जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के आदेशानुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोटडी थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मोटरसाइकिल के चेंबर में छुपाकर ले जाई जा रही 1.561 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यही नहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अफीम सप्लाई करने वाले मुख्य सप्लायर को भी मध्य प्रदेश से दबोच लिया है।यह पूरी कार्रवाई शाहपुरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन और कोटड़ी वृताधिकारी सुरेश डाबरिया के निकटतम सुपरविजन में कोटडी थानाधिकारी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई।

- **यह पूरी कार्रवाई शाहपुरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन और कोटड़ी वृताधिकारी सुरेश डाबरिया के निकटतम सुपरविजन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई।**

घटनाक्रम के अनुसार, 17 मार्च 2026 को थानाधिकारी महावीर प्रसाद के निर्देशन में गठित विशेष टीम के कांस्टेबल अर्जुन राम (99) और हनुमान (1934) गश्त पर थे। इस दौरान सवाईपुर की तरफ से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर: 44 884) को रोककर पूछताछ की गई। संदेह होने पर जब बाइक की गहनता से तलाशी ली गई, तो पुलिस टीम के होश उड़ गए। तस्करों ने मोटरसाइकिल के चेंबर के भीतर 1.561 किलोग्राम अवैध अफीम छुपा रखी थी। पुलिस ने मौके से अवैध अफीम और तस्करी में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को जब्त कर दो आरोपियों शंभु गुर्जर (40 वर्ष) पिता किष्णा गुर्जर, निवासी बखतुनी, थाना मनासा, जिला नीमच (मध्य प्रदेश) सोपाल गुर्जर (41 वर्ष) पिता नाथू गुर्जर, निवासी बखतुनी, थाना मनासा, जिला नीमच (मध्य प्रदेश) पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की, तो उन्होंने खुलासा किया कि यह अफीम उन्होंने निर्मल कुमार खाती नामक व्यक्ति से खरीदी थी। वारदात के बाद से ही आरोपी निर्मल कुमार लगातार अपने ठिकाने से फरार चल रहा था। थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मध्य प्रदेश में दबिश दी और अथक प्रयासों के बाद आरोपी निर्मल कुमार खाती (34 वर्ष) पिता रामचंद्र खाती (निवासी: वार्ड संख्या 18, कन्जार्डा, थाना मनासा, जिला नीमच, म.प्र.) को डिटेन किया। पूछताछ में अफीम की बिक्री की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस सप्लायर से अफीम की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क को लेकर गहन अनुसंधान कर रही है। इस पूरी सफलता में कोटड़ी पुलिस की इस विशेष टीम की अहम भूमिका रही, जिसमें कांस्टेबल मोतीराम और अर्जुन राम का विशेष योगदान रहा।

पचास से 75 हजार तक के बिल आने से उपभोक्ता परेशान

छबड़ा (निसं)। बिजली चोरी, बिलिंग में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर अब उपभोक्ताओं के लिए नई मुसीबत बनते जा रहे हैं। कई उपभोक्ताओं को 50 हजार से 75 हजार तक के बिजली बिल थमाए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ता परेशान हैं। इतनी भारी-भरकम राशि का बिल देखकर उपभोक्ताओ के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत निगम कार्यालय का रुख किया। निपानिया निवासीशिवम गौतम ने बताया कि उनके घर पर कुछ महीने पूर्व स्मार्ट मीटर लगाया गया था। अब जब पहली बार बिल जारी हुआ है, तो वह लगभग 76 हजार 46 रुपये का है। मुकेश नागर का कहना है कि वह अपने सभी पुराने बिल समय पर चुका चुके हैं, इसके बावजूद 61 हजार रुपये का बिल आना बेहद चौंकाने वाला है। इसी प्रकार,सालगराम कुशवाह का 55 हजार रुपये तो चौथमल नागर का 31 हजार रुपये का बिल आने पर हक्के-बक्के रह गए। उपभोक्ताओं ने निगम के अधिकारियों से इस समस्या से अवगत करवाते हुए उक्त गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान किये जाने की मांग की। उपभोक्ताओं ने बताया कि इससे पूर्व लगभग 1000-1500 तक के बिल आते हैं।एडवोकेट शिवम गौतम का कहना है कि उक्त मामले में सम्बंधित लाइनमैन की लापरवाही मुख्य कारण रही है। क्योंकि लाइनमैन द्वारा मीटर रीडिंग के अनुसार बिल जारी नही कर स्वयं के हिसाब से बिल जारी किए गए।

प्रोपर्टी कारोबारी ने लगाया 30.50 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 21 ई में रहने वाले एक प्रोपर्टी कारोबारी से 30. 50 लाख की धोखाधड़ी का प्रकरण्ण सामने आया है। इस संबंध में पुलिस में मामला दर्ज हुआ है।

कोर्ट से मिले इस्तगासे पर पुलिस ने एक महिला और अधिवक्ता को नामजद कर अब जांच आरंभ की है। दुकान के सौदे के नाम पर यह धोखाधड़ी करना बताया गया है। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सेक्टर 21-ई निवासी गणेशराम की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसने सरदारपुरा स्थित एक दुकान का सौदा अमीन नामक व्यक्ति के लिए कराया था। अप्रैल 2025 में 40 लाख रुपए में सौदा तय हुआ और अमीन ने 10 लाख रुपए एडवांस दिए थे। दुकान मालिक सरोज हमेशा के लिए कलकत्ता शिफ्ट हो रही थीं, इसलिए उन्हें बाकी पैसे जल्द चाहिए थे।

- **महिला और अन्य पर फ्रॉड का केस दर्ज**

अमीन के पास रकम नहीं थी, तो उसने गणेशराम को विश्वास में लेकर अपनी तरफ से 30 लाख रुपए चुकाने को कहा और एक महीने में लौटाने का वादा किया। अमीन पर भरोसा कर गणेशराम ने 5 मई 2025 को एसबीआई से 30 लाख निकालकर एक अधिवक्ता व अमीन की मौजूदगी में सरोज को दे दिए। इसके बाद 500 रुपए के स्टाम्प पर दो अलग-अलग एठीमेंट 40 लाख और 10 लाख के बनाए गए। इन पर सरोज के पति और दामाद ने साखदार के रूप में साइन किए और सोसाइटी से नाम हस्तांतरण का प्रार्थना पत्र भी तैयार कर लिया गया।

रिपोर्ट में बताया कि दुकान की चाबी और एठीमेंट सुरक्षा के तौर पर मध्यस्थता कर रहे अधिवक्ता के पास रखे गए थे। तय हुआ था कि अमीन द्वारा 30 लाख रुपए लौटाने के बाद दुकान का कब्जा उसे सौंपा जाएगा। अगस्त 2025 में सरोज ने किराया मांगा, तो अमीन के कहने पर गणेशराम ने 11 अगस्त को इंडियन बैंक में सरोज के खाते में 50 हजार रुपये और जमा करवा दिए। अमीन ने 30.50 लाख रुपये एक साथ लौटाने का झांसा दिया।

इसके बाद अधिवक्ता और अमीन ने साजिश रची और धोखाधड़ी करते हुए दुकान भाड़ा चिट्ठी के जरिए किसी तीसरे व्यक्ति को सौंप दी। गणेशराम जब दुकान पर गए तो वहां किसी और को व्यापार करते देखकर ठगी का खुलासा हुआ।

प्रसूताओं के इलाज के बारे में जानकारी ली

कोटा, (निसं)। संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को न्यू मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक एवं नवीन चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

संभागीय आयुक्त ने मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक भवन में रेजिडेंट चिकित्सकों से वार्ता कर उनका पक्ष सुना तथा उनकी सुरक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए आश्वस्त किया तथा अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को संविदा सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में भर्ती 6 प्रसूताओं के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड एवं चल रहे इलाज के बारे में डॉक्टरों से जानकारी ली तथा प्रसूताओं के परिजनों से मुलाकात की। संभागीय आयुक्त ने न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचकर संविदा गार्ड के रिकॉर्ड्स चेक किए। निर्धारित रिकॉर्ड्स के अनुसार सुबह की पारी में 45 सुरक्षा गार्ड तथा दोपहर 2 बजे से 25 सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था चिकित्सालय में होनी थी। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, अधीक्षक एनएमसीएच एवं संविदा कंपनी सुपरवाइजर की उपस्थिति में सुरक्षा गार्डस् का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें कई कमियां पाई गई।

हाईकोर्ट ने पत्नी की तलाक याचिका स्वीकार करते हुए फैमिली कोर्ट का फैसला पलटा

जोधपुर, (कासं)।राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने बीकानेर के एक मामले में पत्नी की तलाक याचिका स्वीकार करते हुए फैमिली कोर्ट का फैसला पलट दिया है।

- **हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ का बीकानेर के एक मामले में फैसला**

जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस सुनील बेनीवाल की खंडपीठ ने आटा-साटा प्रथा को कानूनी और नैतिक रूप से दिवालिया बताते हुए इसे इंसान की जिंदगी का अमानवीय सौदा करार दिया।

अपीलकर्ता का विवाह 31 मार्च 2016 को बीकानेर में हिंदू रीति-रिवाजों से हुआ था। उसी दिन आटा-साटा प्रथा के तहत उसके भाई के साथ पति की नाबालिग बहन का भी विवाह कर दिया गया।

बालिग होने पर लड़की ने इस बाल विवाह को मानने से इनकार कर दिया। उसने ससूराल जाने से मना कर दिया। यहीं से दोनों परिवारों में विवाद शुरू हो गया।

अपीलकर्ता का आरोप है कि क्रूरता के चलते 19 मार्च 2020 को उसे नाबालिग बेटी के साथ घर से निकाल दिया गया।

इसके बाद उसने पति व ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित अलग-अलग अपराध के आरोपों पर एफआईआर दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की।

वहीं, नयाशहर पुलिस थाने में पति की शिकायत पर अपीलकर्ता के पिता और भाई को शांति भंग के तहत पाबंद भी किया गया। इन्हीं विवादों के बीच 24 सितंबर 2025 को बीकानेर फैमिली कोर्ट ने अंजलि की तलाक याचिका खारिज कर दी थी।

अपीलकर्ता पत्नी की ओर से हाईकोर्ट में तर्क दिया गया कि वह दहेज के लिए लगातार शारीरिक और मानसिक क्रूरता का शिकार हुई है। इसके उलट, पति का तर्क था कि पत्नी ने स्वेच्छा से घर छोड़ा है और यह सब उसकी बहन पूजा के मुकलावा से इनकार करने का नतीजा है।

पति के अनुसार, पत्नी द्वारा भरण-पोषण और अन्य आपराधिक मामले दर्ज कराना सिर्फ दबाव बनाने की रणनीति थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने सही मानकर तलाक याचिका खारिज की थी।

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के निष्कर्षों को तार्किक रूप से गलत मानते हुए कहा कि कोर्ट ने आटा-साटा के बाहरी पारिवारिक विवाद और पति-पत्नी के बीच की वैवाहिक क्रूरता को आपस में मिलाने की गंभीर भूल की है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पत्नी द्वारा भरण-पोषण के लिए याचिका लगाना पति पर अनुचित दबाव नहीं, बल्कि एक पीड़ित पत्नी का अपना जीवन-निर्वाह सुरक्षित करने के लिए उठाया गया रक्षात्मक कदम है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट के सवाल पर पत्नी के वकील ने स्पष्ट किया कि वह मानसिक शांति के लिए पति से किसी भी तरह का पिछला, वर्तमान या भविष्य का गुजारा भत्ता नहीं लेगी।

इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए कोर्ट ने तलाक को मंजूरी दे दी। अदालत ने यह भी साफ किया कि इस तलाक का असर दोनों पक्षों के बीच चल रहे आपराधिक मुकदमों या बच्चे की कस्टडी के मामलों पर नहीं पड़ेगा, वे स्वतंत्र रूप से चलेंगे।

फैसले में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 का हवाला देते हुए कोर्ट ने आटा-साटा पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जब विवाहों को परिवारों के बीच पारस्परिक आदान-प्रदान के रूप में तय किया जाता है और उनमें से कोई एक नाबालिग हो, तो यह प्रथा एक ऐसा बलपूर्वक सामाजिक तंत्र बन जाती है जिसमें बच्चों, विशेष रूप से लड़कियों को वैवाहिक बार्टर (सौदेबाजी की वस्तु) के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह एक पारस्परिक आदान-प्रदान से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसमें नाबालिगों को परिवारों के बीच सौदेबाजी के साधन के रूप में माना जाता है।

खंडपीठ ने आगे कहा कि यह प्रथा वैवाहिक बंधक जैसी है, जहां एक बेटी का जीवन दूसरी बेटी की आज्ञाकारिता पर निर्भर कर दिया जाता है। कोई भी प्रथा कानून से ऊपर नहीं है।

सोगरिया रेलवे स्टेशन पर पार्किंग सुविधा प्रारंभ दरें निर्धारित

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा सोगरिया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु पार्किंग सुविधा प्रारंभ कर दी गई है, यह सुविधा आगामी तीन वर्षों तक संचालित रहेगी। इससे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों एवं उनके परिजनों को वाहन खड़ा करने में सुविधा एवं व्यवस्था का लाभ मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस पार्किंग में दोपहिया एवं चौपहिया दोनों प्रकार के वाहनों की व्यवस्था की गई है। निर्धारित दरों के अनुसार 6 घंटे तक दोपहिया वाहन के लिए 10 रूपये तथा चौपहिया वाहन के लिए 20 रूपये शुल्क देय होगा। 24 घंटे अथवा पूरे दिन के लिए दोपहिया वाहन हेतु 20 रूपये तथा चौपहिया वाहन हेतु 60 रूपये शुल्क निर्धारित किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि स्टेशन पर यात्रियों को छोड़ने अथवा लेने आने वाले वाहनों के लिए ड्रॉप एंड गो सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा के अंतर्गत 10 मिनट तक किसी भी वाहन से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

10 से 20 मिनट की अवधि के लिए दोपहिया वाहन पर 20 रूपये तथा चौपहिया वाहन पर 40 शुल्क देय होगा। नियमित यात्रियों की सुविधा हेतु मासिक पास की व्यवस्था भी की गई है, जो केवल दोपहिया वाहनों के लिए उपलब्ध है। सामान्य दैनिक यात्रियों के लिए मासिक पास शुल्क 400 निर्धारित है।

बनास नदी स्थित नेगड़िया पुलिया पर डूबे मां-बेटे, मां का शव मिला, बेटे की तलाश

दूसरे शव की तलाशी के लिए टोंक से सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची

टोंक। देवली थाना क्षेत्र में बनास नदी में सोमवार देर सांय एक मां-बेटे के डूबने की सूचना के बाद पुलिस ने जांच प्रारम्भ कर मंगलवार को एसडीआरएफ टीम के रेस्क्यू के बाद महिला का शव बरामद कर लिया गया, जबकि बेटे की तलाश अब भी जारी है।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम राहगीरों ने नेगड़िया पुलिया पर चप्पलें और पासपोर्ट साइज फोटो रखे हुए देखे, इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद देवली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इस दौरान पूछताछ पर पुलिया पर रखे फोटो की पहचान टगरा कॉलोनी निवासी मनफूली देवी और उनके पुत्र शंकर नाथ के रूप में हुई। यह कॉलोनी घटना स्थाल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर है। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से तलाश शुरू की, शाम अंधेरा होने के चलते तलाशी अभियान रोकना पड़ा। इसके बाद मंगलवार सुबह अजमेर से एसडीआरएफ की टीम पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया तथ सुबह 9.30 पर महिला का शव नदी से बाहर निकाला गया। दूसरे शव की तलाशी के लिए टोंक से सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची है।

- **अजमेर से एसडीआरएफ की टीम पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया**

देवली थानाधिकारी दौलत राम ने बताया कि एसडीआरएफ टीम और सिविल डिफेंस की टीम बनास नदी में तलाश कर रही है। मां का शव नदी से बाहर निकाल लिया है और बेटे की तलाश जारी है। दोनों के शव मिलने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बनास नदी में एक मां-बेटे के डूबने की सूचना के बाद पुलिस ने जांच प्रारम्भ की।

संक्षिप्त

प्रशिक्षण शिविर संपन्न

निवाई। राजस्थान राज्य सहकारी संघ जयपुर एवं दी सैन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक लि. के संयुक्त तत्वाधान में किसान क्रय विक्रय सहकारी समिति कार्यालय पर शाखा निवाई एवं बनस्थली की बहुउद्देशिय ग्राम सेवा सहकारी समितियों के प्रबन्धकारिणी सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। मुख्यावक्ता राजस्थान राज्य सहकारी संघ जयपुर के मुख्य कार्यकारी मोहम्मद रफीक ने सहकार से समृद्धि योजना पर वितृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सहकारी समिति को बहुउद्देशिय बनाने के लिए किए जाने वाले नवाचारों पर भी प्रकाश डाला। किसान क्रय विक्रय सहकारी समिति निवाई के प्रबन्धक एवं विभागीय निरीक्षक विष्णु जांगिड ने समिति के उपनियमों एवं क्रय विक्रय की योजनाओं पर जानकारी दी। फर्टिस इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि अविनाश जैन ने सरकार की बजट घोषणा के अनुसार खेत से खरीद कार्यक्रम पर जानकारी प्रदान की। संघ के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी शिवराज शर्मा ने सहकारी समिति की प्रबन्ध व्यवस्था, सहकारिता के सिद्धांत व जागरूकता पर प्रशिक्षण दिया। शिविर में 77 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

सामाजिक एकता सम्मेलन आयोजित

दूदू । केंद्रीय एवं विधि न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि महर्षि खीवण महाराज के आदर्शों को प्रेरणादायी बताते हुए समाज में शिक्षा और समरसता के प्रसार पर जोर दिया तथा ई लाइब्रेरी एवं छात्रावास भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा की नगर पालिका मुख्यालय दूदू पर स्थित अखिल भारतीय महर्षि खीवण पीठ अलख आश्रम परिसर में मूर्ति अनावरण एवं कलश स्थापना विशाल सामाजिक एकता सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त किया साथ ही कहां की शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं है दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन यज्ञ के साथ किया गया आचार्य पंडित प्रकाश दास महाराज ऋषि पीठ फुलेरा के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए।

स्वागतम सम्मान समारोह आयोजित

चाकसू। दी बार एसोसिएशन चाकसू की ओर से चाकसू में नवनियुक्त अपर जिला न्यायाधीश विकास मारग , एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 15 चाकसू स्वाति व्यास का अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पद पर पदोन्नत होकर टोंक स्थानांतरण पर सम्मान कर विदाई दी गई। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी चाकसू के पद पर नव नियुक्त डॉक्टर सरिता शर्मा का भी स्वागत किया गया

'डाकघर आपके द्वार' शिविर आज

दौसा। भारतीय डाक विभाग में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने के लिए डाक विभाग की ओर से बुधवार को सिण्डोली अटल सेवा केन्द्र में एक दिवसीय डाकघर आपके द्वार शिविर का आयोजन किया जाएगा।

नाम परिवर्तन

मैं मोसिना बानो पत्नी श्री जाकिर हुसैन मैंने अपने पुत्र का नाम स्कूल रिकार्ड में अरशाद खान (Arshad Khan) से बदलकर अरशद हुसैन (Arshad Hussain) रख लिया है भविष्य में अरशाद हुसैन के नाम से जाना जावें। पता-36, सययेद का गटा, टोंक रोड।

मैंने अपना नाम फतेह सिंह से बदलकर रविन्द्र सिंह संधु कर लिया है। अत भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पता-फ्लैट नं. 1 प्लाट नं. 42, शुभ पूजा अपार्टमेन्ट, सुमेर नगर-1 मुहाना मण्डी रोड, मानसरोवर, जयपुर-302020

I have changed my name from Ishita to Ishita Singh daughter of Shri Kartar Singh. I will be known by this name in future purpose. Address- Plot No. 445, Xavier Arked 2nd Jagatpura, Jaipur, Rajasthan 302017

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'पॉलीहाउस से बदल रही किसानों की तकदीर, कम लागत में ज्यादा मुनाफा लें'

- उन्होंने ने निरीक्षण के दौरान पॉलीहाउस में हो रही सब्जी की खेती, तापमान नियंत्रण, ड्रिप सिस्टम और उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को बारीकी से देखा।
- किसानों से सीधा संवाद कर नवाचार के लिए प्रेरित किया

किशनगढ़ बास के जगता बसई में कलेक्टर ने पहुंचकर पॉलीहाउस का निरीक्षण किया ।

किशनगढ़ बास। सरकार की मंशा है कि किसान परंपरागत खेती के साथ आधुनिक तकनीक अपनाकर उच्च मूल्य वाली फसलें उगाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं। यह बात जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने मंगलवार को किशनगढ़ बास की पंचायत जगता बसई में उद्यान विभाग द्वारा अनुदान पर बने पॉलीहाउस के निरीक्षण के दौरान किसानों से सीधा संवाद कर नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कही।

उन्होंने ने निरीक्षण के दौरान पॉलीहाउस में हो रही सब्जी की खेती, तापमान नियंत्रण, ड्रिप सिस्टम और उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को बारीकी से देखा। कलेक्टर ने किसानों से योजना से मिले अनुदान, उत्पादन क्षमता, लागत और मंडी में मिल रहे दाम की जानकारी ली। किसानों ने कलेक्टर को बताया कि पॉलीहाउस से बेमौसम सब्जी उगाकर पहले से तीन गुना तक ज्यादा मुनाफा हो रहा है।

किसानो को कलेक्टर अतुल प्रकाश ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। पॉलीहाउस, शेडनेट हाउस, ड्रिप–मिनी स्प्रिंकलर, फलदार पौधारोपण, सौर ऊर्जा पंप और जैविक खेती पर 50 से 75 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, किसान इन योजनाओं का लाभ लेकर कम पानी और कम लागत में सालभर सब्जी–फल उगा सकते हैं। बाजार में उच्च मूल्य वाली फसलों की मांग है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान कलेक्टर ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र किसानों तक योजनाओं की जानकारी समय पर पहुंचे। आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो, ताकि किसी किसान को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए हर ब्लॉक में कैंप लगाकर किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाए। कलेक्टर ने किसानों से रासायनिक खाद का उपयोग कम कर जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों को बाजार में अच्छे दाम मिलते हैं और जमीन की उर्वरा शक्ति भी बनी रहती है। सरकार जैविक आदान, वर्मी कंपोस्ट यूनिट और प्रमाणीकरण पर भी अनुदान दे रही है। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक उद्यान विभाग गोपाल मीणा ने जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति बताई।

इस मौके पर उद्यान विभाग के कर्मचारी और बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान मौजूद रहे। कई किसानों ने मौके पर ही पॉलीहाउस और ड्रिप योजना में आवेदन करने की इच्छा जताई।

देवली में होटल पर डीएसटी टोंक व पुलिस की कार्रवाई

- यह कार्रवाई जहाजपुर पुलिस उपाधीक्षक रेवड़मल मौर्य के नेतृत्व में हनुमान नगर थाना प्रभारी गणेश ने जहाजपुर, पंडेर और शक्करगढ़ थाने के पुलिस जाप्ते के साथ होटल पर दबिश दी थी ।
- 18 घंटे पहले पुलिस ने कान गढ़ होटल से 48 लोगों हिरासत में लिया और 78 चौपाइयां वाहन.भी जप्त किये 18 घंटे बाद हिरासत में लिए 48 लोगों को पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर बता कर रिहा कर दिया।

देवली। सोमवार की शाम को यहां कान गढ़ पैलेस पर डीएसटी टोंक और हनुमान नगर थाना पुलिस ने अचानक से दबिश देकर 48 संदिग्धों को पकड़ा,और 78 वाहन जब्त किये। लेकिन 18 घंटे बाद ही पुलिस ने हिरासत में लिए सभी 48 व्यक्तियों को झोलाछाप डॉक्टर बता कर न्यायालय से रिहा करवा दिया। मामला यह है कि सोमवार को देवली शहर के निकटवर्ती हनुमान नगर थाना क्षेत्र के कोटा रोड पर स्थित एक होटल में टोंक जिला स्पेशल टीम और हनुमान नगर पुलिस ने एक संयुक्त कार्यवाही करते हुए हनुमान नगर क्षेत्र की कानगढ़ पैलेस होटल मे दबिश देकर 48 व्यक्तियों को पहले तो शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। 18 घंटे बाद सभी हिरासत में लिए व्यक्तियों को ने झोलाछाप डॉक्टर बता कर रिहा कर। हनुमान नगर थाना पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए सभी व्यक्ति होटल कान गढ़ पैलेस में घुटने के दर्द का इलाज करने के लिए आए हुए थे। पुलिस ने यह भी बताया कि इन व्यक्तियों के पास से 23 लाख 50 हजार रुपए की नगद राशि भी बरामद हुई है। मामला सोमवार की की देर शाम का था.। हुआ यह है कि डीएसटी टोंक और हनुमान नगर थाना पुलिस ने ओचक अभियान चलाकर क्षेत्र के कानगढ़ पैलेस होटल में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। हनुमान नगर थाना पुलिस को मुखबिर और टोंक डीएसटी से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की होटल कान गढ़ पैलेस में बड़ी संख्या में संदिग्ध लोग एकत्रित हो रहे है। डीएसटी टोंक हनुमान नगर थाना पुलिस ने इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, जहाजपुर उपाधीक्षक रेवड़मल मौर्य के नेतृत्व में हनुमान नगर थाना प्रभारी गणेश राम मीणा ने जहाजपुर, पंडेर और शक्करगढ़ थाने के पुलिस जाप्ते के साथ होटल पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से होटल में अफरा-तफरी मच गई और संदिग्ध लोग भागने सफल हो गए।

विश्व हाइपर टेंशन दिवस पर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

मनोहरपुर। विश्व हाइपर टेंशन दिवस पर रजनीश हॉस्पिटल में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्वास्थ्य कर्मियों, स्टूडेंट को हाइपरटेंशन यानी हाई बीपी के खतरों के बारे मे सचेत किया गया। डॉ रजनीश शर्मा ने कहा की हाइपरटेंशन एक साइलेंट किलर है बीपी ज्यादा होने पर ब्रेन अटैक कार्डियक अटैक किडनी अटैक और आंखों पर अटैक करके घातक परिणाम दे सकता है। ब्लड प्रेशर चेक करके उसे नियंत्रित रखें तो इन खतरों से बचा जा सकता है सामान्य ब्लड प्रेशर 120/80 होता है और 140/90 से अधिक होने पर उसे हाई बीपी या हाइपरटेंशन कहते हैं। इस वर्ष की थीम है आओ मिलकर ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करें,नियमित बीपी चेकअप करें,और हाई ब्लड प्रेशर के खतरों से बचाए। डॉ भारत शर्मा की देखरेख में निशुल्क बीपी चेक किया गया डॉ कानन शर्मा ने महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर के खतरों के बारे में बताया कि

चिकित्सकों ने विश्व हाइपर टेंशन दिवस मनाया।

गर्भावस्था में हाई बीपी से दौरे,शरीर पर सूजन आ सकता है, और जान का खतरा हो जाता है। इस अवसर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। डॉ रजनीश शर्मा ने बताया की हर महीने की 18 तारीख को स्कूल और कॉलेज में 13 वर्ष से ऊपर के विद्यार्थियों का ब्लड प्रेशर चेक किया जाएगा 10 में से एक विद्यार्थियों में हाई बीपी पाया गया है। इस अवसर पर डॉक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, डॉक्टर हर्षित शर्मा, डॉक्टर नमन,राघव शर्मा विनोद सिंह, भगवान सिंह,राजेश शर्मा सुशीला चौधरी, सूरज, प्रकाश जाट ने सम्बोधित किया। स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम और रैली में सैकड़ो लोगों ने भाग लिया और कर लिया की साइलेंट किलर से अपने अपने को और अपने समाज को बचाएंगे।

बैठक आयोजित

टोंक। भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से आमजन को राहत देने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जलदाय विभाग को निर्देश दिए है कि आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएं।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल ने बताया कि आमजन पेयजल को लेकर परेशान नहीं हो, इसे लेकर विभाग पेयजल की आपूर्ति एवं सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही कर रहा है। साथ ही, पेयजल लाइनों में अवैध कनेक्शन हटाने की कार्यवाही भी लगातार की जा रही है। ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति करने वाली बेगमपुरा स्थित नलकूप की पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण बस स्टैंड के बाहरी क्षेत्रों के 30 घरों की जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। जलदाय विभाग द्वारा लीकेज को ठीक कर जल आपूर्ति सुचारु कर लोगों को राहत दी गई।

एसडीएम ने उप जिला अस्पताल का निरीक्षण किया

- अव्यवस्थाओं को तत्काल सुधारने के दिए निर्देश

निवाई। नव नियुक्त एसडीएम अजीत सिंह राठौड़ ने उप जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दवा वितरण केंद्र पर दवाईयां लेने के लिए महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लगी हुई मिली।

इस पर एसडीएम राठौड़ ने पीएमओ डॉ. राजेश जैन को ऐसी स्थिति न बनने देने के निर्देश दिए। इसके अलावा अस्पताल के शौचालयों में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब पाई गई। इसको लेकर उन्होंने नियमित और सुचारू रूप से सफाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम राठौड़ ने इंडोर में भर्ती मरीजों से अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में पूछा। निरीक्षण के दौरान आमजन और मरीजों के परिजनों ने एसडीएम को बताया कि चिकित्सालय परिसर में आए दिन जेबकतरों द्वारा वारदातें की जा रही हैं। जिस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने थानाधिकारी घासीराम से मौके पर ही दूरभाष से अस्पताल परिसर में आवश्यक पुलिस जाप्ता तैनात करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर राजेश जैन ने एसडीएम को बताया कि 19 अप्रैल से 18 मई तक 27 हजार 835 की ओपीडी हुई है। आईपीडी में 1000 मरीज भर्ती हुए हैं।अस्पताल में 117 तरह की जांचों की सुविधा उपलब्ध है तथा 117 ही प्रकार की दवाइयां भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 70 से 90 एक्स-रे किए जा रहे हैं तथा 30 से 40 मरीजों की सोनोग्राफी की जा रही है।

आम सुचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है, कि प्लॉट नंबर 122 इंदिरा नगर कॉलोनी मानटाउन, सवाई माधोपुर (राजस्थान) श्रीमती माया जैमेनी पत्नि श्री रामेश्वर प्रसाद जैमेनी प्लाट की मालिक होने के कारण विक्रय कर रही है। किसी को आपत्ती हो, तो पांच दिवस में बताये। अन्यथा श्रीमती माया देवी विक्रय कर देगी।

भवदीय
जयपुर (फराज हुसैन एडवोकेट)
दिनांक: 20.05.2026 मो.नं:- 9929797865

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दुकान नम्बर 175, स्थित बापू बाजार, चौकड़ी विश्वैवर जी, जयपुर क्षेत्रफल 27.87 वर्गमीटर को नगर परिषद (Municipal Council), जयपुर द्वारा श्री लालचंद जरिये मुख्त्यारआम श्री अब्दुल अधर को जरिये विक्रय- पत्र (पट्टा) दिनांक 11.09.1962 को जारी किया गया था। तत्पश्चात् श्री लालचंद सिप्पी का स्वर्गवास दिनांक 04.05.1988 को हो गया एवं उनकी प्रथम पत्नी श्रीमती मीना का स्वर्गवास दिनांक 14.12.1976 को तथा द्वितीय पत्नी श्रीमती माया देवी का स्वर्गवास दिनांक 17.11.1980 को उनके स्वर्गवास के पूर्व में हो गया था। श्री लालचंद सिप्पी के स्वर्गवास पश्चात् उनके पुत्र-पुत्री श्री प्रदीप सिप्पी, श्री मनोज सिप्पी, श्री राजेश सिप्पी उर्फ राजेश लालचंद सिप्पी कुमारी रानी सिप्पी एवं श्रीमती प्रीति सिप्पी उर्फ प्रिया मखिजा उनके वारिस/ उत्तराधिकारी हुये तथा उक्त सम्पत्ति के मालिक/ मालकिन काबिज हुये। तत्पश्चात् श्री प्रदीप सिप्पी, श्री मनोज सिप्पी, श्री राजेश सिप्पी उर्फ राजेश लालचंद सिप्पी, कुमारी रानी सिप्पी एवं श्रीमती प्रीति सिप्पी उर्फ प्रिया मखिजा ने उक्त दुकान के अविभाजित 1/2 हिस्से को श्री नानकराम खत्री को एवं अविभाजित 1/2 हिस्से को श्री सुरेन्द्र खत्री को जरिये दो भिन्न-भिन्न पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 18.05.2018 को विक्रय कर दिया। इस प्रकार उक्त दुकान/ सम्पत्ति के मालिक श्री नानकराम खत्री एवं श्री सुरेन्द्र खत्री ने उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने का इकरार श्री हरिश बबानी से किया है। जिसकी खरीद हेतु श्री हरिश बबानी ने उक्त सम्पत्ति पर ऋण हेतु YES Bank Ltd. में आवेदन किया हैं। उक्त सम्पत्ति के बाबत् एवं स्व. श्री लालचंद सिप्पी (उर्फ लालचंद) के उत्तराधिकारी की हैसियत् से किसी भी व्यक्ति, जनसाधारण, संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना हक या आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे, अन्यथा YES Bank Ltd. द्वारा उक्त सम्पत्ति को रहन कर लिया जावेगा एवम् उसके पश्चात् किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा। (पीयूष भार्गव एडवोकेट), मो. 9828300154
6, रघुकमल निवास, गणपति प्लाजा के सामने, एम.आई. रोड, जयपुर
E-mail:-vkbhargavaassociates@gmail.com

कार्यालय उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक: एफ()/ न.नि.ज./मा.न.जोन/2026/ 1605 दिनांक 18/05/2026

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार दावड़ा पुत्र श्री हन्सराज द्वारा पुर्नवास विकास राजस्थान सरकार द्वारा दिनांक 08.05.1956 क्वाटर नं. 359, 360 गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर का उप विभाजन चाहा गया है। कार्यालय पुर्नवास विभाग जयपुर द्वारा दिनांक 08.05.1956 को क्वाटर सं. 359, 360 क्षेत्रफल 266.66 एवं 266.66 वर्गगज गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर की कन्वेन्स डीड श्री गोर्वधन पुत्र श्री विशनदास के पक्ष में जारी किया गया। श्री गोर्वधन पुत्र श्री विशनदास द्वारा अपंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 12.03.2004 के द्वारा भूखण्ड संख्या 359, 360 की वसीयत अपनी धर्मपत्नी श्रीमती दयावती पत्नी श्री रामचन्द एवं इनकी मृत्यु उपरान्त उक्त सम्पत्ति मेरे तीनों पुत्र श्री विजय कुमार, श्री कृष्ण कुमार, श्री सुदर्शन कुमार के बीच समान रूप से वितरित किये जाने की वसीयत सम्पादित की गई। श्री गोर्वधन पुत्र श्री विशनदास की मृत्यु दिनांक 17.12.1986 एवं श्रीमती दयावन्ती पत्नि श्री रामचन्द की मृत्यु दिनांक 27.04.1988 को हो गई थी। रजिस्टर्ड बटवारानामा दिनांक 07.01.2002 (1) श्री कृष्ण कुमार वर्मा (2) श्री सुदर्शन कुमार (3) विजय कुमार वर्मा पुत्रान श्री गोवर्धन के मध्य सम्पादित किया गया, जिसके अनुसार सुदर्शन कुमार वर्मा के हिस्से में निम्नानुसार सम्पत्ति आई:-

गुरूनानकपुरा राजापार्क स्कीम, में स्थित क्वार्टर नम्बर 359 व 360 का पूर्वी दक्षिणी कोने वाला हिस्सा जिसकी नाप पूर्व पश्चिम 53 फीट 4 इन्च, उत्तर दक्षिण 30 फीट 6 इन्च जिसका कुल क्षेत्रफल 180.74 वर्गगज 151.11 वर्गमीटर है।

श्री सुदर्शन कुमार वर्मा पुत्र श्री गोर्वधनदास वर्मा ने रजि. मुखत्यारआम नामा दिनांक 12.03.2004 के द्वारा भूखण्ड संख्या 359, 360 गुरूनानकपुरा, राजापार्क का मुख्तयारआम श्रीमती कमलेश दावडा पत्नि श्री विजय दावडा को नियुक्त किया गया। श्रीमती कमलेश दावडा पत्नि श्री विजय दावडा द्वारा रजि. विक्रय पत्र दिनांक 20.03.2005 बहैसियत मुख्तयारआम श्री सुदर्शन कुमार वर्मा पुत्र श्री गोवर्धन के द्वारा भूखण्ड संख्या 359, 360 गुरूनानकपुरा, राजापार्क की अपने हिस्से का 90.37 वर्गगज का विक्रय श्री विजय कुमार दावडा पुत्र हन्सराज दावडा को किया गया। आवेदक द्वारा आवेदन के साथ प्रस्तुत किये गये अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर क्वाटर नं. 359, 360 गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर का उपविभाजन नगर निगम, जयपुर द्वारा श्री विजय कुमार दावडा पुत्र श्री हन्सराज के पक्ष में किया जाना है। इस बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तांतरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
सहायक नगर नियोजक, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
दूरभाष संख्या-0141-4901853

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा फ्लैट संख्या-75-क-2 (GF) लाल कोठी ज्योति नगर, जयपुर क्षेत्रफल 84.00 वर्गगज का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 623/5690, दिनांक 28.03.1999 श्री चन्द्र कान्त गर्ग पुत्र श्री पूरण चन्द गर्ग के पक्ष में जारी किया गया था। नियमितिकरण धारक श्री चन्द्र कान्त गर्ग का देहान्त दिनांक 20.11.2025 को हो जाने के कारण श्रीमती शशि प्रभा गर्ग पत्नी स्व. श्री चन्द्रकान्त गर्ग के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की रसीद स्व-हस्ताक्षरित शपथ-पत्र क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वयं व अन्य सभी उत्तराधिकारियों के पहचान के दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती शशि प्रभा गर्ग पत्नी स्व. श्री चन्द्रकान्त गर्ग पक्ष मं फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरे फ्लैट नंबर 12/L/SF/105 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा का मूल आवंटन पत्र एवं 173855 की मूल रसीद खो गई है। सूचित करें-7742834354

प्लाट नं. डी-335 श्री गणपति गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना बालसिंह विहार 8, बिन्दायका के पास, जयपुर के डुप्लीकेट असल सोसायटी आवंटन पत्र, रशीद, साईड प्लान हिस्सा राशि प्रमाण पत्र दिनांक 5.12.2025 को खो गये है। सूचित करें-विनय मीर्दा मो. 9571998996

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 619/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीमती अपरा कुच्छल निवसी 62, हरी किशन सोमानी मार्ग, हथरोई फोर्ट, अजमेर रोड जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास ''बी केयर'' (We Care) माया मेंशन जी.पी.ओ. के सामने, एम.आई. रोड जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.07.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

न्यायालय - अपर जिला न्यायाधीश नैनवां, जिला बूंदी राजस्थान 256 19/5/26
पारिवारिक प्रकरण संख्या - 41/2026
बालकृष्ण उर्फ बालकिशन आयु 62 वर्ष आत्मज श्री राधेश्याम निवासी- वार्ड नं. 10 छोटी चोहटी ग्राम नैनवां तहसील नैनवां जिला बून्दी
मो. 7737253329 ......प्रार्थी
विरुद्ध
सर्व साधारण नागरिकगण समस्त (राज.) ......अप्रार्थी
सार्वजनिक सूचना (मुश्तहरी)
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नाबालिग कृष्णांश के पिता स्व. श्री नवीन कुमार सोनी आत्मज श्री बालकृष्ण उर्फ बालकिशन एवं माता स्व. श्रीमती माधुरी सोनी पत्नी स्व. श्री नवीन कुमार सोनी एवं अनुज भाई नाबालिग स्व. विहान सोनी आयु 3 वर्ष निवासीगण वार्ड नम्बर 10 छोटी चोहटी ग्राम नैनवां तहसील नैनवां जिला बून्दी राज. का दिनांक 22.02.2026 को घटित हुई आकस्मिक दुर्घटना में स्वर्गवास हो जाने के तद्उपरान्त उसकी चल-अचल सम्पत्तियां व ज्ञात अज्ञात सम्पत्तियां एवं नाबालिग श्रेष्ठ पालन पोषण, पढ़ाई लिखाई, देखरेख उसके हितों के लिए उसके दादा श्री बालकृष्ण उर्फ बालकिशन द्वारा इस न्यायालय में नाबालिग कृष्णांश का विधिक गार्जिन नियुक्त किये जाने हेतु अन्तर्गत धारा 7, 8, 10 गार्जन एण्ड वार्डस एक्ट 1980 बाबत् नाबालिग का नियुक्त करने गार्जिन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्रार्थी श्री बालकृष्ण उर्फ बालकिशन को नाबालिग कृष्णांश का विधिक गार्जिन नियुक्त करने में आपत्ति हो तो नियम दिनांक 30.06.2026 को या इससे पूर्व न्यायालय में पेश करें अन्यथा न्यायालय द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र नियमानुसार निस्तारण कर दिया जायेगा। यह नोटिस आज दिनांक 19.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर
आज्ञानुसार - रीडर
अपर जिला न्यायाधीश
नैनवां जिला बून्दी (राज.)

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2026/1048 Date : 19-05-2026
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3484932	On Divider Opposite Appolo Pharmacy, Kalwar Road, Ward No.36, Jhotwara, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 55/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री जगपाल सिंह बाजिया अध्यक्ष/प्रन्यासी ने पंजीकृत प्रन्यास बी.आर. मेमोरियल ट्रस्ट जयपुर, 4ए, वार्ड नम्बर-1 विश्वामित्र नगर जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 54/जयपुर/2009 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-8 प्रस्तुत किया। प्रन्यास की बैठक कार्यवाही में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय के अनुसार प्रन्यास विधान में संशोधन कर संशोधित विधनतथा श्री भंवरलाल छब्बरवाल व श्री हेमन्त व्यास द्वारा त्याग पत्र दिये जाने के कारण उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा श्रीमती मंजू चौधरी को नवीन प्रन्यासी नियुक्त कर उक्त परिवर्तनों/संशोधनों को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.06.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 615/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री विजय कुमार निवासी 74 बदरवास, करणी विहार जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मास्टर दीप चंद वर्मा मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट 74 बदरवास, करणी विहार, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.07.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय विकास अधिकारी कम कार्यक्रम अधिकारी पंचायत समिति सेवर
क्रमांक : 25 दिनांक: 18.05.2026
खुली ई-निविदा संख्या 02/2026-27
पंचायत समिति सेवर एवं इसके परिक्षेत्राधीन 25 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मनरेगा व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं की निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अनुभवी एंव पंजीकृत फर्मों/संवेदकों/सप्लायरों से दिनांक 31.03.2027 तक के लिये ई-प्रोक्यूरमेंन्टप्रक्रिया से वेबसाईट www.spp.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in पर 20.05.2026 तक देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
विकास अधिकारी कम कार्यक्रम अधिकारी
पंचायत समिति सेवर
NIB NO: ZBH2627A0129
UBN NO: ....

1	मूढ़ौता	ZBH2627GLOB00190	11	इकरन	ZBH2627GLOB00203
2	फुलदारा	ZBH2627GLOB00191	12	माढौनी	ZBH2627GLOB00204
3	बासीखुर्द	ZBH2627GLOB00192	13	सुनारी	ZBH2627GLOB00205
4	झारौली	ZBH2627GLOB00193	14	घुस्थ्वरी	ZBH2627GLOB00206
5	लुधावई	ZBH2627GLOB00194	15	पार	ZBH2627GLOB00207
6	बिलौठी	ZBH2627GLOB00195	16	हथैनी	ZBH2627GLOB00208
7	जाटौली स्थबान	ZBH2627GLOB00196	17	कूम्हेर	ZBH2627GLOB00209
8	जघीना	ZBH2627GLOB00197	18	महुआ	ZBH2627GLOB00210
9	उंदरा	ZBH2627GLOB00198	19	रूँध इकरन	ZBH2627GLOB00211
10	चिकसाना	ZBH2627GLOB00199	20	खैमरा	ZBH2627GLOB00212
11	बहनेरा	ZBH2627GLOB00200	21	गॉवडी	ZBH2627GLOB00213
12	पीपला	ZBH2627GLOB00201	22	धौरमई	ZBH2627GLOB00214
13	मोराली कलां	ZBH2627GLOB00202	23	पं.स. सेवर	ZBH2627GLOB00189

विकास अधिकारी कम कार्यक्रम अधिकारी
पंचायत समिति सेवर

कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर
क्रमांकः न.पा.जो./2026–27/427 दिनांक 14.05.2026
(सार्वजनिक सूचना)
प्रारूप–5 (नियम 6(2))
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में 69 क/स्टेट ग्रान्ट/खांचा भूमि पट्टा/नामान्तरण/निमार्ण ईजाजत के तहत् निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पतीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते है। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।

69क/स्टेट ग्रान्ट पट्टा/खांचा भूमि पट्टा

क्रं. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	आसे पासे का विवरण: पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	आवासीय/व्यावसायिक	क्षेत्रफल (वर्गगज)
1	श्री जगदीश प्रसाद मोहिल पुत्र श्री नारायण लाल	वार्ड सं. 07 रैगरों का मोहल्ला जोबनेर	श्री रामाकिशन पुत्र श्री छोटूराम मौर्य की जमीन	श्री बालूराम रैगर की जमीन	श्री हुक्मा रैगर का मकान	जेबनेर कालवाड रोड	आवासीय	88.88 वर्गगज
2.	श्री अब्दुल सलीम पुत्र श्री फकीर मोहम्मद	वार्ड सं 15 पठानो का मोहल्ला जोबनेर	श्री शकील अहमद का हिस्सा	श्री मुराद खां की जमीन व गली	श्री बल्लू कुरेशी का मकान	आम रास्ता	आवासीय	117.38 वर्गगज
3.	श्री दिनेश पारीक पुत्र स्वं श्री जीवणलाल पारीक	वकीलो का मोहल्ला जोबनेर	श्री श्रवण लाल का बाडा	श्री कैलाशका मकान	श्री श्रवण लाल का मकान	आम रास्ता	आवासीय	88.88 वर्गगज
4.	श्री दिनेश पारीक पुत्र स्वं श्री जीवणलाल पारीक	वकीलो का मोहल्ला जोबनेर	सार्वजनिक चौक	श्री जगदीश चोहान का मकान	श्री गोपाल लाल, रामलाल वगैरह का मकान	आम रास्ता सडक	आवासीय	128.68 वर्गगज
5.	श्री अशोक कुमार स्वं श्री कानाराम	वार्ड नं. 17 रैगरो का मोहल्ला जोबनेर	आम रास्ता गली	श्री राजेन्द्र नोगिया का मकान	श्री नन्द किशोर जाजोरिया	रास्ता 15 फिट चौडा	आवासीय	86.88 वर्गगज
6.	श्री मूलचन्द मीणा, बाबूलाल मीणा, बजरंग लाल पुत्रान् श्री केशरलाल मीणा	वार्ड नं. 09 मीणो का मोहल्ला जोबनेर।	अन्य की जमीन	श्री रामलाल, मदन लाल, पुत्र श्री नाथूराम मीणा का भूखण्ड	ओम जी खटीक व आनन्दी लाल जी खटीक की दुकान व पुराना बाजार रास्ता	मन्दिर श्री कल्याण जी व रमेश चन्द प्रहलाद चन्द जैन का मकान	आवासीय	222.43 वर्गगज

निमार्ण ईजाजत

क्रं. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	आसे पासे का विवरण: पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	आवासीय/व्यावसायिक	क्षेत्रफल (वर्गगज)
1	श्री उस्मान गनी पुत्र श्री इमामुदीन	वार्ड नं.15 सराय मोहल्ला जोबनेर	आम रास्ता	श्री फतेह मोहम्मद पुत्र श्री कमरूदीन का मकान	चौक व आम रास्ता	श्री दौलत चन्द पाटनी की दुकान	आवासीय	52.25 वर्गगज

राज.संवाद/सी/25/3033
अधिशाषी अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
एमएसए पार्क स्ट्रीट शाखा, 7, सेठी सदन, एम. आई. रोड़, जयपुर-302001
फोन नं.: 8094018322, ई-मेल: muljai@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जैसी है जहां है'', ''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है'' के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/भौतिक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	मैसर्स नंदनी एंटरप्राईजेज जरिये प्रोपराईटर श्री ललित किशोर अग्रवाल पुत्र श्री बनवारी लाल अग्रवाल जी-2, गैलेक्सी स्टार, ए-2, सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर 302039 एवं रोहिणी नगर, वार्ड नं. 4, कचोलिया रोड़, चौमू 303702	श्री ललित किशोर अग्रवाल पुत्र श्री बनवारी लाल अग्रवाल के नाम औद्योगिक परिवर्तित भूमि खसरा नं. 36, बुक नं. 1, वोल्यूम 14, पृष्ठ नं. 178, क्रमांक 202003322100243 दिनांक 17.07.2020 को पंजीकृत जो गाँव चक धानोता, ग्राम पंचायत गोविन्दपुरा बासड़ी, तहसील शाहपुरा, जिला जयपुर 303804 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 0.92 हेक्टेयर या 9200 वर्गमीटर है। अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 81,22,026.74 दिनांक 30.11.2024 को बकाया एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	10.06.2026 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 86,13,000/- / धरोहर राशि- रूपये 8,61,300/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 10,000/-	सांकेतिक	05.06.2026 सुबह 11:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8094018322 पर संपर्क कर सकते है।

(अवशेष मिश्रा)
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा
दिनांक: 19.05.2026
स्थान: जयपुर

संक्षिप्त

'महासभा आपके द्वार' कार्यक्रम आज

निवाई। रैगर महासभा के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के नेतृत्व में महासभा आपके द्वार कार्यक्रम का पंचम चरण 20 मई को सुबह 10 बजे मालपुरा के गांव गरजेडा से शुभारंभ होगा। जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगड़ी ने बताया कि महासभा आपके द्वार कार्यक्रम में 25 मई तक मालपुरा के 15 एवं पीपलू के 22 गाँवों में समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिसमें फिजूलखर्ची रोकने के लिए विभिन्न कुरुतियों को बंद करने, संस्कारयुक्त एवं तकनीकी शिक्षा का प्रचार प्रसार, ग्रामवार इकाई का गठन करने, महासभा को मजबूत करने के लिए नवीन सदस्य बनाने, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने एवं समाज मे नशाखोरी को बंद करने के लिए समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा।

बबलेश बने प्रदेश उपाध्यक्ष

निवाई। अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया जिसमें सर्वसम्मति से समाजसेवी एवं सक्रिय कार्यकर्ता बबलेश विजयवर्गीय नटवाड़ा को संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष क पद पर नियुक्त किया गया है। समाज अध्यक्ष जितेंद्र विजय ने बताया विजयवर्गीय वैश्य महासभा प्रदेशाध्यक्ष डीपी विजयवर्गीय द्वारा घोषित कार्यकारिणी में बबलेश विजयवर्गीय को यह दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर कन्हैयालाल विजय, केदार विजय, रामनिवास विजय, नाथूलाल विजय, मुकेश ,रामपाल विजय, मोहन विजय, रामदयाल मूंडिया, रामकल्याण विजय, शिवराज विजय व मनीष विजय सहित प्रदेशभर के समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

टीबी जांच शिविर आयोजित

भरतपुर। टीबी मुक्त राजस्थान अभियान के अंतर्गत डीग जिले के उच्च जोखिम के गांव सामई के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर मंगलवार को टीबी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 341 लोगों की स्क्रीनिंग की जाकर टीवी के लक्षणों के आधार पर पहचान कर 110 लोगों के एक्स-रे किए गए।जिनमें से 9 लोगों को सी बी नाट जांच के लिए राजकीय जिला चिकित्सालय डीग रैफर किया गया।डॉ राम अवतार शर्मा ने बताया है कि टीवी मुक्त राजस्थान अभियान की 100 दिवसीय विशेष कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में टीबी के मरीजों की जल्द पहचान करना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है।

अधिक मास में पूजा-अर्चना की

लालसोट। अधिक मास के पावन अवसर पर नगरपरिषद क्षेत्र के वार्ड 32 स्थित लांबा पाड़ा में विराजमान गरीबों के गिरधारी महाराज मंदिर में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंदिर परिसर सुबह से ही जय श्री राधे, जय श्री कृष्ण के जयकारों से गुंजायमान हो रहा है। महिलाएं भजन-कीर्तन एवं पूजा-अर्चना कर भगवान विष्णु की आराधना में लीन नजर आ रही हैं। भक्त नीरु चौबे, मोहन एमडी एवं फुलचंद कालाका ने बताया कि गरीबों के गिरधारी महाराज मंदिर करीब 1000 वर्ष पुराना प्राचीन मंदिर है, जो अपनी चमत्कारी मान्यताओं के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है।

संसदीय मंत्री पटेल आज पावटा में

कोटपूतली। संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य तथा न्याय विभाग के मंत्री जोगाराम पटेल आज पावटा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री पटेल प्रात: 11 बजे न्यायालय परिसर पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ पहुंचेंगे। दौरे के दौरान मंत्री जोगाराम पटेल अभिभाषक संघ पावटा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे। साथ ही वे नव निर्मित अभिभाषक संघ कार्यालय के लोकार्पण समारोह में भी सम्मिलित होंगे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई कल

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिले में प्रत्येक माह के तीसरे गुरुवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में 21 मई 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रात: 11:00 बजे से आयोजित की जाएगी।

रामरसिया व हरिकीर्तन लोक आस्था और संस्कृति के संवाहक : गृह राज्यमंत्री बेढ़म

भरतपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम ने मंगवार को जिले के बयाना उपखंड के ग्राम रसेरी में आयोजित विशाल हरिकीर्तन एवं रामरसिया दंगल समारोह में शिरकत कर समारोह को सम्बोधित किया।

गृह राज्यमंत्री ने कहा कि लोकआस्था, संस्कृति और ग्रामीण आत्मीयता के दर्शन ऐसे समारोह में होता है। उन्होंने कहा कि हरिकीर्तन एवं रामर्सिया हमारी लोक संस्कृति के संवाहक है। पुरुषोत्तम माह में ऐसे आयोजनों का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि रामरसिया के आयोजन से समाज में सनातन परम्पराओं का। प्रसार होकर युवाओं को जानकारी भी मिलती है। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है पात्र व्यक्ति अधिक से अधिक लाभ लेकर अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने ग्रामीण विकास, किसान एवं पशुपालकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं से समाज मे आये बदलाव को सुखद बताते हुए कहा कि किसान आधुनिक खेती अपनाकर आमदनी दुगनी करे तथा बुवाई से लेकर विपणन तक वैज्ञानिक तकनीकी अपनाए इसके लिए अनेक अनुदान योजनाएं

गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम ने बयाना उपखंड के ग्राम रसेरी में हरिकीर्तन एवं रामरसिया दंगल समारोह को सम्बोधित किया।

- उन्होंने कहा कि रामरसिया के आयोजन से समाज में सनातन परम्पराओं का। प्रसार होकर युवाओं को जानकारी भी मिलती है

चलाओ जा रही है। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं उपस्थित जनसमुदाय द्वारा घोड़े पर बैठाकर पुष्पवर्षा के साथ गृह राज्यमंत्री का आत्मीय से स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि जनता का यह स्नेह, विश्वास और अपनापन ही जनसेवा की वास्तविक प्रेरणा है। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व ग्रामीण उपस्थित रहे।

चिकित्सकों का सम्मान

चाकसू। विश्व परिवार डॉक्टर दिवस के अवसर पर उप जिला अस्पताल चाकसू में चिकित्सकों के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विरासत संरक्षण धर्मार्थ ट्रस्ट राजस्थान अध्यक्ष सज्जन कंवर खारिया और अपर लोक अभियोजक एवं राजकीय अधिवक्ता अर्जुन सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अस्पताल में उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ का सम्मान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टर न केवल उपचार करते हैं, बल्कि मरीजों के जीवन रक्षक के रूप में समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उप जिला अस्पताल प्रभारी डॉ ऋतुराज मीणा सहित डॉ गोविंद शर्मा, डॉ शंकर प्रजापत, डॉ संजय मीणा, डॉ हंसराज मीणा, डॉ शिवानी जैन, नर्सिंग अधिकारी पवन शर्मा, सीताराम गुर्जर, शिवराज गुर्जर, सत्यनारायण सैनी, यतेंद्र शर्मा व शुभम शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

सिंधी समाज के आध्यात्मिक गुरू साईं साधराम साहिब ब्रह्मलीन

किशनगढ़ बास। हिन्द सिंध के संतराम धाम पूज्य राहड़की साहिब के नवम पीठाधीश्वर साईं साधराम साहिब के ब्रह्मलीन होने की खबर से किशनगढ़ बास सहित पूरे सिंधी समाज में शोक की लहर दौड़ गई। शोक स्वरूप रविवार को समाज के लोगों ने स्वेच्छा से प्रतिष्ठान बंद रखे और संतकवर राम सिंधी गुरुद्वारा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर नम आंखों से अपने गुरु को नमन किया। महिलाओं-पुरुषों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत संत की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की।

- रहारकी साहिब के 'हाज़िर स्वरूप' के निधन पर बंद रहीं दुकानें, संतकवर राम सिंधी गुरुद्वारा में श्रद्धांजलि सभा

लोगों ने गुरुद्वारा में श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर गुरु को नमन किया।

25 अक्टूबर 1963 को रहारकी साहिब, सिंध, पाकिस्तान में जन्मे साईं साधराम साहिब बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और आध्यात्मिक संस्कारों से संपन्न थे। पिता परम पूज्य संत साईं भगवानदास साहिब और दादा महान सूफी संत शहंशाह साईं सतराम दास साहिब की परंपरा में पले-बढ़े। उच्च शिक्षा के बाद शानदार कॉर्पोरेट करियर की शुरुआत की, लेकिन तत्कालीन गद्दीनशीन संत साईं कन्हैयालाल साहिब की आज्ञा को सर्वोपरि मानकर सांसारिक सुख त्याग दिए।

'कांग्रेस अनावश्यक लॉक डाउन का भ्रम फैला रही'

दौसा। भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला ने कहा दौसा जिले में गैस, पेट्रोल एवं डीजल का कोई संकट नहीं है कांग्रेस केवल राजनीति करने की कोशिश कर रही है।

इस प्रकार की हल्के स्तर की राजनीति करना उचित नहीं है।कांग्रेस अच्छी तरह जानती है कि वर्तमान में गल्फ देशों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और वहां युद्ध जैसे हालात हैं। उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार देशहित में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। हार्मुज मार्ग से आज भी भारतीय पोत सुरक्षित आ-जा रहे हैं और आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार लगातार सक्रिय है। कांग्रेस को बेवजह भ्रम फैलाने एवं आम जनता को डराने के बजाय सरकार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए।

कैंसर बचाव अभियान के तहत नि:शुल्क एचपीवी टीका लगा

पावटा। विराटनगर क्षेत्र के मेड सीएचसी में चल रहा एचपीवी टीकाकरण अभियान अब ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता की नई मिसाल बनता जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत अब तक 65 बालिकाओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया जा चुका है। मंगलवार को भी दो बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। ग्रामीण क्षेत्र में अभिभावकों का इस अभियान के प्रति बढ़ता विश्वास और जागरूकता साफ दिखाई दे रही है। परिजन अपनी बेटियों को भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए स्वयं आगे आकर टीकाकरण करवा रहे हैं। यही कारण है कि मेड सीएचसी, विराटनगर ब्लॉक में एचपीवी टीकाकरण अभियान में सबसे आगे बना हुआ है।

सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर मुकेश लाम्बा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार गांव-गांव जाकर लोगों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में जागरूक कर रही है। स्वास्थ्यकर्मी अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण की आवश्यकता समझा रहे हैं।

बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई ।

सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डॉ. महेंद्र शर्मा ने बताया कि बाजार में एचपीवी वैक्सीन की कीमत करीब 4 से 5 हजार रुपये तक होती है, लेकिन सरकार की जनहितकारी पहल के तहत मेड सीएचसी में यह टीका पूरी तरह निशुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक बालिकाओं को इस सुविधा का लाभ दिलाकर उन्हें भविष्य की गंभीर बीमारी से सुरक्षित किया जा सकता है।

टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में एएनएम मौसम देवी, संजू मीना, संतोष शर्मा, हेमलता शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय भूमिका निभा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में यह अभियान एक सकारात्मक पहल साबित हो रहा है।

बस स्टैंड पर छाया, पानी व सुलभ शौचालय न होने से परेशान

पावटा। एक ओर भीषण गर्मी में आमजन का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं दूसरी ओर पावटा बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल रहा है। रोजाना सैकड़ों यात्री, महिलाएं, बुजुर्ग, स्कूली छात्र और ग्रामीण तेज धूप में बसों का इंतजार करने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में बैठकर व्यवस्थाओं के दावे करने में व्यस्त हैं।

बस स्टैंड पर ना पर्याप्त छाया की व्यवस्था है, ना ठंडे पेयजल की सुविधा, ना बैठने के लिए उचित इंतजाम वही सबसे बड़ी समस्या यह है कि यात्रियों के लिए सुलभ शौचालय जैसी आवश्यक सुविधा भी बदहाल या नदारद बनी हुई है। महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार पालिका प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिले। हालत यह है कि तपती दोपहर में यात्री खुले आसमान के नीचे खड़े रहने को मजबूर हैं।

गर्म हवाओं और तेज धूप के बीच बस स्टैंड पर इंसानी सुविधाओं का अभाव प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये विकास के नाम पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन आमजन की सबसे जरूरी सुविधाएं आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। बस स्टैंड जैसी सार्वजनिक जगह पर यदि छाया, पानी और सुलभ शौचालय तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे, तो यह सीधे तौर पर जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्थाएं नहीं सुधारी गईं तो आमजन आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन एसी कमरों से बाहर निकलकर यात्रियों की पीड़ा समझता है या फिर शिकायतें यूं ही फाइलों में दबकर रह जाएंगी। भीषण गर्मी में बस स्टैंड की बदहाल स्थिति अब प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है।

आमजन का कहना है कि शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होना प्रशासन की कुंभकर्णी नींद को दर्शाता है। लोगों ने जल्द से जल्द छाया, पानी और बैठने की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में संचालित विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कर कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए।

- बैठक में जल सेवा आंकलन, प्रशासन एवं ग्राम पंचायतों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर चर्चा कीं

बैठक में जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों तथा एफएचटीसी की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने हर घर जल प्रमाणीकरण कार्य में तेजी लाने तथा पूर्ण जल योजनाओं का पंचायत राज विभाग एवं वीडब्ल्यूएससी के माध्यम से सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक ली।

गर्मी के मौसम को देखते हुए समर कंटीजेंसी प्लान, जल परिवहन व्यवस्था, ट्यूबवेल एवं हैंडपंप निर्माण कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने आमजन को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जल सेवा आंकलन, प्रशासन एवं ग्राम पंचायतों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए जल जीवन मिशन पोर्टल पर सभी आंकड़ों का नियमित अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिला तकनीकी इकाई (डीटीयू) के गठन एवं उसकी भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सोर्स सस्टेनेबिलिटी प्लान के अंतर्गत वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर की प्लानिंग को लेकर पंचायतीराज एवं वाटरशेड विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्य संस्थानों में नल द्वारा जल सुविधा उपलब्ध करवाने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

10 दिवसीय समर कैंप शुरू

खैरथल। गर्मी की छुट्टियों में मोबाइल-टीवी से चिपके रहने का जमाना गया। अब समय है खुद को तराशने, नया सीखने और अपने टैलेंट को दुनिया के सामने लाने का। इसी सोच के साथ इंजीनियर पॉइंट स्कूल खैरथल ने 18 मई से 10 दिवसीय समर कैंप शुरू किया है, जिसका शुभारंभ एचडीएफसी बैंक मैनेजर रूपेश गुप्ता ने दीप प्रज्वलित करके किया। विद्यालय निदेशक आजाद चौधरी ने बताया कि 18 मई से शुरू हुआ यह कैंप रोजाना सुबह 8 से 11 बजे तक चलेगा।

यहां क्लास में बैठकर नहीं, बल्कि खेल-खेल में हुनर सिखाया जाएगा। क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, फुटबॉल, शतरंज और एथलेटिक्स से बच्चों का शरीर फौलादी बनेगा तो कुकिंग, ड्राइंग, म्यूजिक, आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, अबेकस, इंग्लिश स्पीकिंग और हैंडराइटिंग इम्प्रूवमेंट से दिमाग शार्प होगा।

यह कैंप सिर्फ टाइमपास नहीं, खुद को खोजने का मौका है। शर्माने वाला बच्चा यहां मंच पर डांस करेगा। अटक-अटक कर बोलने वाला इंग्लिश में फर्राटेदार बात करेगा।

सार-समाचार

विधायक रामबिलास मीणा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

लालसोट। रामबिलास मीणा ने जयपुर में भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर लालसोट क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान विधायक मीणा ने लालसोट क्षेत्र में सड़क, पेयजल, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को लेकर आवश्यक प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। साथ ही क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति दिलाने एवं नई योजनाओं को गति देने की मांग की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। विधायक रामबिलास मीणा ने कहा कि लालसोट के सर्वांगीण विकास एवं आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 55 रोगियों के आंखों की जांच की

निवाई। राजस्थान जैन महासभा के तत्वावधान मे श्री महावीर जनोपयोगी भवन में अंधता नियंत्रण समिति के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 55 मरीजों की नि:शुल्क जांच कर 14 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चयन कर नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण कराया गया। राजस्थान जैन महासभा के कोषाध्यक्ष विमल जौंला ने बताया कि शिविर में दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा, अग्रवाल युवा परिषद अध्यक्ष सुनिल भाणजा, ज्ञानचंद सोगाणी, त्रिलोकचंद सिरस, महावीरप्रसाद छाबड़ा, सीताराम स्वामी, मनोज पाटनी सहित योगेश मुक बधिर विद्यालय एवं राजस्थान जैन महासभा के पदाधिकारियों ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। राजस्थान जैन सभा के प्रचार प्रसार मंत्री हितेश छाबड़ा ने बताया कि नेत्र चिकित्सा शिविर में शंकरा आई हास्पिटल जयपुर के एक्सपर्ट विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा आंखों के मरीजों की जांच कर परामर्श दिया गया एवं नि:शुल्क आपरेशन करके दवाईयां एवं चश्मा वितरण किया जाएगा। शिविर में नेत्र रोगियों को आंखों की सुरक्षा हेतु धूप, धूल मिट्टी, पानी व धुंआ से बचाव के निर्देश दिए गए और आपरेशन की हुई आंख को मसलना एवं किसी भी प्रकार का झटका देना आंख को नुकसान पहुंचा सकता है। इस दौरान सभी मरीजों को अपने आसपास के जरुरत मंद मरीजों को अगले केम्प में निशुल्क आपरेशन हेतु प्रेरित किया गया।

पहाड़ी वाले पीर बाबा का मेला आयोजित

कोटपूतली। प्रतिवर्ष की भांति निकटवर्ती ग्राम भालोजी स्थित श्री पहाड़ी वाले पीर बाबा का विशाल मेले व भण्डारे का आयोजन मंगलवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें नरदेव बेनीवाल, मनोज चौधरी, संजना चौधरी, सोनू शर्मा, भावना भाटी आदि कलाकारों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। वहीं विषाल भण्डारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालूओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर आयोजित भव्य मेले में महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीददारी की। सरपंच कृष्ण कुमार व डॉ. महेन्द्र चंदेला ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पहाड़ी वाले पीर बाबा के मेले में हजारों की संख्या में भक्तों ने पीर बाबा के दर्शन कर मन्नते मांगी व प्रसादी प्राप्त की। संचालन एड. राजेश यादव ने किया। इस दौरान सत्यवीर मीणा, विक्रम रावत, एड. मनोज चौधरी, एड. सीताराम गुर्जर, दीपक गुर्जर, हनुमान मीणा, सांवलराम गुरुजी, एड. दिनेश अग्रवाल, सींगाराम पंच, विषम्भर यादव, एड. बदलूराम, एड. सत्यवीर गुर्जर, गोकुल मैनेजर, धोलाराम यादव, सुरेंद्र, मनोज, अखिलेश यादव, अशोक, सुलतान, बदलू जाट, विशम्बर यादव, हेमाराम यादव, गुलझारी लाल समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

'घर-घर पहुंचकर लिया जा रहा सिटीजन फीडबैक'

पावटा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सिटीजन फीडबैक प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद अब पालिका प्रशासन शहरवासियों से सीधे जुड़कर स्वच्छता को लेकर उनकी राय ले रहा है। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसे घर-घर जाकर अधिक से अधिक नागरिकों से क्यूआर कोड स्कैन करवाकर सिटीजन फीडबैक दर्ज कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पालिका के कनिष्ठ अभियंता एवं स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के नोडल अधिकारी अनिल जोनवाल ने बताया कि मंत्रालय द्वारा जारी क्यूआर कोड को स्कैन करने पर नागरिकों से स्वच्छता व्यवस्था से जुड़े 13 महत्वपूर्ण सवाल पूछे जा रहे हैं। आमजन इन सवालों के जवाब भरकर और मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर आसानी से अपना फीडबैक दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर निकाय की रैंकिंग तय करने में सिटीजन फीडबैक की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। जितनी अधिक संख्या में शहरवासी फीडबैक दर्ज करेंगे, उतना ही पालिका की रैंकिंग और अंक बेहतर होंगे। वर्तमान में 500 से अधिक नागरिक अपना फीडबैक दर्ज करवा चुके हैं।

पूर्व विधायक ने दिव्यांग सरदार मीणा को स्कूटी भेंट की

चौमूं / कालाडेरा। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मालेरा (जाटावाली) निवासी दिव्यांग सरदार मीणा को उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से सोमवार देर शाम भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के जनसहयोग से एक स्कूटी भेंट की। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का उपस्थित लोगो ने माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। शारीरिक दिव्यांगता के चलते सरदार मीणा को चलने-फिरने और अपनी रोज़मर्रा की दिनचर्या के कार्यों को पूरा करने में लंबे समय से भारी परेशानियों और असहनीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या की जानकारी मिलने पर रामलाल शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत उन्हें स्कूटी उपलब्ध करवाई। पूर्व विधायक शर्मा ने दिव्यांग सरदार मीणा को माला साफा पहनाकर सम्मान करते हुए स्कूटी भेंट की। सेवा कार्य के दौरान भाजपा कार्यालय प्रभारी महामंत्री जमन लाल सैनी, महामंत्री महेश योगी, संतु खारवाल, मानप्रकाश मीणा, सुरेंद्र मीणा और सरदार जाट सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हम चाहते हैं कि वह वही बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ी बनें, जो वह हमेशा से रहे हैं। टेस्ट टीम में उनकी जगह को लेकर कोई चिंता नहीं है वह हमारी बल्लेबाजी लाइनअप के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक हैं। - अजीत अगरकर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, रिषभ पंत के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — विराट कोहली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपने करियर को लेकर एक बेहद निजी और भावुक खुलासा किया है। दुनिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल होने के बावजूद कोहली ने माना कि वह लंबे समय तक इम्पोस्टर सिंड्रोम यानी खुद की क्षमता पर शक करने वाली मानसिक स्थिति से जूझते रहे। बेंगलुरु में आयोजित आरसीबी इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट पावर्ड बाय लीडर्स के दौरान कोहली ने बताया कि कप्तानी का लगातार दबाव उन्हें मानसिक रूप से थका चुका था। उन्होंने कहा कि तीनों फॉर्मेट की जिम्मेदारी निभाते-निभाते वह पूरी तरह मेंटली ड्रेन हो गए थे।

क्या आप जानते हैं ?... नीरज चौपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर भाला फेंककर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। यह पहली बार था जब किसी भारतीय एथलीट ने भाला फेंक में 90 मीटर का आंकड़ा पार किया।

3 मैच हारने के बाद जीती राजस्थान

लखनऊ को 7 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने 93 रन बनाए, जुरेल का अर्धशतक

जयपुर, 19 मई। आईपीएल में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 220 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 7 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। कप्तान यशस्वी जायसवाल ने भी शानदार शुरुआत दिलाते हुए 23 गेंदों में 43 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 75 रन की तेज साझेदारी हुई। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभालते हुए नाबाद 53 रन बनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया। डोनोवन फरेरा ने भी अंत में 10 गेंदों में 16 रन की उपयोगी पारी खेली। लखनऊ की गेंदबाजी पूरी तरह बेअसर नजर आई। आकाश सिंह सबसे महंगे साबित हुए, जिन्होंने 3 ओवर में 54 रन दिए। मोहसिन खान और आकाश सिंह को एक-एक विकेट मिला। लखनऊ के लिए मिचेल मार्श शतक से सिर्फ 4 रन दूर रह गए और 57 गेंदों में 96 रन बनाकर रन आउट हुए। उनकी पारी में 11 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। जोश इंग्लिस ने 29 गेंदों में 60 रन ठोके। उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। इंग्लिस और मार्श के बीच पहले विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी हुई। निकोलस पूरन ने 11 गेंदों में 16 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 23 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। आखिरी ओवरों में लगातार रन आउट के कारण लखनऊ की टीम 230 के पार नहीं पहुंच सकी। राजस्थान की ओर से यश राज पुंजा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर को एक विकेट मिला। वहीं, लखनऊ के दो बल्लेबाज रन आउट हुए।

भारत-श्रीलंका के बीच अगस्त में खेले जाएंगे 2 टेस्ट मैच

नई दिल्ली, 19 मई। भारत और श्रीलंका के बीच अगस्त में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इस सीरीज के लिए 15 से 27 अगस्त के बीच की विंडो तय की है।

श्रीलंका क्रिकेट और बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, इस शेड्यूल की जानकारी भारतीय टीम समेत सभी संबंधित पक्षों को दे दी गई है। यह टेस्ट सीरीज लंका प्रीमियर लीग के बाद खेली जाएगी, जिसका फाइनल 9 अगस्त को होना है। वहीं, दौरे में प्रस्तावित 3 मैचों की टी-20 सीरीज को लेकर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

श्रीलंका क्रिकेट में अंतरिम कमेटी का गठन सचिव देवजीत सैकिया इस समय के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में श्रीलंका के दौरे पर हैं। वे वहां श्रीलंका क्रिकेट की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने गए हैं, जिसे हाल ही में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने भंग कर दिया गया था। सरकार ने इसके बाद एक अंतरिम संस्था का गठन किया है, जिसे श्रीलंका क्रिकेट ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नाम दिया गया है।

टी-20 मैचों के आयोजन में शेड्यूल की चुनौती श्रीलंका दौरे पर सैकिया की मुलाकात के दौरान ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सदस्य टी-20 सीरीज का मुद्दा उनके सामने उठा सकते हैं। इन 3 टी-20 मैचों को पिछले साल नवंबर में आए चक्रवात दित्वह के पीड़ितों के लिए फंड जुटाने के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया था। लेकिन भारतीय टीम के लिए सितंबर का महीना बेहद व्यस्त होने के कारण इस सीरीज के लिए विंडो निकालना एक बड़ी चुनौती होगी।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 19 मई। अंडर -16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 234 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाए। आयुष चौधरी ने 109 और अंशु ने 78 रनों

का योगदान दिया। दोनों बल्लेबाज नाबाद रहे। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से लक्ष्य और अनीश ने 1-1 विकेट लिया । लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी 31 ओवर में 132 रन पर ऑल आउट हो गई। मोनित बिश्नोई ने सर्वाधिक चौहान 54 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से हर्षित और यशवंत सिंह ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आयुष चौधरी को चुना गया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर सवाई माधोपुर फोन-07462-233169

email- eemhswm@gmail.com

क्रमांक- 262 **ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 02/2026-27** दिनांक-14.05.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के जिला बूंदी व सवाई माधोपुर मं विभिन्न स्थानों पर रू. 230.76 लाख के 6 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य/मरम्मत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकां, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकां के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. NRH2627WSOB00241, NRH2627WSOB00242, NRH2627WSOB00243, NRH2627WSOB00244, NRH2627WSOB00245, NRH2627WSOB00246

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड सवाई माधोपुर

DIPR/C/8646/2026

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/55 - 57 Date :- 15/05/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 13/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 290.26 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	16.05.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 10.06.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	16.05.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 10.06.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	11.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur**, **www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00047

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/26/3088

मानव सुथार अफगानिस्तान के विरुद्ध भारतीय टेस्ट टीम में शामिल

12 वर्ष बाद राजस्थान के खिलाड़ी का भारतीय टेस्ट टीम में चयन

जयपुर, 19 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव व समस्त एडहॉक कमेटी ने राजस्थान के आल राउंडरमानव सुथार को बीसीसीआई सीनियर चयन कमेटी द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के विरूद्ध आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चयनित किये जाने का स्वागत किया है व एडहॉक कमेटी व समस्त राजस्थान क्रिकेट जगत की तरफ से उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। मानव सुथार से पूर्व राजस्थान के टेस्ट प्लेयर 1 सलीम दुर्रानी (1959 -60 1972 -73) में 29 टेस्ट खेल जिसमे 1202 रन व 75 विकेट, 2 हनुमंत सिंह (1963 -64 1969 - 1970) में 14 टेस्ट खेले जिसमे 686 रन, 3) पार्थसारथी शर्मा (1974 -75 1976 -77) जिसमे 5 टेस्ट 187 रन।, 4) पंकज सिंह 2014 -15) 2 टेस्ट -2 विकेट प्राप्त किये। भारत - अफगानिस्तान टेस्ट सीरीज का पहला मैच 6 जून 2026 से मुल्लांपुर में खेला जायेगा।

यूनाइटेड रेजिडेंशियल एकेडमी के स्टूडेंट जेजील्स लिंडेम को पुर्तगाल में होने वाले इबर क 2026 में हिस्सा लेने के लिए चुना गया

जयपुर, 19 मई। राजस्थान, 19 मई, 2026- राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल एकेडमी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेघालय, नॉर्थईस्ट से एकेडमी के अंडर-14 स्टूडेंट जेज़ील्स लिंडेम को पुर्तगाल में होने वाले मशहूर इबर कपएक इंटरनेशनल यूथ फुटबॉल टूर्नामेंट में रिन्टिह एफसी, मेघालय को रिप्रेजेंट करने के लिए चुना गया है। यह टूर्नामेंट 29 जून से 5 जुलाई, 2026 तक होगा, और ओपनिंग सेरेमनी 30 जून, 2026 को लिस्बन शहर में एसएल बेनफिका के होम स्टेडियम, मशहूर एस्टाडियो दा लूज़ में होगी। मेन मैच और टूर्नामेंट इवेंट्स लिस्बन के ठीक बाहर बसे तटीय शहरों केसेस और एस्टोरिल में होस्ट किए जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले

सभी रजिस्ट्रेशन और तैयारी फॉर्मैलिटीज़ सफलतापूर्वक पूरी होने के साथ, पार्टिसिपेशन फिटनेसी कन्फर्म हो गया है। इबर कप को दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेशनल यूथ फुटबॉल टूर्नामेंट में से एक माना जाता है, जो दुनिया भर के अलग-अलग देशों की टीमों और युवा फुटबॉलर्स को एक साथ लाता है। हर साल, 80,000 से ज़्यादा खिलाड़ी रजिस्टर करते हैं और कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेते हैं, जिससे यह उभरे हुए फुटबॉल प्रतियोगिताओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन जाता है। बहुत मशहूर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए जेज़ील्स का चुना जाना राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल एकेडमी के लिए गर्व का पल है और यह एकेडमी के युवा फुटबॉलर्स को सबसे बड़े लेवल पर डेवलप करने और सपोर्ट करने के लिए लगातार डेडिकेशन को दिखाता है। डायरेक्टरी के.के. टाक ने इस शानदार अचीवमेंट पर जेज़ील्स को दिल से बधाई दी।

मुंबई को कोलकाता मैच से पहले लगा झटका, दो धुरंधर 2026 से बाहर

नई दिल्ली, 19 मई। आईपीएल 2026प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को आखिरी मैचों से पहले झटका लगा है। उसके दो खिलाड़ी चोटों की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मुंबई इंडियंस ने बताया कि विकेटकीपर बल्लेबाजक्विंटन डिकॉकऔर युवा ऑलराउंडरराज अंगद बावाअब आईपीएल 2026 में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मुंबई के अभी आईपीएल में दो मैच बचे हुए हैं। इनमें से कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होना है तो दूसरा राजस्थान रॉयल्स के साथ है। मुंबई ने बताया कि डिकॉक को बाएं हाथ की कलाई में चोट आई है तो बावा को दाएं अंगूठे में लिगामेंट टियर के चलते बाहर जाना पड़ा।

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक / न.नि.भ. / जन0स्वा0 / 2026-27 / 3400 दिनांक :- 14.05.2026

ई-निविदा सूचना-

नगर निगम, भरतपुर द्वारा संचालित इकरन एवं सुभाष नगर लोहागढ़ नंदीशाला, कांजी हाऊस पर गौवंश हेतु हरा/सूखा चारा सप्लाई कार्य कराये जाने हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की महत्वपूर्ण शर्तें एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

कार्यों की संख्या	01 कार्य
कार्यों की कुल लागत	3.00 करोड़
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से निविदा डाउनलोड करने की समय व तिथि	दिनांक 20.05.2026 से 10.06.2026 तक एवं सायं 6.00 बजे
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम समय व तिथि	दिनांक 10.06.2026 सायं 6.00 बजे
नगर निगम में प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क	दिनांक 11.06.2026 दोपहर 12.00 बजे,
धरोहर राशि की यू.टी.आर. रसीद भौतिक रूप से जमा कराने की तिथि	कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
तकनीकी निविदा खोलने की समय व तिथि	दिनांक 11.06.2026 सायं 4.00 बजे, नगर निगम, भरतपुर

UBN No. DLB2627WSOB04927

आयुक्त
नगर निगम, भरतपुर

राज.संवाद / सी / 26 / 3119

बांग्लादेश सिलहट टेस्ट जीत से 3 विकेट दूर

तैजुल ने 4 विकेट झटके, रिजवान 75 रन बनाकर नाबाद, कप्तान शान मसूद की फिफ्टी

नई दिल्ली, 19 मई। सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश जीत से सिर्फ 3 विकेट दूर है। 437 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तान ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 316 रन पर 7 विकेट गंवा दिए हैं। टीम को जीत के लिए अभी भी 121 रन बनाने हैं।

पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद 71 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने बाबर आजम (47 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। इसके बाद 30 रन के अंदर 3 विकेट गिर गए। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 75 रन पर नाबाद हैं, जबकि साजिद खान 8 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।

पाकिस्तान 162 रन पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बाद रिजवान और सलमान आगा के बीच छठवें विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी हुई। स्पिनर तैजुल ने सलमान को 71 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने हसन अली को भी शून्य पर नजमुल हुसैन

शांतो के हाथों कैच आउट कराया।

तैजुल ने 4 विकेट लिए: लेफ्ट आर्म स्पिनर तैजुल इस्लाम ने 4 विकेट झटके। उन्होंने मसूद, बाबर, आगा और हसन अली को पवेलियन भेजा। पेसर नाहिद राणा ने भी 2 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज को 1 विकेट मिला। बांग्लादेश दूसरी पारी में 390 पर ऑलआउट: मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। मुशफिकुर ने 137 रन की शतकीय पारी खेली। महमूदुल हसन जॉय (52 रन) और लिटन दास (69 रन) ने हाफ सेंचुरी लगाई। पाकिस्तान के लिए खुर्रम शहजाद ने 4-4 विकेट लिए। बांग्लादेश ने पहली पारी में 278 रन बनाए थे, जबकि पाकिस्तान 232 रन ही बना सका था।

प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग प्रारंभ, जिंक और एमएसआर की विजयी शुरुआत

जयपुर, 19 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड पर प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग का शुभारंभ संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत एवं महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टॉक ने किया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान फुटबॉल इतिहास में पहली बार महिला फुटबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फुटबॉल संघ प्रदेश में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा महिलाओं की फुटबॉल में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इस लीग की शुरुआत की गई है। प्रतियोगिता में राज्य के पांच पेशेवर क्लब - जिंक फुटबॉल एकेडमी, जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब, रॉयल फुटबॉल क्लब, मगन सिंह राजवी फुटबॉल एकेडमी, और रियल जयपुर फुटबॉल क्लब, हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन दिवस पर दो मुकाबले खेले गए। प्रथम मैच सुबह में मगन सिंह राजवी फुटबॉल एकेडमी ने रियल जयपुर

फुटबॉल क्लब को 3-0 से हराकर विजयी शुरुआत की। एमएसआर की ओर से हंसा ने 38वें मिनट, मंजू ने 42वें मिनट तथा संजू ने 76वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। द्वितीय मैच शाम को जिंक फुटबॉल एकेडमी ने जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब को 3-0 से पराजित किया। जिंक की ओर से मोना ने दो गोल (32वें एवं 90 2 मिनट) किए, जबकि डांगी मारडी ने 45 2 मिनट में एक गोल दागा। मैचों में अमर सिंह ने मैच कमिश्नर की भूमिका निभाई, जबकि जावेद, पवन, आसिफ और नंदनी ने निर्णायक की जिम्मेदारी संभाली।

Email.: eeelecljpr@rajasthan.gov.in, eepwdeljpr@gmail.com

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRIC DIVISION-I, JAIPUR

File No.... Date:

Notice Inviting Bid-4/2026-27

Bids for Electric work 1. Rate Contract for various Electrical work including repair and maintenance etc. under the Jurisdiction of PWD Electrical Sub Division-VII, Jaipur and other area, Jaipur. 2. Rate Contract for hiring of Temporary Public Address System work on unplanned events under the Jurisdiction of Electric Division-I, PWD, Jaipur. 3. Maintenance of Desert Coolers at ACB Office, Jhalana Doongri, Jaipur. 4. AMC of Substation and Transformer at Directorate Gopalan, Jaipur 5. AMC of VRV Air Conditioning System, AC and water cooler at Directorate Gopalan. Jaipur. 6. All in all comprehensive maintenance of DG Set at PWD Campus, Jaipur. 7. Annual Operation and Maintenance of Booster Pump at PWD Campus, Jaipur. 8. All in all, comprehensive Maintenance of Air Cooling Plant at PWD Campus, Jaipur. 9. Providing and Fixing Desert Coolers at PWD Campus, Jaipur. 10. Providing Operator for Conference System of Meeting Hall PWD Campus, Jaipur. 11. All in all, Comprehensive Maintenance of the Passenger Elevator at PWD Campus, Jaipur. 12. All in all, Comprehensive Maintenance of RO and Water Cooler at PWD Campus, Jaipur. 13. Annual Maintenance and Repair of Air Conditioners at PWD Campus, Jaipur.14. All in all Comprehensive Maintenance of 13 Passenger Elevator at Collectorate, Jaipur. 15. All in all, comprehensive maintenance of 8 Passenger Elevator at Stamp and Registration building collectorate, Jaipur. 16. All in all comprehensive maintenance of Lift at Mini Secretariat, Jaipur. 17. All in all comprehensive maintenance and operation of Booster Pump at Collecroate and Mini Secretariat, Jaipur. 18. Annual Maintenance contract of Substation and DG Sets at Lok Bhawan, Jaipur. 19. Annual Maintenance contract of Substation and DG Sets at Chief Minister Bunglow, Jaipur. 20. Annual maintenance and Operation of Window/Split Air Conditioner & Air Conditioning Plant Banquet Hall & Office at Lok Bhawan Jaipur. 21. All in all comprehensive Maintenance of various type Air Conditioners, R.O.'s & Water Coolers installed at Hon'ble Chief Minister & Ministers bunglows and Furniture Store, Gandhi Nagar, Jaipur. 22. Annual Maintenance and Operation of Booster Pump in Vidhyakpuri, Jaipur. 23. Repairing and upgrading of Fire Fighting and Fire Detection System at District Court, Jaipur. of subject matters of Procurement are Invited from intrested bidders upto 25.05.2026 6.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and http://pwd.rajasthan. gov.in. The approximate value of the procurement is Rs. 267.50 Lacs.

UBN NO.: PWD2627WSRC02358, PWD2627WSRC02359, PWD2627WSRC02360, PWD2627WSOB02361, PWD2627WSOB02362 PWD2627WSOB02363, PWD2627WSOB02364, PWD2627WSOB02365 PWD2627WSOB02366, PWD2627WSOB02367, PWD2627WSOB02368 PWD2627WSOB02369, PWD2627WSOB02370, PWD2627WSOB02371 PWD2627WSOB02372, PWD2627WSOB02373, PWD2627WSOB02374 PWD2627WSOB02375, PWD2627WSOB02376, PWD2627WSOB02377 PWD2627WSOB02378, PWD2627WSOB02379, PWD2627WSOB02380

Executive Engineer
PWD Electric Dn. I, Jaipur

DIPR/C/8717/2026

फुटबॉल वर्ल्डकप : ब्राजील और क्रोएशिया की टीमें घोषित

जूनियर नेमार की 3 साल बाद वापसी, स्पेन के लोपेज चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, 19 मई। फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए ब्राजील और क्रोएशिया की टीमों का ऐलान हो गया है। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील में 3 साल बाद जूनियर नेमार की वापसी हुई है। क्रोएशिया ने 40 साल के लुका मोड्रिच को कप्तान बनाया है। वे अपना 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर फर्मिन लोपेज दाएं पैर में फ्रैक्चर के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। जबकि, लैमिन यामल पहला मैच नहीं खेलेंगे।

48 टीमें के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। जोकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 16 शहरों में खेला जाएगा। हाल ही में फ्रांस और बेल्जियम ने भी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान किया था। चौथा वर्ल्ड कप खेलेंगे नेमार: ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जेनेरियो में टीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा- हमने पूरे साल नेमार का बारीकी से विश्लेषण किया। पिछले कुछ समय में उन्होंने लगातार फुटबॉल खेला है। उनकी फिटनेस इस बड़े मंच के लिए बिल्कुल दुरुस्त है।

34 साल के नेमार चोट के कारण 2023 के बाद से ब्राजील के लिए एक भी मैच नहीं खेल पाए। वे करियर का चौथा वर्ल्ड कप (2014, 2018, 2022, 2026) खेलेंगे। ब्राजील को

ग्रुप- में रखा गया है। उसका पहला मैच 13 जून को मोरक्को से होगा। फिर हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे।

गोलकीपर एलिसन बेकर चोट से ठीक होकर लौटे हैं। रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के राफिन्हा और 19 साल के एंड्रिक फॉरवर्ड लाइन में होंगे। इस सीजन प्रीमियर लीग में चेल्सी के लिए 15 गोल और 5 असिस्ट करने वाले टॉप स्कोरर जोआओ पेड्रो को टीम में जगह नहीं मिली है।

ब्राजील का पूरा वर्ल्ड कप स्क्वॉड: गोलकीपर्स: एलिसन बेकर (लिवरपूल), एडरसन (फेनरबाश), वेवरटन (ग्रेमियो)।

डिफेंडर्स: एलेक्स सैंड्रो, डैनिलो, लियो परेरा (फ्लेमेंगो), ब्रेमर (जुवेंटस), इबानेज़ (अल-अहली), वेस्ले (रोमा), मार्किन्होस (पेरिस सेंट-जर्मेन), गेब्रियल (आर्सेनल), डगलस सैंटोस (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग)।

मिडफील्डर्स: ब्रूनो गुइमारेस (न्यूकैसल), कैसिमिरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), डैनिलो सैंटोस (बोटाफोगो), फैबिन्हो (अल-इत्तिहाद), लुकास पाकेटा (फ्लेमेंगो)। फॉरवर्ड्स: एंड्रिक (लायन), गेब्रियल मार्टिनेली (आर्सेनल), इगोर थियागो (ब्रेंटफोर्ड), मैथ्यूज कुन्हा (मैनचेस्टर यूनाइटेड), राफिन्या (बार्सिलोना), विनिसियस जूनियर (रियल मैड्रिड), लुइज़ हेनरिक (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग), नेमार (सांतोस), रेयान (बॉर्नमाउथ)।

मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं: क्रोएशिया के मुख्य कोच ज्लाटको डालिच ने 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें 40 साल के दिग्गज लुका मोड्रिच को चुना गया। वे करियर का 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वे पिछले महीने गाल की हड्डी टूटने की चोट का शिकार हो गए थे। डालिच ने उम्मीद जताई है कि वे 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वर्ल्ड कप मैच तक फिट हो जाएंगे। मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं।

टीम में स्टार फॉरवर्ड इवान पेरिसिच भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले तीनों वर्ल्ड कप में क्रोएशिया के लिए गोल दागे हैं। क्रोएशिया की टीम 2018 वर्ल्ड कप की उपविजेता रही थी, जबकि 2022 वर्ल्ड कप में उसने तीसरा स्थान हासिल किया था। क्रोएशिया को ग्रुप-एल में रखा गया है। टीम 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद पनामा और घना से मुकाबले होंगे।

ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट लोपेज बाहर: लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज की चोट ने स्पेन की चिंता बढ़ा दी है। यामल चोट के कारण केप वर्डे 15 जून को होने वाले पहले मैच से बाहर हो गए हैं। जबकि 23 साल के मिडफील्डर लोपेज का वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूट गया है।

बार्सिलोना क्लब के अनुसार, रविवार को रियल बेटिस के खिलाफ स्पैनिश लीग मैच में लोपेज के दाएं पैर की 5वीं मेटाटार्सल हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। क्लब ने बताया कि उन्हें सर्जरी से गुजरना होगा और वे अगले महीने शुरू हो रहे वर्ल्ड कप तक फिट नहीं हो पाएंगे। लोपेज स्पेन की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2024 यूरो कप जीता था। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक 2024 में स्पेन को गोल्ड जिताने में 6 गोल दागे थे, जिसमें फ्रांस के खिलाफ फाइनल में किए गए 2 गोल भी शामिल थे। स्पेन वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 15 जून को अटलांटा में केप वर्डे के खिलाफ करेगा।

रैना ने धोनी के रिटायरमेंट पर अपडेट दिया

नई दिल्ली, 19 मई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने महेंद्र सिंह धोनी के से रिटायरमेंट पर अपडेट दिया है। वे सोमवार को चेन्नई-हैदराबाद मैच के दौरान धोनी के साथ थे। 39 साल के रैना ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा- मैंने उससे कहा कि 2026 को मिस्ड कॉल मान लो। इसका कोई मतलब नहीं है। तुम्हें अगले साल वापस आना होगा। रैना ने आगे कहा- 'उसने कहा कि मेरा शरीर थोड़ा कमजोर है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-जालोर

क्रमांक-वृत्त/जालोर/निविदा/ /2026-27 दिनांक-

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 61/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 250.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र/राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदकां से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है-

बिडसंख्या	NIB NO. PHE2627A0520	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
61/2026-27	UBN-PHE2627WSOB01125	15.42	30840/-	1000/-	1000/-	6 माह

ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि	15.05.2026
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्तिम तिथि	25.05.2026 को 6.00 पी.एम.
ऑनलाईनबिड खोलने की तिथि	26.05.2026 को 2.00 पी.एम.

बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
DIPR/C/8653/2026

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
खण्ड-जालोर

DIPR/C/8653/2026

सिवाना रिंग कॉम्पलेक्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल की प्रो-एक्टिव अप्रोच से राजस्थान खनन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है- केन्द्रीय खान मंत्री

जयपुर 19 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है तथा प्रदेश के खनन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 82 प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं और 57 खनिजों का दोहन किया जा रहा है। हमारी सरकार खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, नीतिगत सुधार और बुनियादी ढांचे में विकास को प्राथमिकता दे रही है।

- केन्द्रीय खान व कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल ने खान एवं विभाग की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि जिन खनिज ब्लॉक्स की नीलामी हो चुकी है, वहाँ पर शीघ्र उत्पादन कार्य शुरु हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर खान एवं कोयला विभाग की बैठक को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर केन्द्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की उपस्थिति में खान एवं कोयला विभाग की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स प्रदेश में बाड़मेर एवं बालोतरा जिले में लगभग 725 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई वृत्ताकार/अर्धवृत्ताकार आग्नेय चट्टानों की संरचना है। सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एवं सिवाना ग्रेनाइट में रेयरअर्थ एलिमेंट एवं हेवी रेयरअर्थ एलिमेंट उपलब्ध है। साथ ही, आधुनिक तकनीकी एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में इसका राष्ट्रीय महत्व है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। वहीं, इस संबंध में खान विभाग एवं संबंधित जिला कलक्टर केन्द्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करें, जिससे काम में तेजी आ सके। मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा राज्य में चिन्हित एवं अन्वेषित साइट्स की जानकारी राज्य सरकार के साथ साझा करें, जिससे संरक्षण की दृष्टि से उपयुक्त भूमि का अन्य प्रयोजन के लिए आवंटन नहीं हो। उन्होंने पर्यावरण स्वीकृति से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति देने के निर्देश दिए और कहा कि जिन खनिज ब्लॉक्स की नीलामी हो चुकी है, वहां पर शीघ्र ही उत्पादन कार्य शुरू करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों के लिए खान विभाग के अधिकारी नियमित बैठक कर कार्य योजना बनाएं। इससे खनन कार्य में भविष्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी एवं कार्यों की पुनरावृत्ति से बचा जा सकेगा।

केन्द्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रो-एक्टिव अप्रोच से राजस्थान खनन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन, निवेश अनुकूल वातावरण तथा पारदर्शी नीतियों के कारण राजस्थान खनन के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से खनन एवं पेट्रोलियम क्षेत्र में राज्य सरकार की नीतियों, केन्द्र से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री जनरल भुवन चंद्र खंडूरी का निधन

देहरादून, 19 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का आज सुबह यहां निधन हो गया।

वे 92 वर्ष के थे। उन्होंने पूर्वान्ह करीब सवा ग्यारह बजे यहां मैक्स अस्पताल में अंतिम श्वास ली। उन्हें आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण करीब पंद्रह दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पुत्री ऋतु खंडूड़ी भूषण उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष हैं, जबकि पुत्र मनीष खंडूड़ी भाजपा के कार्यकर्ता हैं।

- वे 92 वर्ष के थे तथा आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 15 दिन से अस्पताल में भर्ती थे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री रहे मेजर जनरल खंडूड़ी के निधन पर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। एक्स पर अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा, "उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

खंडूड़ी का बुधवार को हरिद्वार के खड़खड़ी घाट पर पूरे राजकीय व पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। खंडूडी के निधन पर प्रदेश सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की है। उनके अंतिम संस्कार के दिन पूरे राज्य के सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।

अमेरिका -ईरान को मनाने में जुटे हैं अरब देश

कतर, यूएई और सऊदी अरब की कोशिशों के बीच ट्रंप ने हमला टाल दिया है

वाशिंगटन/तेहरान/इस्लामाबाद, 19 मई। दुनिया के प्रमुख और सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर खिंची तनाव की तलवारों के बीच कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता कराने के प्रयासों पर लगे हुए हैं। मध्यस्थ की भूमिका में विफलता के बावजूद पाकिस्तान ने हार नहीं मानी है। वह अब भी अपने स्तर पर ईरान को मनाने की कोशिश कर रहा है। कतर, सऊदी अरब और यूएई, तीनों मिलकर इस संकट का समाधान निकालने के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहे हैं। तीनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति को इस बात के लिए राजी कर लिया है कि वे फिलहाल ईरान पर हमले की अपनी योजना को स्थगित कर दें।

- हालांकि अमेरिका अभी भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद करने की शर्त पर अडा हुआ है।
- इसी बीच पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी तेहरान पहुंचे ताकि शांति वार्ता को पुनः बहाल किया जा सके।

अरबी चैनल अल जजीरा, अमेरिकी चैनल सीबीएस न्यूज और पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में ईरान-अमेरिका के मध्य छिड़े विवाद की सुर्खियों को विस्तार से तरजीह दी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर ईरान पर होने वाले नियोजित हमले को टाल दिया है। उन्होंने कहा, "इस समय शांति समझौते को लेकर गंभीर बातचीत चल रही है।" ट्रंप ने सोमवार दोपहर वाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब, कतर और यूएई जल्द ही शांति समझौता कराने के लिए किसी समझौते पर पहुंच जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर अपनी मुख्य शर्त पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान को हर हाल में अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ना होगा। साथ ही कुछ नरमी दिखाते हुए कहा कि अगर पश्चिम एशिया के सहयोगी देश संतुष्ट हो जाते हैं तो अमेरिका को कोई दिक्कत नहीं है। ट्रंप ने कहा कि इसलिए अमेरिका अब मंगलवार को ईरान पर हमला नहीं करेगा। ट्रंप के अनुसार, यह समझौता अमेरिका और मध्य-पूर्व के देशों को स्वीकार्य होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा से पहले ईरान ने कहा था कि उसने संभावित शांति समझौते के लिए शर्तों का एक और संशोधित मसौदा भेजा है। बताया जा रहा है कि यह मसौदा पाकिस्तान के जरिये भेजा गया है। ट्रंप के बयान पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा, "यह ध्यान रखा जाए कि बातचीत का मतलब आत्मसमर्पण नहीं है। तेहरान गरिमा, अधिकार और राष्ट्र के अधिकारों की रक्षा के साथ इस बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार हुआ है।

उधर, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी तेहरान पहुंचकर ईरान और अमेरिका के बीच रुकी हुई शांति वार्ता को पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। तेहरान में 16 मई से मौजूद नकवी ने कल वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कीं। वह ईरानी राष्ट्रपति, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबाफ़ और गृहमंत्री एस्कंदर मोमेनी से मिल चुके हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि इस्लामी देशों के बीच तालमेल और एकजुटता ही टिकाऊ शांति और स्थिरता की नींव बन सकती है।

सख्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधान ने राज्यों में जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने को भी कहा, ताकि परीक्षा केन्द्रों की निगरानी मजबूत हो और सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा केन्द्रों पर सतर्कता और सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। साथ ही छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिवहन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पेट्रोल -डीजल कीमतों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 19 मई। कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर केन्द्र सरकार के खिलाफ बुधवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन के नेतृत्व में यह प्रदर्शन कोटला मुबारकपुर क्षेत्र के पिलिंजी गांव में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस ने अपने अभियान को 'कमर तोड़ महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल' नाम दिया है। पार्टी की ओर से बताया गया कि लगातार बढ़ती ईंधन और रसोई गैस की कीमतों ने आम लोगों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। महंगाई के कारण मध्यम वर्ग, श्रमिक, ऑटो चालक, टैक्सी चालक और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस बुधवार कोटला मुबारकपुर में विरोध प्रदर्शन करेगी।

पार्टी के अनुसार, यह प्रदर्शन बुधवार, 20 मई को शाम 6:30 बजे कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र स्थित पिलिंजी गांव, कोटला मुबारकपुर में आयोजित होगा। इसमें कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के भी शामिल होने की संभावना जताई गई है।

उल्लेखनीय है कि 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रति लीटर तीन रुपये तक की बढ़ोतरी की गई थी, जिसके बाद दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपये और डीजल 90.67 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। इसके बाद सीएनजी की कीमतों में भी लगातार दो चरणों में कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हुई। पहले 15 मई को दो रुपये प्रति किलोग्राम और फिर 18-19 मई के बीच एक रुपये प्रति किलोग्राम की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई।

दिल्ली में निर्माण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर 10-बिल्डिंग वाले कॉमन सेंट्रल सचिवालय में बदल दिया जाएगा, जिसमें सभी केन्द्रीय मंत्रालयों के कार्यालय होंगे। अब तक तीन भवन पूरे हो चुके हैं, नया संसद भवन, उपराष्ट्रपति एनक्लेव और प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर सेवा तीर्थ। कृषि भवन और शास्त्री भवन को ध्वस्त किया जाएगा, जबकि आईजीएनसीए और रक्षा भवन पहले ही ध्वस्त हो किये जा चुके हैं। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक, जो स्वतंत्रता पूर्व काल के हैं, को खाली कर नए राष्ट्रीय संग्रहालय में परिवर्तित किया जा रहा है।

सीएसएस 1, 2 और 3 अब तक पूरे हो चुके हैं, जबकि सीएसएस 10 (कर्तव्य भवन) को इस साल सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। सीएसएस 6 और 7 को मार्च 2027 तक, सीएसएस 8 और 9 दिसंबर 2027 तक और सीएसएस 4 और 5 अप्रैल 2028 तक तैयार करने की योजना है। पूरे प्रोजेक्ट को अप्रैल 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मंदिरों पर सरकारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच ने 1 अप्रैल, 2025 के आदेश में कहा था, "संबंधित राज्यों के हिंदू धार्मिक संस्थान और चैरिटेबल एंडाओमैंट्स अधिनियम की विभिन्न धाराओं को चुनौती दिए जाने के दृष्टिगत, हम पाते हैं कि याचिकाकर्ताओं को उक्त धाराओं को चुनौती देने के लिए संबंधित उच्च न्यायालयों के पास जाने की अनुमति दी जा सकती है। यह नोट किया गया है कि इन याचिकाओं में चुनौती दी गई धाराएँ केवल तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और चैरिटेबल एंडाओमेंट्स अधिनियम, 1959 तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें पुडुचेरी अधिनियम, 1932 और आंध्र प्रदेश चैरिटेबल और हिंदू धार्मिक एंडाओमैंट्स अधिनियम, 1987 भी शामिल हैं।"

'ग्रेट निकोबार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि भारत को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर गर्व है, लेकिन यूनेस्को के विश्व जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र नेटवर्क का महत्व भी उतना ही अधिक है। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य पारिस्थितिक और सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण करना है। भारत में 18 अधिसूचित जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र हैं, जिनमें से 13 को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है और उन्हें यूनेस्को के विश्व नेटवर्क में शामिल किया गया है। ग्रेट निकोबार जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र भी इन्हीं 13 क्षेत्रों में शामिल है, जिसकी घोषणा वर्ष 2013 में हुई थी।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अब यही संरक्षित क्षेत्र केंद्र सरकार की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के कारण गंभीर खतरे में है। यह परियोजना अव्यवस्थित और व्यावसायिक हितों से प्रेरित है तथा इससे संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्र को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

पीडब्ल्यूडी के 3 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और जापाकॉलोनी संपर्क सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग करने, निर्माण के दौरान ही सड़कें टूटने, अधूरे कार्य को पूर्ण दिखाकर भुगतान लेने और बिना कार्य किए बिल भुगतान करने की शिकायत मिली थी। इस शिकायत के आधार पर एसीबी चौकी प्रतापगढ़ द्वारा 19 जुलाई 2013 को आकस्मिक जांच की गई। जिसके बाद 18 नवंबर 2013 को मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने की।

जांच में तत्कालीन अधिशाषी अभियंता सायरमल मीणा, एन.एल. परमार, गिरधारी लाल वर्मा तथा संवेदक विनोद कोडिया की मिलीभगत से राज्य सरकार को 11 लाख 78 हजार 752 रुपए की आर्थिक हानि पहुंचाना प्रमाणित पाया गया।

एसीबी मुख्यालय द्वारा चालान पेश करने का निर्णय लेने के बाद राज्य सरकार से अभियोजन स्वीकृति जारी हुई। इसके बाद चारों आरोपितों को 18 मई को गिरफ्तार कर 19 मई को न्यायालय में पेश किया गया।

देश में अब आर्थिक तूफान आने वाला है- राहुल गांधी

रायबरेली, 19 मई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के पहले दिन रायबरेली में कहा कि देश में अब आर्थिक तूफ़ान आने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने जो ढांचा बनाया था, वह टूटने वाला है।

- अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में उन्होंने कहा प्रधानमंत्री खुद विदेश जा रहे हैं, दूसरो को रोक रहे हैं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल ने रायबरेली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि किसान, छोटे व्यापारी, आम आदमी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ख़ुद विदेश जा रहे हैं, जबकि दूसरों को जाने से रोक रहे हैं।

दरअसल, राहुल गांधी रायबरेली संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को रायबरेली पहुंचे हैं। यहां कार्यकर्ताओं ने चूरूवा बॉर्डर पर राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया। चूरूवा बॉर्डर पर स्थित हनुमान मंदिर पर उन्होंने मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। इस दौरान बाहर मौजूद कार्यकर्ता उनके पक्ष में नारेबाज़ी कर रहे थे। राहुल इसके बाद बछरावां पहुंचे। भक्तिन खेड़ा गाँव में सांसद निधि से बने बारात घर का उद्घाटन किया। 15 लाख की लागत से बने इस बारात घर का शिलान्यास भी राहुल ने किया था। इसके अलावा राहुल गांधी अन्य कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यहां वे लोगों से सीधे रूबरू होंगे तथा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी का लालगंज में महिलाओं के साथ बैठक कर संवाद करने का कार्यक्रम है।

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य पर मुकदमा चलेगा

कोलकाता, 19 मई। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चिकित्सक-छात्रा के कथित दुष्कर्म और हत्या मामले में राज्य सरकार ने अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के खिलाफ अभियोजन चलाने की अनुमति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दे दी है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने सोमवार रात एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए इसे न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम बताया।

अमेरिका भारत को अपाचे हैलीकॉप्टर व उसके उपकरण बेचेगा

नई दिल्ली, 19 मई। अमेरिका के विदेश विभाग ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर, सपोर्ट सेवाएं और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) को मंजूरी दे दी है। इसकी अनुमानित लागत 198.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

- अमेरिकी विदेश विभाग ने 198.9 मिलियन यूएस डॉलर की विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी।

अमेरिकी विदेश विभाग के राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत सरकार ने एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टरों के रखरखाव और संचालन सहायता सेवाएं, अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी एवं लॉजिस्टिक सहायता सेवाएं, तकनीकी डेटा एवं प्रकाशन, कर्मियों का प्रशिक्षण तथा अन्य संबंधित लॉजिस्टिक और प्रोग्राम सहायता सेवाओं की खरीद का अनुरोध किया है।

अमेरिका ने कहा कि यह प्रस्तावित बिक्री भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने तथा एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा क्षमता बढ़ाने में मदद करेगी। बयान में कहा गया कि भारत हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, प्रस्तावित सौदे से भारत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी, उसकी घरेलू सुरक्षा बेहतर होगी और क्षेत्रीय खतरों के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। भारत को इन उपकरणों और सेवाओं को अपनी सेना में शामिल करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

बयान में यह भी कहा गया कि इस उपकरण और सहायता की प्रस्तावित बिक्री से क्षेत्र में मौजूदा सैन्य संतुलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इस सौदे के प्रमुख ठेकेदार बोइंग और लॉकहीड मार्टिन होंगे। बोइंग का मुख्यालय वर्जीनिया के आर्लिंगटन में और लॉकहीड मार्टिन का मुख्यालय फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में स्थित है।

रिपब्लिकन पार्टी में राजनैतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाषण में कैसिडी ने, एक ही व्यक्ति के हाथ में सत्ता सिमटने के खतरे को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, "हमारा देश किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं है।" उन्होंने यह भी कहा कि जो नेता सत्ता के जरिए दूसरों को नियंत्रित करना चाहते हैं, वे देश की नहीं, बल्कि खुद की सेवा कर रहे हैं। फिर भी कैसिडी के शब्द उस सच्चाई को दिखाते हैं, जिसने अब रिपब्लिकन व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है।

सीनेटर लिंडसे ग्रैहम ने राष्ट्रीय टीवी पर साफ शब्दों में कहा, "इस पार्टी में ट्रंप के एजेंडे को खत्म करने की कोई गुंजाइश नहीं है।"

रिपब्लिकन पार्टी के चरित्र में यह चीज एक बहुत बड़ा बदलाव दर्शाती है। पहले की पीढ़ियों के रिपब्लिकन नेता विचारधारा से प्रेरित होते थे - छोटी सरकार, वित्तीय सख्ती, आक्रामक विदेश नीति या सामाजिक रूढ़िवाद जैसे मुद्दे उनकी पहचान थे। डैमोक्रैट्स इनमें से कई विचारों से असहमत थे, लेकिन पार्टी फिर भी कुछ पहचान योग्य सिद्धांतों के आधार पर चलती थी।

आलोचकों का कहना है कि आज पार्टी का मुख्य उद्देश्य विचारधारा नहीं, बल्कि ट्रंप के प्रति व्यक्तिगत वफादारी बन गया है।

विडंबना यह है कि रिपब्लिकन वोटरों के कुछ वर्ग स्वयं भी बहुत असहज महसूस कर रहे हैं। पारंपरिक कंज़र्वेटिव्ज़ ट्रंप द्वारा कार्यकारी शक्तियों के व्यापक इस्तेमाल से चिंतित हैं। वित्तीय अनुशासन में विश्वास रखने वाले लोग बढ़ते घाटे और सरकारी खर्च से परेशान हैं। "अमेरिका फर्स्ट" समर्थक मतदाता विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं और एप्स्टीन फाइल्स सहित, अधिक पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

फिर भी चुने हुए रिपब्लिकन नेता ज्यादातर चुप हैं, क्योंकि उनका राजनीतिक भविष्य ट्रंप की स्वीकृति पर निर्भर करता है।

इसी वजह से अमेरिका के पूर्व श्रम मंत्री रॉबर्ट राइश जैसे टिप्पणीकार एक ज्यादा गंभीर सवाल उठा रहे हैं: क्या रिपब्लिकन व्यवस्था, ट्रंप की तेजी से अराजक होती राजनीति में भागीदार बन गई है?

रॉबर्ट राइश का कहना है कि ट्रंप के प्रति वफादारी का मतलब अब उन दावों को स्वीकार करना हो गया है, जिन्हें अदालतों और संस्थाओं द्वारा व्यापक रुप से खारिज कर दिया गया है, जिनमें यह दावा भी शामिल है कि 2020 का चुनाव धांधली से हुआ था। इसमें विवादित इमिग्रेशन कार्यवाही, आक्रामक फॉरेन पॉलिसी एक्शन और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ स्टेट पावर के इस्तेमाल का समर्थन भी शामिल है।

आलोचक ट्रंप पर यह आरोप भी लगाते हैं कि उन्होंने सार्वजनिक पद और निजी फायदे के बीच की रेखा धुंधली कर दी है।

उन पर बिना निविदा वाले ठेके देने, पारिवारिक कारोबारी हितों को बढ़ावा देने, विदेशी उपहार स्वीकार करने और संस्थागत परंपराओं को बार-बार नजरअंदाज करने के आरोप लगाए जाते रहे हैं।

राइश और कई ट्रंप विरोधी कंज़रवेटिव्स के लिए चिंता अब सिर्फ विचारधारा तक सीमित नहीं रह गई है। असली सवाल यह है कि क्या रिपब्लिकन पार्टी अब एक स्वतंत्र राजनीतिक संस्था की तरह काम करना बंद कर चुकी है और एक ऐसे संगठन में बदल गई है, जो केवल एक व्यक्ति की सत्ता, हितों और राजनीतिक अस्तित्व के इर्द-गिर्द खड़ा है।

तृणमूल कांग्रेस में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं किया है। निगम के नोटिस में, बिना आधिकारिक अनुमति के, लगाए गए एस्केलेटर और लिफ्ट पर आपत्ति जताई गई है

कम-से-कम एक पार्षद अभिषेक बनर्जी के निर्माण का बचाव करने से पहले ही इनकार कर चुका है। अगर और पार्षद इस्तीफा देते हैं, तो नगर निगम में तय समय से पहले नए चुनाव कराने की स्थिति बन सकती है। कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हाकिम ने कालीघाट क्षेत्र में स्थित अभिषेक बनर्जी के 188 हरीश मुखर्जी स्ट्रीट वाले घर को लेकर नगर निगम द्वारा जारी कई नोटिसों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। नोटिस में एस्केलेटर, लिफ्ट और सार्वजनिक जमीन पर कथित अतिक्रमण को हटाने की बात कही गई है। फिरहाद हाकिम और कई अन्य नेताओं ने भी अभिषेक बनर्जी की संपत्ति का बचाव करने से इनकार कर दिया है। ऐसी स्थिति बन सकती है कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित कोलकाता नगर निगम और उसी पार्टी के पार्षद अभिषेक की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई करें।

टीएमसी नगर अध्यक्ष देबलीना बिस्वास ने नोटिस जारी होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि उनसे नगर निगम के तोड़फोड़ वाले इस नोटिस के खिलाफ सड़क पर प्रदर्शन करने को कहा गया था। टीएमसी के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी अब बेचैन दिखाई दे रहे हैं और पार्टी मामलों में अभिषेक बनर्जी की भूमिका को लेकर खुलकर विरोध जता रहे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पार्टी प्रबंधन और टिकट बांटने की प्रक्रिया का अत्यधिक "कॉरपोरेटाइजेशन" हो गया है।

अब कई लोग अभिषेक बनर्जी के खिलाफ खुलकर आक्रामक रुख अपना रहे हैं और बताया जा रहा है कि अभिषेक सार्वजनिक रूप से सामने आने से बच रहे हैं। अभिषेक ने अभी तक खुद का बचाव करने के लिए कोई खुला कदम नहीं उठाया है।

महेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने स्तर पर मामला दर्ज कर पूर्व मंत्री महेश जोशी और संजय बडाया सहित अन्य को गिरफ्तार किया था। तब जोशी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी।

लाहौर में रहमान गली फिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह प्रोजेक्ट पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सोच है और इसे उनकी बेटी और वर्तमान पंजाब मुख्यमंत्री मरियम नवाज आगे बढ़ा रही हैं। 50 अरब पाकिस्तानी रुपए के इस प्रोजेक्ट को देश की सबसे महत्वाकांक्षी सांस्कृतिक पुनर्स्थापन कोशिशों में से एक माना जा रहा है। सरकार ने यूरोपीय देशों की तुलना करते हुए कहा है कि पाकिस्तान को भी अपने शहरों के ऐतिहासिक स्वरूप को मिटाने के बजाय, उसे संरक्षित करना चाहिए। हेरिटेज पर्यटन को बढ़ावा देना और उससे होने वाली आय इस बदलाव का एक प्रमुख उद्देश्य है।

यह पहल केवल सड़क नामों तक सीमित नहीं है। शरीफ ने तीन क्रिकेट मैदानों और मिंटो पार्क (आज का ग्रेटर इकबाल पार्क) में पारंपरिक कुश्ती अखाड़े को पुनर्स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम 2015 में हुए उस नुकसान की भरपाई के रूप में देखा जा रहा है, जब उनके भाई शहबाज शरीफ, जो उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री थे, ने उन मैदानों को शहरी विकास के नाम पर ध्वस्त कर दिया था। शहबाज शरीफ के इस कदम की कड़ी आलोचना सिर्फ क्रिकेटरों ने ही नहीं, इतिहासकारों ने भी की थी। पाकिस्तान कप्तान के पूर्व इंज़ामाम उल हक सहित, कई प्रतिष्ठित खिलाड़ियों ने उस पार्क में स्थित क्लबों में प्रशिक्षण लिया। विभाजन से पहले भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ भी वहां खेला करते थे। जब वे 1978 में भारतीय टीम के साथ लाहौर गये, तो वे मिंटो पार्क भी गये और क्रिसेंट क्रिकेट क्लब भी गए, जहाँ उन्होंने कभी प्रशिक्षण लिया था, और वहां के खिलाड़ियों से मिले। ध्वस्त कुश्ती अखाड़े में भी प्रसिद्ध पहलवानों जैसे गामा पहलवान और गूंगा पहलवान के मुकाबले हुए थे और 1947 से पहले, हिंदू हर साल दशहरा मनाने के लिए इस पार्क में ही इकट्ठा होते थे। नाम बदलने की इस पहल को खासतौर पर दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि इसे पाकिस्तान में दशकों से चल रही इस्लामीकरण प्रक्रिया के बावजूद, बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू और सिखों, का इतिहास जबरन धर्मांतरण, संपत्ति पर अतिक्रमण और मंदिरों के ध्वंस से भरा रहा है। हिंदू, सिख, जैन और उपनिवेशकालीन नामों की पुनर्स्थापना लगभग बिना किसी संगठित विरोध के हुई है, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण बात है।

आलोचकों का कहना है कि यह प्रयास अतीत के साथ सच्ची सुलह के बजाय दिखावे पर अधिक आधारित है। पाकिस्तान आतंक वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय जांच का सामना कर रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था को अरबों का नुकसान हुआ है। लाहौर जैसे प्रमुख सांस्कृतिक शहर में विभाजन पूर्व के नामों की वापसी इस्लामाबाद को यह दिखाने का मौका देती है कि देश चरमपंथ से दूर जा रहा है। पाकिस्तान का यह कदम फायनेंशियल टास्क फोर्स, जिसने पहले पाकिस्तान पर कड़े आर्थिक प्रतिबन्ध लगा दिये थे, के साथ बात करने में लाभदायक हो सकता है।

यह पहल अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ के लिहाज में भी महत्वपूर्ण है, जिस पर पाकिस्तान अपनी आर्थिक सुरक्षा के लिए निर्भर है। आईएमएफ केवल आर्थिक आंकड़ों पर नहीं, बल्कि किसी देश की राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक माहौल पर भी नजर रखता है। एक शहर जो अपने बहुसांस्कृतिक हेरिटेज को खुले तौर पर दिखाता है, विदेशी निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं को यह संदेश देता है कि पाकिस्तान अब, कम से कम दिखावे में ही सही, सुरक्षित और खुला गंतव्य है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908